हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 13.02.2025 ● वर्ष : 15 ● अंक : 202 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : 3 रुपये 2 रुपये

- श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए गए।
- सीएम योगी सुबह 4 बजे से वॉर रुम में बैठकर की निगरानी।
- पहली बार मेले में 15 जिलों के डीएम, 20 आईएएस और 85 पीएससी अफसर तैनात किए गए।
- महाकुंभ का बुधवार को 31वां दिन था। इसके पहले दो अमृत स्नान हो चुके हैं। 13 जनवरी से अब तक करीब 50 करोड़ श्रद्धालु ने किया स्नान।
- अब 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर आखिरी स्नान होगा।

माघ पूर्णिमा पर महाकुंभ में करोड़ों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

एजेंसी

प्रयागराज : महाकुंभ में माघी पूर्णिमा के मौके पर विशेष स्नान का दिन है और इस वजह से मंगलवार को ही पूरे प्रयागराज को नो व्हीकल जोन बना दिया गया था। साथ ही खुद सीएम योगी आदित्यनाथ सुबह से ही अपने वॉर रूम से सभी व्यवस्थाओं और सुविधाओं का खुद जायजा ले रहे हैं और स्थितियों पर नजर रखे हुए हैं। माघ पूर्णिमा के इस पावन मौके पर स्नान करने पहुंचे सभी श्रद्धालुओं के ऊपर पुष्प वर्षा भी की गई। पुष्प वर्षा की शुरूआत सुबह 8 बजे से ही हो गई, जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न तटों पर स्नान कर रहे थे। गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद संतों और श्रद्धालुओं ने अभिभूत होकर जय श्री राम और हर-हर महादेव के नारे लगाए। अपनी धार्मिक आस्था को सम्मान दिए जाने पर श्रद्धालुओं ने योगी सरकार की भूरि-भूरि प्रशंसा की। स्नान पर्व के दौरान पुष्पवर्षा से साधु संत और श्रद्धालु गदगद नजर आए। जैसे ही आसमान में हेलीकॉप्टर की गड़गड़ाहट सुनाई दी, सभी को आभास हो गया कि योगी सरकार द्वारा उन पर पुष्पवर्षा होने वाली है। जैसे ही गुलाब की पंखुड़ियां श्रद्धालुओं पर पड़ीं, पूरा वातावरण हर-हर महादेव, गंगा मइया की जय और जय श्रीराम के नारों से गुंजायमान हो गया।

बता दें कि आज कल्पवासी स्नान के बाद अपने-अपने घरों के लिए रवाना होने लग जाएंगे। 13 जनवरी को शुरू हुए महाकुंभ 2025 में पिछले एक महीने से कई लोग कल्पवास कर रहे थे और आज उनका यह कल्पवास खत्म हो गया है। यहां आपको यह भी बता दें कि बुधवार को सुबह 10 बजे तक 2 करोड़ से अधिक लोगों ने संगम और गंगा में स्नान किया।

अब तक 47.45 करोड़ से अधिक लोग यहां स्नान कर चुके हैं। सभी कल्पवासियों से यातायात नियमों का पालन करने और केवल अधिकृत पार्किंग का उपयोग करने का अनुरोध किया गया है।

50 करोड़ लोग प्रयागराज में डुबकी लगा चुके हैं : योगी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कल तक 50 करोड़ लोग आस्था के कुंभ में स्नान कर चुके हैं। जबकि यूपी की आबादी 25 करोड़ है। सीएम ने कहा कि कुछ लोगों की आदत है जो कुंभ में स्नान करने से मना कर रहे हैं। यह वही लोग हैं जिन्होंने कोरोना में वैक्सीन लगवा ली थी और लोगों को वैक्सीन लगवाने से मना कर रहे थे। कुछ लोग चोरी छुपे संगम में जाकर डुबकी लगाकर आ गए और जनता से कह रहे हैं मत जाओ।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने सरकार की उपलब्धि गिनवाते हुए कहा कि जितना भुगतान समाजवादी बीएसपी सरकारों ने पिछले 22 सालों में किया था। उतना भुगतान बीजेपी सरकार ने मात्र 8 वर्ष में किया है। पिछले आठ सालों में बीजेपी 60 हजार करोड़ से अधिक का गन्ना मूल्य भुगतान कर कर चुकी है। जो विपक्षी पार्टियों के 22 साल पर भारी है। साथ ही उन्होंने चीनी मिल को सही ढंग से चलाने और बकाया गन्ना मूल्य भुगतान करवाने की बात कही।

सीएम ने कहा कि पूर्व की सरकारों में पुलिस की भर्ती नहीं होती थी। जबकि भाजपा सरकार में 62 हजार पुलिस की भर्तियों का फिजिकल टेस्ट चल रहा है। जिनका 2 महीने के अंदर जॉइनिंग लेटर मिल जाएगा। इसके साथ ही सीएम ने बागपत को 351 करोड रुपए की सौगात दी। 351 करोड़ रुपए की लागत से 181 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। साथ ही उन्होंने आरएलडी अध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस दौरान उन्होंने जमकर सरकार की तारीफ की और विपक्षियों पर निशाना साधा।

एक नजर

बंगाल बजट : सरकारी कर्मचारियों के डीए में 4 फीसदी की बढ़ोतरी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार ने 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले अपना आखिरी पूर्ण बजट पेश किया। बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास और 'पथश्री' योजना के तहत भी बजट में बढ़ोतरी की गई है। हालांकि, 'लक्ष्मी भंडार' योजना के लिए इस बार बजट में अतिरिक्त राशि आवंटित नहीं की गई। राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में 4 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है, जो एक अप्रैल से लागू होगी।

राज्यपाल ने शहीद कैप्टन करमजीत के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची जाकर जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास हुए विस्फोट में हजारीबाग के शहीद कैप्टन सरदार करमजीत सिंह बक्शी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवारजनों से भेंट कर संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि भारत माता के इस वीर सपूत का बलिदान व्यर्थ नहीं जायेगा।

मोदी ने फ्रांसीसी कंपनियों को भारत में निवेश के बढ़ते अवसर दिखाए, कारोबार के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांसीसी कंपनियों को भारत में निवेश और कारोबार के वातावरण में सुधार के लिए उठाए गए ठोस कदमों की जानकारी देते हुए रक्षा, ऊर्जा, राजमार्ग, नागर विमानन, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य सेवा, फिनटेक और सतत विकास के क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया है। फ्रांस की यात्रा पर गए श्री मोदी ने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पेरिस में 14वें भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को संबोधित किया। इस फोरम ने रक्षा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों, बुनियादी ढांचे, उन्नत प्रौद्योगिकी पर आधारित विनिर्माण, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस (एआई), लाइफ साइंसेज, कल्याण एवं जीवन शैली और भोजन एवं आतिथ्य जैसे क्षेत्रों में परस्पर सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों पक्षों की कंपनियों के विविध समूहों के मुख्य अधिशासी अधिकारियों (सीईओ) को जोड़ा गया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोदी ने अपने संबोधन में भारत में स्थिर राजनीतिक व्यवस्था और भरोसेमंद नितिगत वातावरण आधारित निवेश की एक आकर्षण जगह के रूप में भारत के आकर्षण पर प्रकाश डाला। श्री मोदी ने इसी माह प्रस्तुत बजट 2025-26 में घोषित सुधारों का भी उल्लेख किया जिसमें बीमा क्षेत्र में शत-प्रतिशत एफडीआई, लघु एवं सूक्ष्म परमाणु भट्ठी प्रौद्योगिकियों पर आधारित परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के क्षेत्र में निजी भागीदारी को छूट , सीमा शुल्क दर संरचना को तर्कसंगत बनाने तथा नयी आयकर संहिता लागू करने जैसे फैसलों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने भारत और फ्रांस के बीच व्यापार एवं आर्थिक सहयोग के विस्तार और इससे दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मिले प्रोत्साहन का उल्लेख किया।

राजनाथ ने जिम्बाब्वे, यमन, इथियोपिया और गाम्बिया के रक्षा मंत्रियों के साथ की द्विपक्षीय वार्ता

एजेंसी

बेंगलुरु : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को यहां एयरो इंडिया 2025 से इतर जिम्बाब्वे की रक्षा मंत्री ओप्पा मुचिंगुरी काशिरी, यमन के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल मोहसेन मोहम्मद हुसैन अल डेरी, इथियोपिया की रक्षा मंत्री आइशा मोहम्मद, गाम्बिया के रक्षा मंत्री सेरिंग मोडौ न्जी और गैबॉन की राष्ट्रीय रक्षा मंत्री ब्रिगिट ओनकानोवा के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

जिम्बाब्वे की रक्षा मंत्री के साथ बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने मौजूदा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग की समीक्षा की और जिम्बाब्वे के सशस्त्र बलों के प्रशिक्षण, सैन्य पाठ्यक्रमों और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने रक्षा सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और विश्वास व्यक्त किया कि इससे संबंधों में और गहराई आएगी। उन्होंने समझौता ज्ञापन को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए रक्षा मंत्रियों के बीच नियमित संपर्क के महत्व पर बल दिया।

दोनों देशों ने उत्पादन और रख रखाव के लिए रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग को प्रगाढ करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। सैन्य चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा की गई। इथियोपिया की रक्षा मंत्री के साथ बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने बढ़ते द्विपक्षीय रक्षा संबंधों पर संतोष व्यक्त किया। घनिष्ठ और सक्रिय संपर्क के महत्व को स्वीकार करते हुए, दोनों मंत्रियों ने मौजूदा संबंधों को संस्थागत बनाने के लिए रक्षा क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। दोनों पक्षों ने इथियोपिया के सशस्त्र बलों के सैन्य प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम, शांति स्थापना और क्षमता निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर विचार किया। रक्षा उद्योग सहयोग को और मजबूत करने के लिए भी चर्चा की गई और भारत के उभरते निजी क्षेत्र पर प्रकाश डाला गया।

यमन के रक्षा मंत्री के साथ बैठक में, दोनों नेताओं ने रक्षा क्षेत्र में संपर्क बढ़ाने पर ध्यान दिया। इसे एक कदम आगे ले जाने के लिए, दोनों नेताओं ने यमन के सशस्त्र बलों के सैन्य प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में साझेदारी के लिए चर्चा की। बैठक ने भारत और यमन के बीच रक्षा सहयोग को प्रगाढ बनाने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन और मार्गदर्शन दिया। गाम्बिया के रक्षा मंत्री के साथ बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने रक्षा क्षेत्र में एक साथ काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रतिमा और झंडा लगाने को लेकर विवाद झड़प में थाना प्रभारी समेत छह घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले के डोमचांच थाना अंतर्गत रूपनडीह में दो पक्षों में बुधवार सुबह जमकर पत्थरबाजी हुई। यह विवाद मंदिर के बैनर को हटाने और संत रविदास की प्रतिमा को लगाने को लेकर हुआ। इस घटना में मामले को शांत कराने पहुंचे दल डोमचांच थाना प्रभारी ओमप्रकाश समेत लगभग छह से अधिक लोग घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार रूपनडीह गांव में संत रविदास मंदिर के सामने झंडा बोर्ड और होर्डिंग लगाया गया है। इसको लेकर कुछ लोग विरोध कर रहे हैं। मंगलवार को अनुमंडल कार्यालय के समक्ष संत शिरोमणि रविदास समारोह समिति डोमचांच ने धरना प्रदर्शन भी किया था। वहीं बुधवार को इसी मामले में दो पक्षों में झड़प के बाद पत्थरबाजी की घटना हुई। माहौल शांत करने पहुंचे थाना प्रभारी ओम प्रकाश कुमार को भी पत्थर लगा और वे घायल हो गए। वहीं सर्किल इंस्पेक्टर विनोद कुमार और कुछ अन्य लोगों को भी चोट लगी है। बाद में एसडीओ रिया सिंह, एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में पहुंची विभिन्न थानों की पुलिस ने मोर्चा सम्हाला। लोगों को नियंत्रित करने के लिए लाठी भी भांजनी पड़ी तो वहीं गांव में विभिन्न थानों के पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है।

कश्मीर में धमाका, हजारीबाग के कैप्टन करमजीत समेत दो शहीद, पांच अप्रैल को होने वाली थी शादी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग निवासी कैप्टन कमरजीत सिंह बक्शी देश की सेवा करते हुए शहीद हो गए जिनका पार्थिव शरीर पैतृक आवास बुधवार देर शाम पहुंचने की उम्मीद है। गुरुवार को अंतिम संस्कार करने की बात कहीं जा रही है। जैसे ही यह बात आम लोगों तक पहुंची, उनके घर आने जाने का सिलसिला शुरू हो गया सभी लोग शहीद के परिजनों के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। भारत माता की जय के साथ पूरा क्षेत्र भी गूंज रहा है। परिवार को इस बात का फक्र है कि उनका बेटा देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया शहीद कैप्टन के पिता अजिनदर सिंह बक्शी को इस बात का फक्र है कि उसका बेटा देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देते हुए देश की सेवा में न्यौछावर हो गया। उन्होंने

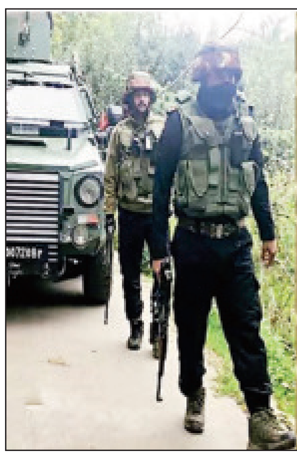

बताया कि करमजीत सिंह को बचपन से ही आर्मी में जाने की इच्छा थी। इस दुख की घड़ी में समाज के कई लोग भी उनके घर पहुंच रहे हैं। परिवार को ढांढस भी दे रहे हैं। साथ ही इस बात को लेकर फक्र कर रहे हैं कि हजारीबाग का बेटा देश के लिए शहीद हुआ है। जिसका पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटकर घर आएगा यह बेहद नसीब वालों को ही मिलती है। बताते चलें कि जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास मंगलवार को हुए आईईडी धमाके में

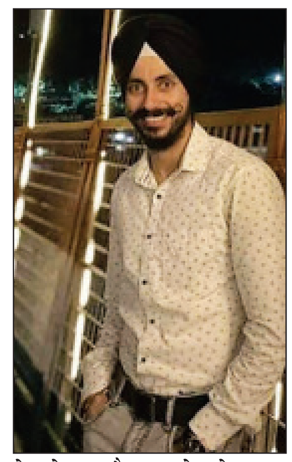

सेना के एक कैप्टन समेत दो जवान शहीद हो गए। वहीं एक जवान घायल है। शहीद कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी उर्फ पुनीत हजारीबाग के जुलू पार्क के रहनेवाले थे। वे अजिनदर सिंह बक्शी और नीलू बक्शी के एकलौते पुत्र थे। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को पेट्रोलिंग के दौरान आतंकियों के द्वारा बिछाई गई आईईडी में ब्लास्ट हो गया, जिसकी चपेट में आकर वे घायल हो गए। घायल होने के बाद सेना के द्वारा उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के क्रम में मौत हो गई। उनके शहीद होने की सूचना पर हजारीबाग में शोक की लहर है। जम्मू-कश्मीर के अखनूर में एलओसी पर पोस्टेड सरदार करमजीत सिंह बक्शी की आगामी पांच अप्रैल को शादी होने वाली थी। इसकी तैयारी के लिए वे 10 दिन पहले ही हजारीबाग में थे। शादी तय होने के बाद वे ड्यूटी पर कश्मीर चले गए थे। परिजनों के अनुसार, हजारीबाग में 29 मार्च को शादी से जुड़ी रस्में निभाई जानी थीं इसके बाद जम्मू में ही पांच को शादी तय थी।

शहीद कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी की शहादत पर विधायक ने जताया गहरा शोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में आईईडी विस्फोट में शहीद हुए हजारीबाग के वीर सपूत कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी उर्फ पुनीत की शहादत पर हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने बुधवार सुबह शहीद के निवास स्थान पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा की यह क्षति केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे हजारीबाग और झारखंड की है। कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी ने मातृभूमि की रक्षा के लिए जो सर्वोच्च बलिदान दिया है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका अदम्य साहस और देशभक्ति आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा। कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी की शहादत की खबर से पूरे हजारीबाग में गमगीन माहौल है। उनका परिवार शादी की तैयारियों में व्यस्त था, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। शादी की शहनाई बजने से पहले घर में मातम छा गया। विधायक ने कहा कि यह घटना हजारीबाग के हर नागरिक के लिए व्यक्तिगत क्षति जैसी है। विधायक ने शहीद के परिवार को हर संभव सहायता और सहयोग देने का आश्वासन दिया। विधायक ने कहा कि कैप्टन करमजीत की अंतिम यात्रा पूरे राजकीय सम्मान के साथ निकाली जाएगी। उन्होंने हजारीबाग के सभी नागरिकों से अपील की वे बड़ी संख्या में अंतिम संस्कार में शामिल होकर इस वीर सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

करमजीत सिंह बक्शी के शहादत को सांसद मनीष जायसवाल ने किया सलाम

हजारीबाग : हजारीबाग के लाल कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी मंगलवार को जम्मू कश्मीर के अखनूर में हुए आईईडी ब्लास्ट में वीरगति को प्राप्त हुए हैं। इस बेहद दुखद और हृदयविदारक घटना पर गहरा शोक संवेदना व्यक्त करते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग के लाल कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी के सर्वोच्च बलिदान पर समस्त हजारीबाग समेत पूरा राष्ट्र सदैव आपका ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि समस्त हजारीबाग के लिए अत्यंत दु:खद खबर और हृदयविदारक खबर है। उन्होंने ईश्वर से वीर सपूत की आत्मा को शांति देने की कामना की साथ ही कहा कि उनके शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं हैं।

शहीद करमजीत सिंह बक्शी के परिवार से मिले कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर योद्धा शहीद करमजीत सिंह बक्शी उर्फ पुनीत को संपूर्ण राष्ट्र नमन करता है। उनकी वीरता और कर्तव्यपरायणता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनी रहेंगी। बुधवार को कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने शहीद के परिजनों से भेंट कर संवेदनाएं व्यक्त कीं और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, शहीद करमजीत सिंह बक्शी की देश सेवा और सर्वोच्च बलिदान को पूरा भारत सदैव याद रखेगा। हम उनके परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं और सरकार से उनकी आर्थिक सहायता एवं आवश्यक सुविधाओं की अनुशंसा करेंगे। मुन्ना ने सरकार से शहीदों के सम्मान में स्थायी स्मारक स्थापित करने और उनके परिवारों के लिए दीर्घकालिक सुरक्षा एवं सहयोग सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, शहीदों और उनके परिवारों की देखभाल करना हमारा नैतिक कर्तव्य है, और मैं व्यक्तिगत रूप से इस मुद्दे को प्राथमिकता से देखूंगा।

हाइवा मालिकों ने एनटीपीसी से कोयला ट्रांसपोर्टिंग कार्य बढ़ाने की मांग की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हाईवा ऑनर संघ ने एनटीपीसी को ज्ञापन सौंप कर कोयला ट्रांसपोर्टिंग कार्य बढ़ाने की मांग की है। उक्त आशय को लेकर हाईवा ऑनर संघ के द्वारा इसकी प्रतिलिपि सांसद मनीष जायसवाल, बड़का गांव विधायक रोशन लाल चौधरी सदर विधायक प्रदीप प्रसाद वअन्य जनप्रतिनिधियों को देकर ट्रांसपोर्टिंग कार्य बढ़ाने की मांग की गई है। संघ ने बताया कि हाईवा गाडी ऑनर पिछले आठ वर्षों से एनटीपीसी का कोयला दुलाई का कार्य सुचारू रूप से करते आ रहे है। एनटीपीसी कम्पनी भूमि अधिग्रहण के समय यह बात कहकर जमीन लिया कि कम्पनी के आने से कई तरह का रोजगार का सृजन होगा। इसी अपेक्षित आश्वासन को देखते हुए हम सभी विस्थापित प्रभावित लोग स्वेच्छा से अपना-अपना जमीन कम्पनी को दिये तथा जमीन अधिग्रहण से मिले मुवाअजा से जीविकोपार्जन हेतु हाईवा एवं अन्य वाहन खरीदकर रोजगार से जुड़ें है। परन्तु वर्तमान वितिय वर्ष 2025-26 में पता चल रहा है कि सड़क मार्ग से कोल ट्रांसपोटिंग द्वारा कोयले की ढुलाई कम कर दिया गया है। जिससे हम सभी हाइवा गाड़ियों का आय शुन्य हो जायेगा। तथा हम सभी का गाडी कई बैंकों द्वारा फाइनेंस द्वारा लिया गया है। जिसका प्रतिकूल प्रभाव कई गाड़ी मालिकों पर पड़ेगा।

मोबाइल छिनतई करने वाले तीन युवकों को पुलिस ने भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग शहरी क्षेत्र में इन दिनों मोबाइल छिनतई की घटना बढ़ गई है चोर उचक्के चौक चौराहों पर भीड़ का फायदा उठा कर मोबाइल छीन भागने में सफल होते है इसी तरह की एक घटना को अंजाम देकर अज्ञात तीन लोग अंशुमन यादव, उम्र-23 वर्ष, पिता-प्रीतम यादव, पता-बंगाली कॉलोनी, थाना-बड़ा बाजार, जिला-हजारीबाग का मोबाइल छीन भागे जिसके बाद भुक्तभोगी के द्वारा बड़ा बाजार थाना ने लिखित आवेदन दिया और बताया कि मधुबन होटल, मिशन अस्पताल रोड के पास से रेडमी मोबाईल को अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा उनके मोबाईल की छिनतई कर लिया गया है, जिसके आधार पर सदर (बड़ा बाजार ओ०पी०)

कांड सं0-36/2025,दिनांक-11/02/2025 दर्ज किया गया। वरीय पदाधिकारी को सूचित करने के उपरांत त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी बड़ा बाजार ओ०पी०, बड़ा बाजार गश्ती दल गश्ती मिशन अस्पताल रोड होते हुए न्यू बस स्टैण्ड, हजारीबाग पहुँचने पर देखा गया कि पुलिस की गाड़ी को देखकर एक मोटरसाईकिल से तीन व्यक्ति भागने का प्रयास कर रहे हैं। भाग रहे मोटरसाईकिल को पीछा कर एक व्यक्ति को पकड़ा गया तथा अन्य दो व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने में सफल रहे। पकड़ाये हुए अपराधकर्मी ने अपना नाम राजकुमार यादव, पिता-विजय कुमार यादव, सा०-रेवार, थाना-मुफ्फसिल, हजारीबाग बताया जिनके पास से छिनतई किया हुआ मोबाईल एवं एक मोटरसाईकिल बरामद किया गया। पकड़ाये गये अपराधकर्मी के निशानदेही पर भागे हुए अन्य दो अपराधकर्मी 02. अक्षत कुमार, पिता-अशोक पासवान, पता- बहरी, एवं 03. राहुल कुमार, पिता-रंजीत सिंह, सा०-अमृतनगर दोनो थाना-मुफ्फसिल, जिला-हजारीबाग के पास से चोरी के कुल 09 मोबाईल बरामद किया गया। छापामारी दल में शामिल में थाना प्रभारी, बड़ा बाजार ओ०पी० बिट्ठू कुमार रजक एवं पुलिस के जवान शामिल थे।

फर्जी तरीके से लिया जीएसटी नंबर, हजारों टन बेचा कोयला किसान को आया टैक्स जमा करने के लिए दो करोड़ का नोटिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग में एक बड़ा फ्रॉड का मामला प्रकाश में आया है जिसमें सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान भी होने का आसार है। फर्जी कंपनी बना कर लगभग 100 करोड़ रुपए से भी अधिक का कोयला बेच डाला गया है। जिसे लेकर 54 करोड़ रुपये का जीएसटी धोखाधडी का मामला मुफस्सिल थाना में दर्ज किया गया है। बनारस जीएसटी ने भुक्तभोगी को दो करोड़ रुपए क्लेम का नोटिस भेजा है। हजारीबाग के हुटपा निवासी किसान मुकेश कुमार सिंह के साथ बड़ा फ्रॉड हुआ है। उनके दस्तावेज का दुरुपयोग कर तीन फर्जी कोयला कंपनी ने जीएसटी हासिल कर हजारों टन कोयले का हेरफेर कर 54 करोड़ का ट्रांजेक्शन किया। अब बनारस जीएसटी ने किसान को दो करोड़ रुपए क्लेम का नोटिस भेजा है। मुकेश ने कहा है कि वे गरीब हैं। बच्चों की फीस जमा करने में परेशानी होती है। नोटिस से किसान के पूरे परिवार की नींद उड़ गई है। इसे लेकर कांड संख्या 16/25 के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। जांच में पता चला है कि किसान के नाम पर गणेश इंटरप्राइजेज कंपनी, शिवगंगा ट्रेडर्स और मां भद्रकाली ट्रांसपोर्ट ने कोयले का कारोबार किया है। इस मामले मे तीन - लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसमें शिवगंगा कोल ट्रेडर्स के मालिक अरुणीमा मिश्रा, जय मां भद्रकाली ट्रांसपोर्ट एंड कोल कंपनी मालिक बीजेंद्र यादव एंव बीरेंद्र कुमार गुप्ता का नाम शामिल है। जानकारी के अनुसार फर्जी कंपनी गणेश इंटरप्राइजेज हजारो टन कोयले का जीएसटी 2022 से नवंबर 2024 तक 54 करोड़ रुपया बकाया है। मुकेश कुमार अधिक पढ़े लिखे हुए नहीं है। उन्होंने अपने मित्र का मदद लिया। मित्र नोटिस लेकर हजारीबाग के सीए से मुलाकात किये। जीएसटी कार्यालयके पदाधिकारी से भी मुलाकात किया। जब बातें खुलकर सामने आई तो उसके होश उड़ गए। जीएसटी नंबर लेने के लिए जनधन अकाउंट का डिटेल का उपयोग किया गया है। वही उसका पैन कार्ड भी इसके लिए उपयोग में लाया गया। फर्जी फोन नंबर और फर्जी ईमेल बनाकर जीएसटी नंबर लिया गया। इसके बाद से यह गोरख धंधा शुरू किया गया है। जीएसटी नंबर देने के लिए बड़कागांव के एक जमीन का ब्योरा दिया गया। जबकि भुक्तभोगी का जमीन भी बड़कागांव में नहीं है। भुक्तभोगी ने बताया कि 15 दिन पूर्व वाराणसी आयकर विभाग से उसके नाम से एक नोटिस आया। इस नोटिस में फरजी कंपनी के नाम पर करीब 54 करोड़ रुपया का बकाया भुगतान करने की बात कही गयी है। इस नोटिस के आंधार पर छानबीन के लिए शहर के जानेमाने चार्टड अकाउंटेंट से संपर्क किया तब पता चला कि गणेश इंटरप्राइजेज में मेरा पेन कार्ड और बैंक पासबुक का इस्तेमाल किया गया है। कंपनी स्थापित करने के लिए मेरे नाम जमीन का फर्जी प्लॉट दिखाया गया है। कंपनियों ने 2022-23 में 2 करोड़ और 2023-24 में 52 करोड़ का ट्रांजेक्शन किया था। पुलिस ने अब तक की जांच में पाया है कि तीन साल पहले मुकेश के पास कुछ लोग पहुंचे थे। उन्हें क्रेडिट कार्ड खुलवाने का लोभ दिया था। लोभ में आकर मुकेश ने अपना दस्तावेज दिया था। इसके बाद उन्हें पता नहीं। पुलिस के अनुसार, उनकी जमीन के कागज, पैन कार्ड और पासबुक का दुरुपयोग कर फर्जी ईमेल आईडी क्रिएट कर गलत फोन नंबर का सहारा लेते हुए जीएसटी फॉर्म लिया गया। उनके नाम से फर्जी जीएसटी नंबर के सहारे यह हेराफेरी कर दी गई।

एक नजर

अफीम की खेती को ड्रोन कैमरा की मदद से किया गया नष्ट

चौपारण : अफीम खेती के मामले में जिले का खूंटी बन चुका चौपारण में लगातार हो रही कारवाई से एक तरफ तस्करों का जहां नींद हराम हो गई है। वहीं दूसरे तरफ के प्रखण्ड के लोग भी इतने बड़े पैमाने पर अफीम खेती की बात सुनकर हतप्रभ हैं। लगातार कारवाई से पूरे प्रशासनिक टीम को धन्यवाद कह रही है। बीते कुछ दिनों से पुलिस तथा वन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से जंगलों में पोस्ते की खेती को नष्ट करने का अभियान चल रहा है। बुधवार को भी आश्रयणी क्षेत्र के अहरी, नावाडीह, जमुनिया तरी आदि गाँव के बाहरी इलाके में पचास एकड भुमि से पोस्ते की खेती को नष्ट किया गया। अफीम फसल को नष्ट करने के लिए बुधवार को पुलिस ने तीसरी आंख यानि कि ड्रोन कैमरा की भी मदद ली। वहीं जहां ट्रैक्टर नहीं पहुंच पाया वहां ग्रास कट्टर का उपयोग कर अफीम फसल को नष्ट किया गया। साथ ही 15 ट्रैक्टर और 50 से अधिक पुलिस बल और वन विभाग की पूरी टीम के मदद से 50 एकड़ में लगे अफीम खेती को नष्ट किया गया। इस बार प्रखण्ड में जितनी कारवाई हुई है,यदि फसल तैयार हो जाता तो बड़े मार्केट में उसका अनुमानित कीमत अरबों में आंकी जा रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीएसपी अजीत कुमार बिमल ने कहा कि पूरे इलाके से अवैध खेती को खत्म किया जायेगा। इसमें शामिल लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई की जायेगी। अभियान में इंस्पेक्टर चंद्रशेखर प्रसाद, थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश, एस आई रवि रंजन, रोशन कुमार,बादल महतो सहित बडी संख्या में पुलिस बल शामिल थे। इधर प्रादेशिक वन प्रक्षेत्र द्वारा भी बुधवार को काला पहाड़, असनाचुंआ, अंबादाह आदि जंगली इलाकों में पोस्ते की खेती नष्ट की गई। इसमें वनपाल पंकज कुमार, अजीत गंझु, सुखदेव यादव, उमेश कुमार सहित अन्य वनकर्मी शामिल थे।

लोटवा डैम के चट्टान में फंसा मिला मानव खोपड़ी

इचाक : प्रखंड के लोटवा डैम के चट्टान में फंसा मानव खोपड़ी मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। बोरे में डाल कर फेंका मानव खोपड़ी को सोमवार संध्या करीब चार बजे मछुआरों और चरवाहों ने चट्टान में फंसा प्लास्टिक बोरे में देखा। बोरे को कुरेदने पर उससे मानव खोपड़ी निकला। जिसकी चर्चा आस के गांव में होने लगी।चर्चा के बाद मंगलवार सुबह आसपास के लोग डैम के पास पहुंचे और पत्थर में फंसा बोरा को कुरेदा जिसमें मानव खोपड़ी, पैर की हड्डियां के अलावा नर कंकाल के टुकड़ों में बांटा हड्डियों के अवशेष ,पत्थरों के टुकड़े निकला। लोगों ने इसकी सूचना पंचायत प्रतिनिधियों को दिया जिसके बाद इचाक पुलिस को डैम में खोपड़ी होने की सूचना दी गई। लोगों की सूचना पर इचाक पुलिस लोटवा डैम पहुंचकर मानव खोपड़ी और हड्डियों को जब्त करते हुए छानबीन शुरू कर दिया है लोगों ने बताया कि किसी अज्ञात की हत्या दूसरे जगह कर अपराधियों ने शव के टुकड़े को बोर में भरकर डैम में फेंक दिया होगा। बरसात में डैम में पानी अधिक होने के चलते बोरा तैरता रहा। किंतु पानी सूखने के बाद बोरा पत्थर के चट्टान में फंस गया। जिस कारण वहां पहुंचे चरवाहों और मछुआरों ने इसे देखा और कुरेदते हुए गौर से देखा तो मानव खोपड़ी और हड्डी निकला। बता दे की नेशनल पार्क जंगल और लोटवा डैम का किनारा अपराधियों और अश्लील हरकत करने वाले जोड़ियां का सेफ जोन बन गया है जिसके कारण शरारती अपराधी और प्रेमी जोड़े यहां योजना के तहत पहुंचते है जो अपनी मकसद में भी सफल होने के बाद हत्या को अंजाम देकर शव को डैम में फेंककर निकल जाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर ने बाइक सवार दो लोगों को मारा धक्का, एक की हालत गंभीर

बड़कागांव : मंगलवार देर शाम तकरीबन 7 :00 बजे लमकीटांड़ घाटी में एक ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल सवार दो लोगों को जोरदार धक्का मार दिया। जिसके कारण दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों घायलों को इलाज के लिए बड़का गांव हॉस्पिटल लाया गया। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अविनाश कुमार के देखरेख में दोनों का इलाज किया गया, स्थिति गंभीर होने के कारण दोनों को हजारीबाग रेफर किया गया। तत्पश्चात एक की स्थिति काफी दयनीय होने के कारण हजारीबाग सदर अस्पताल से रांची रिम्स रेफर कर दिया गया है। मामले को लेकर विनोद गोस्वामी ने बताया कि घायल 55 वर्षीय छत्रमैन करमाली की स्थिति काफी गंभीर बनी हुई है। रांची रिम्स में इलाज चल रहा है सुधार नहीं हो रहा है। वही 45 वर्षीय मनोज गोस्वामी का बाएं पैर टूट गया और दाहिना पैर फ्रैक्चर हो गया है, माथे में 7 टांके लगे हैं। कार्रवाई के लिए बिना नंबर का ट्रैक्टर को पुलिस के हवाले कर दिया गया है ट्रैक्टर चालक फरार है। दोनों घायल बड़कागांव से भुरकुंडा जा रहे थे। थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने कहा कि आवेदन प्राप्त होते हीं कार्रवाई की जाएगी।

मैट्रिक व इंटर की परीक्षा में शामिल हुए परीक्षार्थी चार केंद्रो में संचालित हो रही है परीक्षा

बड़कागांव : हजारीबाग जिले में मंगलवार से मैट्रिक की परीक्षा शुरू हो चुकी है। निर्धारित तिथि के अनुसार बड़कागांव प्रखंड में भी मैट्रिक की परीक्षा सुचारु रूप से शुरू हो गया है। परीक्षा दो पाली में हो रही है प्रथम पाली में मैट्रिक पाली में इंटर की परीक्षा हो रही है परीक्षार्थी होम सेंटर होने के कारण काफी खुश हैं। क्योंकि परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पहुंचने में कम कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। परीक्षा 11 फरवरी से शुरू होकर 3 मार्च तक संचालित होगा। बड़कागांव प्रखंड में कुल चार केंद्र में परीक्षा संचालित हो रही है। जिसमें मुख्य रूप से कर्णपुरा कॉलेज बड़कागांव, इंदिरा गांधी कॉलेज बड़कागांव, प्लस टू हाई स्कूल बड़कागांव एवं आदर्श मध्य विद्यालय बड़कागांव को केंद्र बनाया गया है। मैट्रिक में कुल 1554 एवं इंटर में 1320 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा को कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर कुल 60 शिक्षकों को ड्यूटी पर लगाया गया है। वहीं परीक्षा केंद्र में परीक्षा दंडाधिकारी प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल के द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दरमियान प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल ने बताया कि सरकारी आदेशों के अनुसार सभी केन्द्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। परीक्षा केंद्र में परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसके लेकर तमाम तरह की विशेष व्यवस्था की गई है।

बड़कागांव में धूमधाम से मनाई गई संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के तमाम गांव में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 648 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। बड़कागांव, चंदौल, सीकरी, जुगरा, नयाटांड़ आदि गांव में कलश यात्रा निकाली गई व पूजा अर्चना की गई। मध्य पंचायत अंबेडकर मोहल्ला के सामुदायिक भवन से कलश यात्रा राणा मोहल्ला, बरगद मोहल्ला, मुस्लिम मोहल्ला, होते हुए पीपल नदी घाट पहुंचा, जहां गंगा स्तुति कर महिलाएं अपने-अपने कलश में जल लेकर प्रस्थान किया। उसके बाद कलश लेकर महिलाएं व पुरुष शोभा यात्रा के साथ बसारिया मोहल्ला, दैनिक बाजार, बड़कागांव मुख्य चौक, अंबेडकर चौक, पूजा स्थल पहुंचे जहां, पुजारी रामवृक्ष राम, संजय सागर द्वारा मंत्र उच्चारण के साथ पूजा अर्चना कराया गया। रविदास जयंती को लेकर बड़का गांव विधायक रोशन लाल चौधरी, पूर्व विधायक योगेंद्र साहू , रविदास महासभा के प्रखंड अध्यक्ष असेश्वर राम ने कई गांव में जाकर रविदास जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना किया। कलश यात्रा में मुख्य अतिथि विधायक रोशन लाल चौधरी, पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, प्रमुख फुलवा देवी, उप प्रमुख बचनदेव कुमार, मुखिया मो तकरीमुल्लाह खान, पंसस रितेश ठाकुर, पूर्व प्रमुख टूकेश्वर प्रसाद, पूर्व पंसस राजीव रंजन, अध्यक्ष विनोद राम, सचिन देवनारायण राम, कोषाध्यक्ष राजू कुमार दास, उपाध्यक्ष शंभू रविदास, उपसचिव संतोष राम, उपकोषाध्यक्ष आकाशदीप, संरक्षक रामेश्वर राम,रामवृक्ष राम, महेश राम, रघुनाथ राम, रामपति राम, जोगन राम, संरक्षक सिकंदर राम, जागेश्वर राम, संजय कुमार रवि, गणेश राम, राजू राम, कैलाश राम, सुकेश कुमार, पूजा प्रभारी नरेंद्र राम, सरजू राम, संगठन मंत्री सुरेंद्र राम, मीडिया प्रभारी संजय सागर, रितेश ठाकुर, सूरज कुमार, सिकंदर राम,चंदन गुरु, उदित नारायण कुमार, महावीर राम, रामपति राम, युगेश्वर राम, मोहन राम, सुरेश राम, मुनेश कुमार राम, अशोक कुमार दास, आदि उपस्थित हुए। पूजा के बाद सभा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष विनोद राम एवं संचालन संजय सागर ने किया।

गौतम बुद्ध बीएड कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने विधायक प्रदीप प्रसाद से की मुलाकात

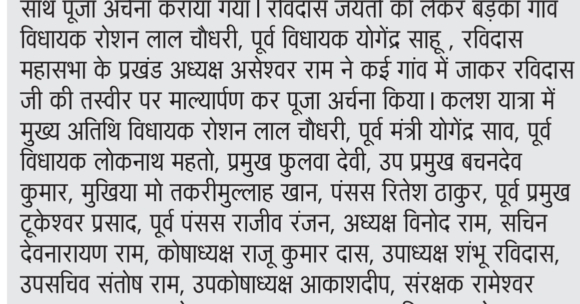

हजारीबाग : हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद से आज उनके सेवा कार्यालय में गौतम बुद्ध बी.एड. कॉलेज के कई छात्र-छात्राओं ने मुलाकात की। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपनी शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा और उनके शीघ्र समाधान की मांग की। छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा की आपकी समस्याओं का समाधान करना मेरी जिम्मेदारी है। मैं जिला प्रशासन से इस विषय पर मुखर होकर वार्ता करूंगा और यह सुनिश्चित करूंगा कि आपकी परेशानियों का शीघ्र निपटारा हो। शिक्षा के क्षेत्र में किसी भी छात्र को कोई कठिनाई न हो, यह मेरी प्राथमिकता है। विधायक ने कहा कि वे संबंधित विभागों से जल्द से जल्द संपर्क कर इस विषय पर आवश्यक निर्देश जारी करवाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सरकार और प्रशासन को इस दिशा में त्वरित कार्रवाई करनी होगी, ताकि किसी भी विद्यार्थी को शिक्षा के अधिकार से वंचित न होना पड़े। विधायक प्रदीप प्रसाद के सकारात्मक रुख और ठोस आश्वासन से छात्रों को उम्मीद बंधी है कि जल्द ही उनकी समस्याओं का समाधान होगा। उन्होंने विधायक महोदय को धन्यवाद दिया और विश्वास जताया कि उनके प्रयासों से कॉलेज की स्थिति में सुधार आएगा।

एक नजर

रांची के डोरंडा थाना में तैनात सिपाही की मौत

रांची : राजधानी रांची के डोरंडा थाना में तैनात सिपाही गजेंद्र कुमार यादव का बुधवार सुबह निधन हो गया। वह मूल रूप से गोड्डा जिले के रहने वाले थे। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, जिससे मौत के सही कारणों का पता चल सके। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, गजेंद्र कुमार यादव लंबे समय से बीमार थे और कई गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे।

रांची में तापमान औसत से अधिक, रूलाएगी गर्मी

रांची: राजधानी रांची में इस वर्ष भी गर्मी सताएगी। फरवरी माह में रांची में अधिकतम तापमान औसत से अधिक रिकॉर्ड की जा रही है। राजधानी में यदि पिछले चार दिनों की बात की जाए तो बुधवार को यहां का अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो औसत से 2.5 डिग्री अधिक है। वहीं मंगलवार को 2.5 डिग्री अधिक, सोमवार को 3.8 डिग्री अधिक, जबकि रविवार को राजधानी में औसत तापमान 0.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस वर्ष रांची के अलावा राज्य के कई शहरों में अभी से ही तापमान में काफी बढोत्तरी दर्ज की जा रही है, जिसमें सरायकेला, चाईबासा, जमशेदपुर, डालटेनगंज प्रमुख रूप से शामिल है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि लगातार तापमान में बढोत्तरी से संभावना है कि इस वर्ष गर्मी ज्यादा पड़ेगी।उल्लेखनीय है कि पिछले साल भी रांची में प्रचंड गर्मी पडी थी, जिससे आम जन जीवन परेशान हो गया था।

तमाड़ में दिनदहाड़े सीएससी सेंटर से पांच लाख की लूट

रांची : तमाड़ में दिनदहाड़े सीएससी सेंटर से पांच लाख रूपया की लूट हुई है। यह घटना बुधवार की दोपहर हुई है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए सेंटर के संचालक शिवचरण महतो ने बताया कि वह सेंटर खोल कर अंदर बैठे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन अपराधी उनके सेंटर में आए और आते ही उन्होंने सबसे पहले सेंटर का दरवाजा बंद कर दिया। फिर उनके साथ मारपीट करते हुए काउंटर में रखे करीब पांच लाख रुपये लूट लिए और मौके से फरार हो गए। संचालक ने अपराधियों के भागने के बाद वह तुरंत तमाड़ थाना पहुंचे और पुलिस को मामले की पूरी जानकारी दी। हालांकि जब तक पुलिस की टीम मौके पर पहुंचती तीनों अपराधी फरार हो चुके थे। मामले में शिवचरण के बयान पर एफआईआर दर्ज की गई है।

झारखंड पुलिस के 38 सीनियर डीएसपी को मिली प्रोन्नति

रांची: झारखंड पुलिस के 38 सीनियर डीएसपी रैंक के अधिकारी को प्रोन्नति मिली है। इन सभी डीएसपी को ग्रेड पे 6600 पुनरक्षित वेतनमान लेवल 11 में प्रोन्नति दी गई है। इससे संबंधित अधिसूचना गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के द्वारा जारी कर दी गई है। इन 38 डीएसपी को मिली प्रोन्नति मजरूल होदा, अनूप कुमार बड़ाइक, समीर कुमार तिर्की, बचनदेव कुजूर, रजत माणिक बाखला, सतीश चंद्र झा, पुरूषोतम कुमार सिंह, केवी रमण, प्रमोद कुमार केसरी, संदीप कुमार गुप्ता, विकास चंद्र श्रीवास्तव, सुमित कुमार, राजा कुमार मित्रा, राज किशोर, अजीत कुमार विमल, चंदन कुमार वत्स, ज्ञान रंजन, कौशर अली, अमर कुमार पांडे, मनोज कुमार महतो, रणवीर सिंह, मनोज कुमार झा, अभिषेक कुमार, धीरेंद्र नारायण बंका, ओमप्रकाश तिवारी, सुदर्शन कुमार आस्तिक, संजय कुमार, विजय कुमार महतो, दीपक कुमार, श्रद्धा केरकेट्टा, समीर कुमार सवैया, आनंद ज्योति मिंज, सुनील कुमार रजवार, दिलीप खलखो, जीतवाहन उरांव, जयदीप लकड़ा,अजय केरकेट्टा और संजीव कुमार बेसरा शामिल है।

माघ पूर्णिमा पर मंदिरों में उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : माघ पूर्णिमा पर राजधानी रांची के विभिन्न मंदिरों में बुधवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालु सुबह नहा धोकर मंदिरों में पूजा अर्चना कर दान पुण्य किया। रांची के पहाडी मंदिर, जगरनाथपुर मंदिर, मेन रोड स्थित काली मंदिर, मेन रोड स्थित संकट मोचन मंदिर समेत अन्य मंदिरों में भीड़ देखी गयी। इस दौरान रांची के पुंदाग स्थित राधा- कृष्ण मंदिर में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिर में पूर्णिमा में विशेष पूजा- पाठ और विशेष आरती का आयोजन श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट ने किया था। उल्लेखनीय है कि इस मंदिर का संचालन प्रणामी ट्रस्ट करता है। मंदिर के पुजारी अरविंद पांडे ने भगवान श्री राज श्याम जी को विधिवत पूजा- अर्चना कर भोग लगाया तथा पूरे विधि विधान से पूजा संपन्न कराया। इसके बाद सामूहिक रूप से आरती की गई एवं प्रसाद वितरण किया गया। माघ ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया माघ पूर्णिमा के अवसर पर विशेष पूजा- पाठ किया गया। तथा भजन- कीर्तन में सदस्यों ने एक से बढ़कर एक भजन गाए। मधुर भजनों पर भक्त ूब झूमे। उन्होंने बताया कि माघ पूर्णिमा का सनातन धर्म में विशेष महत्व माना गया है। यह पर्व पूर्णिमा जगत के पालनहार भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस अवसर पर भगवान विष्णु संग मां लक्ष्मी की प्रार्थना करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। वहीं इस अवसर पर कई घरों में सत्यनारायण भगवान की कथा और पूजा की गई। मान्यता है कि भगवान विष्णु ने माघ पूर्णिमा के दिन मत्स्य अवतार धारण किया था। इसलिए यह पूर्णिमा बेहद खास मानी गई है। उन्होंने बताया कि हजारों की संख्या में श्रद्धालु श्री कृष्ण राधा मंदिर पहुंचे और भव्य मंदिर के शीश महल में विराजमान भगवान श्री राधा-कृष्ण, श्रीमद् भागवत गीता, भगवान का वस्त्र, मोर मुकुट, मुरली की पूजा अर्चना की।

टमाटर की बंपर पैदावार, पर किसानों के लिए हो गया घाटे का सौदा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में इस बार टमाटर की बंफर पैदावर हुई है। लेकिन इसका खामियाजा किसानों को उठाना पड़ रहा है। उन्हें लागत कीमत भी नहीं मिल पा रही है। राज्य के चतरा, लातेहार और पलामू समेत कई जिलों के किसान टमाटर की बंपर पैदावार से नुकसान में हैं। टमाटर की कीमतें 2 से 3 रुपए प्रति किलो तक गिर गई हैं। कुछ जगहों पर टमाटर एक रुपए किलो बिक रहा है। लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है।

किसानों को लाखों रुपए का नुकसान

किसानों ने बताया कि टमाटर का भाव इतना गिर गया है कि मजदूरी भी नहीं निकल पा रही है। टमाटर के बाजार भाव दो रुपए किलो रहने से किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हो रहा है। एक कैरेट में 40 से 50 किलो टमाटर होता है। जो सिर्फ 30 से 35 रूपए में ही बिक रहा है। यह किसानों के लिए घाटे का सौदा बन गया है।

फूलगोभी से भी किसानों को नुकसान

फूलगोभी से भी किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। जिसका कर्ज अब तक नहीं चुका पाए हैं। किसान ट्रांसपोटिंग और मजदूरी के खर्च को देखते हुए फसल खेतों में ही छोड़ने को मजबूर हैं। वहीं सैकड़ों एकड़ में लगे टमाटर बेकार पड़े हैं और किसानों को लागत मूल्य भी नहीं मिल रहा है।

भाजपा ने मनायी संत रविदास की जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश कार्यालय में माघ पूर्णिमा पर बुधवार को संत रविदास जयंती मनाई गई। अनुसूचित जाति मोर्चा के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित मोर्चा के कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। सभी ने संत रविदास के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि संत रविदास कर्म योग के सच्चे उपासक थे। रविदास जी भक्ति मार्ग के लिए अपने कर्म को शुद्ध पवित्र बनाकर ईश्वर के चरणों में अर्पित करना ही भक्ति मानते थे। उन्होंने मन और विचार की शुद्धि पर जोर दिया तथा बाह्य आडंबरों से दूर रहने की प्रेरणा दी। संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि संत रविदास जी ने रविदासिया पंथ की स्थापना की थी। इन्हें संत शिरोमणि की उपाधि दी गई थीं। संत रविदास बेहद धार्मिक स्वभाव के थे। वे भक्तिकालीन संत और महान समाज सुधारक थे। उन्होंने भगवान की भक्ति में समर्पित होने के साथ-साथ अपने सामाजिक और पारिवारिक कर्तव्यों का भी बखूबी निर्वहन किया। संत रविदास ने लोगों को बिना भेदभाव के आपस में प्रेम करने की शिक्षा दी और इसी तरह से वे भक्ति के मार्ग पर चलकर संत रविदास कहलाए। संत रविदास अपना अधिकांश समय भगवान की पूजा में लगाते थे और धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए, उन्होंने एक संत का दर्जा प्राप्त किया। 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' रविदास जी का ये दोहा आज भी प्रसिद्ध है। रविदास जी का कहना था कि शुद्ध मन और निष्ठा के साथ किए काम का हमेशा अच्छा परिणाम मिलता है।

कांग्रेस ने मनाई गुरु रविदास की 648 वीं जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : संत शिरोमणि गुरु रविदास की 648 वीं जयंती कांग्रेस भवन रांची में बुधवार को प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की ओर से केदार पासवान की अध्यक्षता में मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं एवं कार्यकताओं ने गुरु रविदास के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि गुरु रविदास से हमें सीखने की आवश्यकता है। खासकर अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को उनके विचारों के अनुसार संगठित होकर समाज में आगे बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। आज अनुसूचित जाति के लोगों को अपने बारे में सोचने की आवश्यकता है,समाज का अन्य वर्ग उन्हें आगे बढ़ना चाहता है लेकिन कोशिश उन्हें स्वयं करना होगा। समाज के मुख्य धारा में आगे रखने के लिए संविधान में उन्हें अधिकार प्रदान किए गए हैं उन अधिकारों के बारे में उन्हें जानना होगा, संगठन को मजबूत बनाने के लिए समाज के बीच जाना होगा और उन्हें जागरूक करना होगा। कांग्रेस हमेशा से दलित वर्ग के उत्थान के लिए आवाज उठाती है, कांग्रेसनीत सरकारों में कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरूआत की गई थी जिसने अनुसूचित जाति समाज के आर्थिक स्तर को मजबूत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि संत रविदास की जयंती समाज में उनके योगदान को याद करने का अवसर है यह समाज में समानता प्रेम और भाईचारे को बढ़ाने की प्रेरणा देता है। उनका जीवन सीखाता है कि हमें जाति, धर्म और समाज के हर वर्ग से ऊपर उठकर एकता और प्रेम में विश्वास करना चाहिए। अनुसूचित जाति के अंदर 66 उपजातियां आती हैं और हम एक होने की जगह इन्हीं उपजातियों में विभक्त होकर रह गए हैं। विभाजन का परिणाम है कि संविधान में अधिकार मिलने के बाद भी हमारी आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं है। अधिकारों के व्यापक संघर्ष के लिए एकजुटता आवश्यक है। कार्यक्रम को विधायक सुरेश बैठा सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया।

राज्यपाल ने वीरता पुरस्कार विजेता सैनिकों को किया सम्मानित

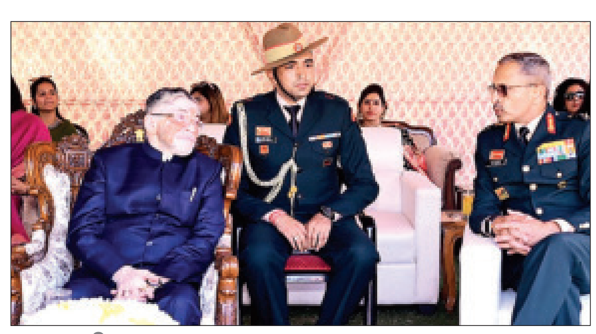

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : माननीय राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज कॉकरेल इकोलॉजिकल पार्क एवं प्रशिक्षण क्षेत्र, दीपाटोली, रांची में आयोजित ईस्टर्न कमांड अलंकरण समारोह-2025 में वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले सैनिकों एवं उनके परिजनों से भेंट की तथा उनके साथ भोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रसेवा में समर्पित वीर जवानों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान को नमन किया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारतीय सेना के वीर योद्धा देश की अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा के लिए जिस अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हैं, वह प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने वीर सैनिकों एवं उनके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र को आप सभी पर गर्व है। इस अवसर पर सेना के वरिष्ठ अधिकारीगण, गणमान्य अतिथि एवं सैनिक परिवारों के सदस्य उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में मांडर रेफरल अस्पताल नजीर साबित होगा : शिल्पी नेहा तिर्की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बुधवार को मांडर रेफरल अस्पताल के नये भवन का उदघाटन किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि इस रेफरल अस्पताल ने ना जाने कितने लोगों को नया जीवन दिया। समय के साथ अस्पताल भवन का भी कायाकल्प जरूरी था। जब से मांडर की जनता ने मुझे अपना जनप्रतिनिधि चुना, तब से अस्पताल परिसर को नया रूप, नया जीवन देने के प्रयास में लगी थी। स्वास्थ्य के क्षेत्र में मांडर रेफरल अस्पताल नजीर साबित होगा। उन्होंने कहा कि आज नौ करोड़ 21 लाख 15 हजार रुपए से ज्यादा की लागत से नवनिर्मित भवन सबके सामने है। मांडर रेफरल अस्पताल स्वास्थ्य के क्षेत्र में नजीर साबित होगा। इस रेफरल अस्पताल के साथ भले ही मांडर का नाम जुड़ा हो, पर हकीकत ये है कि इस अस्पताल में खलारी, बुड़मू, चान्हो जैसे सीमावर्ती प्रखंड और उसके गांव के लोग बेहतर इलाज के लिए यहां रोजाना आते है। अस्पताल के नये भवन के साथ-साथ बेहतर स्वास्थ्य के लिए उपकरण की भी व्यवस्था जरूरी है। आज लोग गंभीर बीमारियों के लिए भले ही बड़े अस्पताल या बड़े शहरों की तरफ रुख करते हो, पर कोशिश ये होनी चाहिए की गंभीर बीमारी को छोड़ बाकी का इलाज इसी अस्पताल में हो सके। मंत्री ने कहा कि अगर आप और हम स्वस्थ रहेंगे, तभी स्वस्थ समाज का भी निर्माण संभव है। मेरा इस रेफरल अस्पताल को समय के साथ अपग्रेड करने का प्रयास आगे भी जारी रहेगा। मंत्री ने बुढ़ा खुखरा स्थित सरकारी हाई स्कूल में निःशुल्क स्वास्थ्य मेले में भी भाग लिया। मंत्री के सौजन्य से इस निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया था। इस स्वास्थ्य मेले में हड्डी रोग, नेत्र रोग, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों ने लोगों निःशुल्क परामर्श दिया। बड़ी संख्या में ग्रामीण जनता ने इस स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। दिन भर इस स्वास्थ्य मेले में लोगों का आना जाना लगा रहा। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की वंडरलैंड स्कूल मांडर के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुई। यहां स्कूली बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति से वो प्रभावित भी हुई। उन्होंने स्कूली बच्चों से मन लगा कर पढ़ने और भविष्य में कुछ बन कर दिखाने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

मारवाड़ी युवा मंच ने की गौ सेवा

रांची: मारवाड़ी युवा मंच, रांची शाखा ने बुधवार को हरमू रोड स्थित रांची गौशाला न्यास में गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में सदस्यों एवं उनके परिवार वालों ने ताजा पालक, रोटी और गुड़ खिलाकर बिना दूध देने वाली निर्बल और असहाय गायों की सेवा कर पुण्य का लाभ उठाया। कार्यक्रम के संयोजक मंच के गौ सेवा प्रभारी युवा विशाल महलका एवं युवा उज्जवल मुरारका थे। उल्लेखनीय है कि मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा हर माह अपने सदस्यों एवं उनके परिवार वालों के लिए गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन करता है। मारवाड़ी युवा मंच के प्रवक्ता राघव जालान ने बताया कि कार्यक्रम में मंच के शाखा अध्यक्ष युवा आशीष अग्रवाल, सचिव सोनित अग्रवाल, उपाध्यक्ष नीरज अग्रवाल, युवा अमित अग्रवाल एवं अन्य सदस्य अपने परिवार सहित उपस्थित थे।

विश्वनाथ नारसरिया ने संस्कृति विहार के सचिव पद से दिये त्याग पत्र

रांची : संस्कृति विहार के सचिव एवं अनेक सामाजिक संस्थाओं के मुखिया रहे विश्वनाथ नारसरिया ने संस्कृति विहार के सचिव पद से आज त्याग पत्र दे दिया। श्री नारसरिया ने संस्कृति विहार के अध्यक्ष अजय मारू को त्याग पत्र भेज कर उन्हे त्याग पत्र की सुचना व्हाट्सप्प द्वारा दे दी है कत्याग पत्र में उन्होंने कहा की स्मृति शेष गंगा प्रसाद बुधिया जी द्वारा स्थापित व स्मृति शेष सीताराम मारू जी के वैंकुंठवास गमन के बाद आपके द्वारा इस पुरानी संस्था का आपके द्वारा नेतृत्व एवं संचालन किया जा रहा है। संस्कृति विहार के सचिव पद से त्यागपत्र देने के बाद श्री नारसरिया ने कहा की सदैव इस संस्था से लगाव रहेगा ज्ञातव्य है की संस्कृति विहार बुंडू स्थित श्री सूर्य उपासना भवन, शिशु मंदिरों, छात्रावास, आश्रम आदि का संचालन करती है।

धुर्वा गोलीकांड : घायल युवक के पिता ने कहा- निर्दोष युवकों को पकड़कर रखी है पुलिस

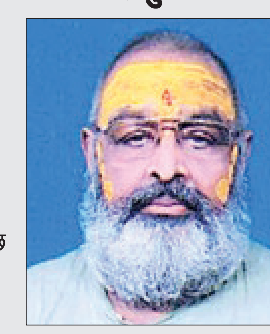

रांची: धुर्वा थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के पास बीते 10 फरवरी की रात गोली चली थी। इस घटना में गुलशन पांडे नाम का युवक घायल हो गया था। घायल युवक के पिता संतोष पांडेय ने इस मामले में मीडिया में कहा कि पुलिस जिन युवकों को थाना में रखकर पूछताछ कर रही है, वह सभी निर्दोष हैं। कहा कि सभी मेरे पड़ोसी है और काफी मददगार भी है। इन्हीं लोगों ने मेरे बेटे को उठाकर हॉस्पिटल में भर्ती कराया। घायल युवक के पिता ने कहा कि धुर्वा थाना की पुलिस ने गोलू, रवि, रोहित और अंशु को जबरदस्ती पकड़कर रखी है, जो सरासर गलत है।

शादी समारोह के दौरान किसी ने मारी गोली गौरतलब है कि धुर्वा थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह में डांस करने के दौरान गुलशन पांडेय उर्फ मेडी नामक युवक को गोली लग गयी थी। 10 फरवरी रात करीब 11 बजे हुई इस घटना के बाद शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गयी थी। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि कई लोग डांस कर रहे थे। इसी दौरान फायरिंग की आवाज सुनाई दी और पीठ में गोली लगने के कारण गुलशन जमीन पर गिर पड़ा। गोली किसने चलाई यह कोई नहीं देख पाया। अफरा-तफरी के बीच घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव आज निकाली जाएगी शोभायात्रा

रांची : अलबर्ट एक्का चौक स्थित दुगार्बाड़ी में श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव को लेकर बुधवार को श्री श्याम परिवार की ओर से संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस दौरान संस्था के महामंत्री मुटू जालान ने बताया कि 13 से 16 फरवरी तक श्री श्याम हवेली दुगार्बाड़ी में भव्य श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव मनाया जाएगा। 13 फरवरी को सुबह 10 बजे श्री गणेश पूजन, श्री श्याम प्रभु और हनुमान जी महाराज का निशान पूजन होगा। शाम 7 बजे श्री सुरेश बजाज के नेतृत्व में पुरुष एवं महिलाओं द्वारा सुंदर कांड का पाठ होगा। 14 फरवरी को आचार्यों और पंडितों की अगुवाई में श्री श्याम परिवार के सदस्यों द्वारा हवन पूजन और समस्त देवी-देवताओं का आवाहन किया जाएगा। 15 फरवरी को दोपहर 2 बजे से श्रृंगारित रथ पर विराजित श्री श्याम प्रभु की झांकी और भव्य निशान शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा में 351 महिलाएं और पुरुष शामिल होंगे। श्री श्याम प्रभु के पवित्र निशान और भजन-कीर्तन के साथ नगर भ्रमण होगा। मुख्य आकर्षण श्रृंगारित रथ और श्री श्याम प्रभु की मनोहारी झांकी होगी। 16 फरवरी को सुबह 6 बजे से गणेश पूजन, निशान पूजन और श्री श्याम प्रभु का दिव्य, भव्य और अनुपम श्रृंगार होगा। श्री श्याम बाबा को सवामणी भोग और छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। कोलकाता के सुलतानिया की अगुवाई में 501 महिलाएं और पुरुष श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ वाचन में भाग लेंगे। परंपरागत नृत्य नाटिका का आयोजन होगा। श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ का आयोजन भी किया जाएगा।

ऐपवा ने मनाया 32वां स्थापना दिवस

रांची: ऐपवा ने 32वां स्थापना दिवस बुधवार को रांची के कोकर में मनाया। कार्यक्रम में ऐपवा के संकल्प पत्र को पढ़ा गया। साथ ही वक्ताओं ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि वर्तमान में देश में बढ़ रही महिला असुरक्षा, बढ़ती महंगाई ,बढ़ती बेरोजगारी, मंहगी शिक्षा, महंगी स्वास्थ्य सेवा की मार सीधे आम लोगों पर पड. रही है। इस मौके पर ऐपवा ने झारखंड की लड़कियों के लिए केजी से पीजी तक की मुफ्त शिक्षा की मांग की। साथ ही माइक्रो फाइनेंस के जाल में फंसी महिलाओं को सरकारी लोन बिना ब्याज पर देने की मांग की। इसके अलावा सरकार से महिला रोजगार को सरकार से बढ़वा देने को कहा। मौके पर संगठन की महिलाओं ने कहा कि झारखंड की महिलाओं ने हमेशा से ही जल, जंगल और जमीन की रक्षा से लेकर हर लड़ाई में खुद को आगे रखा है। राज्य में फूलो झानो की विरासत को ऐपवा आगे बढ़ाते रहेगी। महिला सदस्यों ने कहा कि ऐपवा स्थापना दिवस पर संकल्प के साथ न्याय, बराबरी और आजादी के संघर्ष को तेज करेगी। कार्यक्रम में कंचन उरांव,गीता तिर्की, सपना गाड़ी ,सुषमा गाड़ी ,सुमि उरांव,शांति सेन, एती तिर्की, नंदिता भट्टाचार्य, चांदो देवी, झड़ियों, सुशाना, गुड्डी, समेत अनेक महिलाएं शामिल हुई।

एक नजर

बोकारो में एडीजे फोर के बॉडीगार्ड ने की आत्महत्या पुलिस जांच में जुटी

बोकारो : बोकारो में एक दर्दनाक घटना घटी, जहां एडीजे फोर के बॉडीगार्ड रहे जवान चंदन कुमार शांडिल्य ने अपने सर्विस रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली। यह घटना सेक्टर 4ए के उनके आवास में दोपहर में घटी। जवान की पत्नी और दो बच्चे भी उसी आवास में रहते थे। घटना की सूचना मिलते ही सिटी डीएसपी आलोक रंजन मौके पर पहुंचे और घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने बताया कि अभी तक आत्महत्या के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है। जवान बिहार के नवादा जिले के हिशवासराय गांव का रहने वाला था। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश करेगी।

बीएसएल प्लांट में ठेका मजदूर की गिरकर मौत

बोकारो : सेक्टर-8 निवासी ठेका मजदूर मनोज कुमार की बीएसएल प्लांट के कोक ओवन नंबर-5 में काम करने के दौरान ऊंचाई से गिरने से मौत हो गई। मजदूर मनोज कुमार के.के. इंजीनियरिंग कंपनी के तहत ठेका मजदूरी का काम कर रहा था। ऊंचाई से गिरने के बाद उसे तुरंत बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही जय झारखंड मजदूर समाज नेता बीके चौधरी सहित और अन्य नेताओं लोग मौजूद रहे। श्री चौधरी ने बताया कि सीजीएम के पी ए पियूष कुमार की लापरवाही के कारण मजदूरों की मौत हुई है चुकी प्लांट में जो हादसा होता है निमार्ता उसे प्लांट के अस्पताल में पहले उपचार के लिए लाया जाता है वहां से फिर रेफर करने के बाद पुकारो जनरल अस्पताल लाया जाता है इस दरमियान मृतक की हालत और बिगड़ते चली गई जिस कारण मृतक की मौत हुई। काफी संख्या में ठेका मजदूर अस्पताल पहुंचे। श्री चौधरी के अथक प्रयास से बोकारो प्रबंधन नियोजन के लिए राजी हुआ और मृतक के परिवार को मुआवजा व नियोजन देने पर सहमति बनी। मौके पर रघुनाथ महतो, डीसी गोहाई ,अनिल पासवान वह ठेका मजदूर लोग मौजूद रहे ।

सात दिवसीय श्रीराम राजा पूजा शुरू

चास : चास पुराना बाजार में बुधवार से सात दिवसीय श्रीराम राजा पूजोत्सव और सात दिन का मेला पूर्णिमा पूजा के साथ शुरू किया गया। बंगला पंचाग के माघी पूर्णिमा के दिन पहली पूजा शुरू होती है। बोकारो विधायक श्वेता सिंह पहली पूजा में पूजा अर्चना करते हुए क्षेत्रवासियों की खुशहाली व सृमद्धि का कामना किया।

अखंड हरि कीर्तन से बढ़ती है आस्था : डॉ नीरा यादव

कोडरमा : कोडरमा के ग्राम झरीटांड़ स्थित देवी मंदिर प्रांगण में सोमवार से शुरू हुआ अखण्ड हरि कीर्तन का बुधवार को समापन हो गया। अंतिम दिन भी कार्यक्रम में भाग लेने कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव अपने पति विजय यादव, पुत्र विशाल, हर्षित और परिजनों के साथ पहुंचीं। मौके पर विधायक ने कहा कि अखंड हरि कीर्तन के आयोजन से लोगों में आस्था बढ़ती है। इतना ही नहीं लोगों के मन को शांति भी मिलती है। उन्होंने कहा कि अखंर हरि कीर्तन होने से आध्यात्मिक चेतना भी जगती है। उन्होंने हवन कार्यक्रम में भाग लेने और कन्या पूजन के बाद प्रसाद ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में रमेश यादव, धर्मेंद्र यादव, संजीव समीर, बिनोद कुमार मुन्ना, कुलदीप कुमार समेत अन्य लोग शामिल हुए।

संत शिरोमणि रविदास भक्ति कालीन संत और महान समाज सुधारक थे : एसटी फेडरेशन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेल एससी-एसटी इम्प्लाईज फेडरेशन, बोकारो यूनिट ने महेंद्र राम उपाध्यक्ष के नेतृत्व में सेक्टर - 4 स्थित अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर महान समाज सुधारक संत शिरोमणि महर्षि रविदास की जयंती मनाई। संत रविदास के माल्यार्पण के उपरांत फेडरेशन के उपस्थित पदाधिकारियों ने उनके जीवन के सामाजिक एवं पारिवारिक कर्त्तव्यों पर प्रकाश डाला। वक्ताओ ने कहा कि संत रविदास सामाजिक और पारिवारिक कर्त्तव्यों का बखूबी निर्वहन किया। लोगों को बिना भेदभाव के आपस में प्रेम करने की शिक्षा दी, और इसी तरह से वे संत रविदास कहलाए। उनके उपदेशों और शिक्षाओं से आज भी समाज को मार्गदर्शन मिलता है। वे समाज में फैली जातिगत ऊंच-नीच के धुरविरोधी थें और कहते थें कि जन्म से कोई जात लेकर पैदा नहीं होता। इतना ही नहीं वे एक ऐसे समाज की कल्पना भी करते थें जहां किसी भी प्रकार का लोभ, लालच, दुख, दरिद्रता, भेदभाव नहीं हो। इस अवसर पर मुख्य रूप से बोकारो यूनिट महासचिव करतार सामंत, राकेश कुमार, शिव बहादुर राम, देवेश टुडू, लिलु सोरेन, अनील पासवान, प्रेमनाथ राम, आनंद कुमार रजक, ललित उरांव, कृष्ण कुमार दास, सुमन पासवान, विजय राम,मानिकराम मुंडा, दिपक रजक, पिंटु पासवान, संजय कुमार, चंद्रशेखर आजाद, सिद्धार्थ सुमन, समीर टुडू, राजेश कुमार, दिलीप कुमार, मुकेश कुमार पासवान, नबअनंदेश्वर हेम्बरम, आदि मौजूद रहे।

सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन ने मनायी संत रविदास की जयंती

बोकारो : महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर एवं शिक्षा स्वास्थ्य की दिशा में लगातार कार्य कर रही सामाजिक संस्था सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन ट्रस्ट कमेटी के प्रधान कार्यालय में संस्था के संस्थापक अमल दास के द्वारा आज संत शिरोमणि महान कवि रवि दास जे के जयंती उनके छाया चित्र पर दीप प्रजलित एवं पुष्प अर्पित कर मनाया गया। दास ने कहां की सन्त शिरोमणि जी महान कवि के साथ साथ समाज सुधारक भी थे। मौके पर जिला प्रभारी अशोक दास,उप जिला प्रभारी श्रीकांत दास,रेणुका बाउरी, ममता देवी, सोनू कुमार,के अलावे दर्जन एसोसिएट उपस्थित हुए।

हर्षवर्धन व गोधर के तेजस्वी ने जेई मेंस में लहराया परचम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : बाघमारा निवासी गणेश रवानी का पुत्र हर्षवर्धन रवानी 98.68 परसेंटाइल व गोधर निवासी विजय रवानी का पुत्र तेजस्वी रवानी 96.19 परसेंटाइल जेई मेंस परिक्षा 2025 में अच्छे परिणाम के साथ केवल अपने परिवार ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र व चन्द्रवंशी समाज का नाम रोशन किया है। कड़ी मेहनत और अथक परिश्रम से परचम लहराया है। चन्द्रवंशी समाज सहित पुरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। हर्षवर्धन के पिता गणेश रवानी बाल विकास परियोजना कार्यालय बाघमारा में पदस्थापित है एवं माता भारती देवी आंगनबाड़ी सेविका है। हर्षवर्धन सरस्वती शिशु मंदिर बाघमारा से दसवीं एवं +2 डी पी एस बोकारो से शिक्षा ग्रहण किया है। वहीं तेजस्वी के पिता विजय रवानी पत्रकार एवं माताजी मीरा देवी शिक्षिका है। उनके इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए बिनोद कुमार रवानी ने कहा कि नए पढ़ने वाले छात्र - छात्राओं के लिए प्रेरणाश्रोत है दोनों के उज्जवल भविष्य की कामना ओर सपरिवार को बधाई दी।

आर्ट ऑफ लिविंग के 10वें अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मेलन में शामिल होंगी राष्ट्रपति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : 10 वें अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मेलन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सहित राजनीति, व्यापार, कला और समाज सेवा के क्षेत्र की कई प्रभावशाली महिलाएँ उपस्थित रहेंगी। 14 से 16 फरवरी तक आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा आयोजित इस ऐतिहासिक सम्मेलन में 60 से अधिक वक्ता और 500 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर संस्था के झारखंड मीडिया प्रभारी अजय मुखर्जी ने जानकारी दी। पिछले लगभग दो दशकों में, अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मेलन में 115 देशों से 463 प्रतिष्ठित वक्ता और 6,000 से अधिक प्रतिनिधि एक साथ एक मंच पर आये हैं। इस वर्ष सम्मेलन में भारत की राष्ट्रपति के अलावा, कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गेहलोत, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी,पूर्व विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी,श्रम और रोजगार मंत्रालय एवं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, कॉमनवेल्थ की महासचिव पेट्रीशिया स्कॉटलैंड, जापान के पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी आकी आबे, प्रसिद्ध फिल्म निर्देशिका अश्विनी अय्यर तिवारी, बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्रियाँ हेमा मालिनी और शर्मिला टैगोर, बॉलीवुड स्टार सारा अली खान और सोनाक्षी सिन्हा सहित उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियाँ राधिका गुप्ता और कनिका टेकरीवाल जैसी प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल होंगी। अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मेलन की अध्यक्षता भानुमती नरसिम्हन कर रही हैं, जो गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर की बहन हैं।

मृत कर्मचारी आश्रित संघ ने जल्द नियोजन नहीं होने पर अनिश्चितकालीन सत्याग्रह की दी चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मृत कर्मचारी आश्रित संघ की बैठक टू टैंक गार्डन में हुई। इस साप्ताहिक बैठक की अध्यक्षता सनी देओल एवं संचालन शकील अहमद ने किया। आज की बैठक में सर्वसम्मति से आश्रितों ने संकल्प लिया कि बोकारो इस्पात प्रबंधन के वरीय अधिकारियों ने जो आश्वासन पिछले 20 जनवरी को जो वार्ता किया गया था कि जल्द से जल्द नियोजित की प्रक्रिया शुरू की जाएगी परंतु प्रबंधन के समय अनुसार फिर टाल मटोल की स्थिति उत्पन्न की जा रही है जिससे हम आश्रित परिवारों में फिर से एक बार संशय की स्थिति उत्पन्न होती जा रही है। हम सभी आश्रित बोकारो स्टील प्लांट में अधिकतम 3 वर्ष का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। बोकारो स्टील प्लांट में कार्य करने का अनुभव प्राप्त है हमारे नियोजन के प्रति प्रबंधन सकारात्मक पहल करें। बोकारो स्टील प्लांट में कुशल कामगार की आवश्यकता है हम सभी आश्रित कुशल कामगार बनने की जरूरत है। ताकि संघ को दिए गए सूची के आधार पर इस्पात संयंत्र में जल्द से जल्द नियोजित करने की दिशा में पहल करें अन्यथा आने वाले 19 फरवरी के बाद कभी भी आश्रित संघ का अस्थगित जल सत्याग्रह फिर से एक बार शुरू किया जाएगा जो की अनिश्चितकालीन के लिए होगा। इसकी सारी जवाब दे ही बोकारो इस्पात प्रबंधन की होगी। मौके पर मुख्य रूप सेः मीणा, रूपा, मेनका सिन्हा, साल्क कुमारी, शंभू कुमार, रंजीत मांझी, किरण कुमारी, सुभाष राम, बाबूजी मांझी, करमुद्दीन अंसारी, घासी मानसी, ताकत कुमार, दुर्योधन रजवार, देवीलाल मांझी, आदि दर्जनों आश्रित उपस्थित थे।

आईआईटी-आईएसएम अनुवाद संबंधी विचार पर किया विचार-विमर्श

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : आईआईटी आईएसएम धनबाद ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिष्ठित जीआईएएन कार्यक्रम के तहत आधुनिक आलोचनात्मक परंपरा में महिला लेखिकाएं और विचारक विषय पर एक विचारोत्तेजक वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला 10 से 14 फरवरी तक आयोजित की गई थी और इसका संचालन मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रो. रजनी सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में दुनियाभर के प्रख्यात विद्वानों ने नारीवाद, अनुवाद संबंधी विचार और आलोचनात्मक पद्धतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। प्रमुख वक्ताओं में प्रो. मेना मित्रानो का सीए फोसकारी यूनिवर्सिटी अविनाश वेनेस वेनिस प्रो. रश्मि गौड़ आईआईटी रुड़की और प्रो. रजनी सिंह शामिल थीं, जिन्होंने आधुनिक आलोचनात्मक परंपराओं और नारीवादी चिंतन पर गहन बौद्धिक संवाद में भाग लिया। जीआईएएन पाठ्यक्रम के दूसरे दिन, प्रो. रजनी सिंह ने गर्ट्रूड स्टीन और महिलाओं की आलोचनात्मक सोच में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि स्टीन ने आधुनिक आलोचनात्मक परंपरा में एक केंद्रीय भूमिका निभाई और अपने नवाचारपूर्ण लेखन और दार्शनिक विचारों के माध्यम से आधुनिकतावादी साहित्य को प्रभावित किया। इस चर्चा में स्टीन की नारीवादी विचारधारा और आधुनिकतावादी साहित्य में उनकी विरासत को उजागर किया गया। उनके सत्र में दलित महिला लेखिकाओं और दलित नारीवादी ज्ञानमीमांसा पर चर्चा की गई, जिसमें प्रतिनिधित्व, शक्ति संरचनाएं और ज्ञान उत्पादन जैसे विषयों का विश्लेषण किया गया।

युवा लायंस फोर्स ने किया मिलन समारोह, झारखंड के युवाओं के अधिकार की लड़ाई का कियस एलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : युवा लायंस फोर्स का मिलन समारोह चास के बोदरो आवासीय कार्यालय में हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर फोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष सह युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष देव शर्मा मौजूद थे। श्री शर्मा ने कहा पिछले बारह साल पहले सैकड़ों युवाओ द्वारा इस संगठन का निर्माण मुख्य रूप से बेरोजगार युवाओं के अधिकार के लिए किया गया था। लगभग हजारों युवाओं को हमलोगो ने रोजगार दिलाने का काम किया हैं। आज युवा लायंस फोर्स बोकारो में किसी भी पहचान का मोहताज नहीं हैं। हर साल युवा लायंस फोर्स द्वारा कई सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम भी किया जाता हैं। और अब सर्व सहमति से यहाँ निर्णय लिया गया की बोकारो के साथ अब पूरे झारखंड के बेरोजगार युवाओं की लड़ाई लड़ेगा युवा लायंस फोर्स, देव ने कहा मुझे गर्व है की आजतक ना मुझपर ना मेरे इस संगठन युवा लायंस फोर्स के ऊपर कभी किसी तरह का कोई दाग नहीं लगा हमनें निस्वार्थ युवाओं के हक और अधिकार के लिए लड़ता रहा और आगे भी लड़ता रहूंगा। अपने बोकारो झारखंड के साथियों के लिए अगर मुझे जेल भी जाना पड़े या फाँसी में भी चढ़ना पड़े तो हम पीछे नहीं हटेंगे। देव ने कहा आज हमारा झारखंड पूरे देश को सींचने का काम कर रहा हैं , लोहा , कोयला , गैस समेत कई खनिज संपदा से भरा हमारा राज्य और अफसोस की हमारे ही झारखंड-बोकारो के युवा मजबूरन अपने परिवार से दूर किसी दूसरे राज्य में छोटी मोटी नौकरी के लिए पलायन कर रहें हैं। लेकिन अब युवा लायंस ऐसा होने नहीं देगा। राज्य में अबुवा सरकार हैं , माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी 75% रोजगार पर स्थानीय लोगो को प्राथमिकता देने को कही हैं। लेकिन कुछ प्रबंधन के अधिकारी को ये प्रेम की भाषा समझ में नहीं आ रही। वैसे अधिकारियों और प्रबंधनों के खिलाफ जोरदार उलगुलान किया जाएगा। संगठन के साथियों द्वारा देव शर्मा को तलवार देकर उनकों सम्मानित किया। साथ ही संगठन का सदस्यता अभियान भी शुरू कर दिया गया। केंद्रीय अध्यक्ष देव शर्मा ने चास- बोकारो समेत पूरे झारखंड के युवाओं को संगठन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में जुड़ने को कहा , मौके पर हजारों की संख्या में चास बोकारो के युवा मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तेतुलमारी के छात्र यश राज को मिला प्रांतीय सम्मान

धनबाद : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तेतुलमारी के कक्षा चतुर्थ के प्रदेश स्तर पर आयोजित सुलेख, चित्रकला व निबंध प्रतियोगिता में भैया यश राज को चित्रकला प्रतियोगिता में यश राज को चतुर्थ पुरस्कार से सम्मानित किया, 5 से 8 फरवरी 2025 तक गुमला में आयोजित प्रांतीय प्रधानाध्याक सम्मेलन में इसकी घोषणा करते हुये विद्यालय के प्रधानाधयापक चितरंजन सिंह को प्रशस्ति पत्र व उपहार प्रदान किया गया था। जिसे बुधवार को विद्यालय परिसर तेतुलमारी में प्रधानाधयापक ने वंदना सभा मे उक्त सफल छात्र यश राज के माता पिता अनिल निषाद के समक्ष प्रदान किया गया। बुधबार को तेतुलमारी स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में वंदना सभा मे उक्त सम्मान दिया गया। मौके पर यश राज के पिता अनिल कुमार निषाद,माता चाचा सह पत्रकारदय सुनील कुमार निषाद व जितेन्द्र कुमार जीतु, आचार्य अशोक कुमार सिंह,बिरेन्द्र कुमार सिंह,दशरथ निषाद,रंजना सिंह,विशाल सिन्हा, रेणु कुमारी, गौतम प्रामाणिक, परमेश्वर झा, अपर्णा चटर्जी, मुकुल कुमारी, राहुल कुमार सिंह सहित सभी भैया बहन उपस्थित थे।

विस्थापित चौक में संत रविदास की 648 वीं जयंती मनायी गयी

बोकारो : वदित हो की पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत विस्थापित चौक सेक्टर 8 सी बोकारो इस्पात नगर में पारिवारिक सहायता केंद्र द्वारा आयोजित क्रांति सूर्य महाकवि संत शिरोमणि रविदास के 648 वीं जयंती समारोह श्री राम सिंहासन शर्मा के अध्यक्षता एवं अरविंद राम के संचालन में संपन्न हुई सर्वप्रथम क्रांति सूरज महाकवि संत रविदास के तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पअर्पित कर नमन किया गया तथा संत रविदास के विचारों और दर्शन को अपनाते हुए समाज कल्याण हेतु कार्य करने का संकल्प सामूहिक रूप से लिया गया । कार्यक्रम को मुख्य अतिथि वतौर पारिवारिक सहायता केंद्र के केंद्रीय अध्यक्ष मदन मोहन महतो ने संबोधित करते हुए कहा संत रविदास जी के विषय में चर्चा या गुणगान करना सूरज को दीपक दिखाने के समान होगा संत रविदास जी के एक दोहे से हमें उनके दर्शन विचार को समझने का प्रयास करना चाहिए ।ऐसा चाहू राज मै,जहां मिले सबन को अन्न! छोट बड़ो सम बसे, रविदास रहे प्रसन्न! क्रांति सूर्य महाकवि संत रविदास ने सामाजिक चेतना के अग्रदूत रहे सामाजिक असमानता के खिलाफ उनकी विचारधारा और दर्शन उनके सपनों का शहर बेगमपुरा के रूप में संजोना चाहते थे बेगमपुरा एक ऐसा शहर जहां स्वतंत्रता समानता सौहार्द शांति प्रेम स्वच्छंद अपनापन भय मुक्त सुखी समान संपन्नता आपसी सहयोग भाईचारा युक्त आदर्श समाज इस शहर में निवास करें वर्तमान दौर में हमारे देश के अंदर असमानता की खाई चोडी हो रही है पूंजीवाद सशक्त होकर असमानता भुखमरी बेरोजगारी को बढ़ाने में मददगार बन रही है संत रविदास के दर्शन और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विचार, मन चंगा तो कठौती में गंगा दोहे के अनुसार समाज में व्यवहार की आवश्यकता अंधविश्वास पाखंडवाद रूढ़िवादिता अशिक्षा मिटाने के लिए शिक्षा के ज्योति से क्रांतिकारी परिवर्तन संभव है।

बोकारो में पहला आधुनिक मार्केट बनाएगी 99 ग्रुप ऑफ कंपनी, भूमि पूजन के साथ शुरू हुआ काम

बोकारो : बोकारो में 99 ग्रुप ऑफ कंपनी 99 बिल्डर के द्वारा 99 बोकारो एनक्लेव के कमर्शियल प्रोजेक्ट का भूमि पूजन हुआ। इसमें 48 दुकानें है जिसमे भूमि पूजन के साथ ही 30 दुकानों की बुकिंग हो गई। बताते चले की बोकारो में बन रहा है एक ऐसा मार्केट जहां लोगो को एक ही छत के नीचे मिलेंगे सारी सुविधा। जहां सोलर सिस्टम के जरिए जगमग करेगा पूरा मार्केट। बोकारो के चास स्थित चंदनकियारी रोड के चमसोबाद में 99 ग्रुप ऑफ 99 बिल्डर्स लाया है ऐसा ही मार्केट जहां हर तरह के सुविधा से सुसज्जित होगा मार्केट। बताते चले की इस एनक्लेव और मार्केट में 48 दुकानें है जिसमे आज भूमि पूजन के दिन ही 30 दुकानों की बुकिंग भी हो गई। बोकारो में पहला तरह का मार्केट है जहां पूरी आधुनिक सुविधाओं ने लैश होगी और ग्रीन एनर्जी के जरिए पूरा वातावरण होगा प्रकासमय। इस मार्केट में अंडरग्राउंड पास होगा जहां पार्किंग की सारी सुविधा होगी। इसको लेकर बोकारो के चमसोबाद स्थित 99 बिल्डर्स के साइट में भूमि पूजन का आयोजन किया गया। बताते चले की बोकारो के 99 ग्रुप ऑफ 99 बिल्डर्स के द्वारा इस क्षेत्र में सकड़ो घर बन रहा है और इसको लेकर मार्केट की आवश्यकता और इसकी जरूरत को भी पूरा करने का काम करेगा ये मार्केट जिसको लेकर आज भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन में कंपनी के सीएमडी श्याम पांडे ने मीडिया से बात करते हुए कहा की ये पहला तरह का मार्केट है जहां सारी तरह की सुविधाएं मिलेगी।

आदिवासी विकास महाकुंभ मेला संपन्न

पलामू : जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के दुबियाखांड़ में आयोजित दो दिवसीय राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला बुधवार को संपन्न हो गया। मेला के दूसरे व अंतिम दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के नाम रहा। पारंपरिक परिधान में आदिवासी महिला-पुरूष कलाकारों गीत-संगीत, नृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समा बांधा। मांदर की थाप पर लोग झूमते रहे। मेला समापन के मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक सरोकार रखने वाले व्यक्तियों को मेला आयोजन समिति एवं जिला प्रशासन की ओर से मोमेंटो, शॉल व गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही मेला आयोजन समिति के सदस्यों को भी सामाजिक सरोकार के तहत सम्मानित किया गया। मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष अर्जुन सिंह, सचिव हृदयानंद सिंह, बहादुर सिंह, अवधेश सिंह, निर्मल सिंह नीरज सिंह, अजीत सिंह, उमेश सिंह, शैलेंद्र सिंह सहित सामाजिक सरोकार रखने वाले सैकड़ो लोगों को सम्मानित किया गया। वहीं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को भी सम्मान प्रदान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में निशुल्क कार्य कर रहे वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। मेला के लेकर लोगों में काफी उत्साह था। दो दिवसीय मेला में जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को दिया गया। साथ ही योजनाओं से संबंधित पंपलेट एवं बुकलेट का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगाए गए स्टॉल में चिकित्सकों द्वारा लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई और जरूरतमंद व्यक्तियों को आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गई।

एक नजर

कुंभ मेले में गया परिवार, चोरों ने तोड़ दिया घर का ताला

रामगढ़ : रामगढ़ शहर के मुर्रामकला में कुंभ मेले में गए एक परिवार के घर को चोरों ने निशाना बनाया। घर का ताला तोड़कर अलमारी से लाखों रुपए के जेवर, नगद और जमीन के दस्तावेज चोरी कर ले गए। इस मामले में घर के मालिक मिथिलेश कुमार के भाई दामोदर महतो ने बुधवार को रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दामोदर महतो ने पुलिस को बताया कि उनका भाई मिथिलेश कुमार अपने परिवार के साथ कुंभ मेले में गया हुआ था। 11 फरवरी की रात दो चोर उस घर में घुसे और अलमारी का ताला तोड़कर लाखों रुपए की संपत्ति चोरी कर ले गए। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी 80 वर्षीया मां सालखो देवी ने दोनों चोरों को भागते हुए भी देखा।

सरस्वती विद्या मंदिर में संत रविदास की जयंती मनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ शहर के बाजार समिति स्थित रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती विद्या मंदिर में संत रविदास की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान सर्वप्रथम प्रधानाचार्य सह विद्यालय के जयंती प्रमुख शैलेंद्र कुमार सिंह और अन्य आचार्यों ने संयुक्त रूप से उनके चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर छात्र- छात्राओं के बीच भाषण प्रतियोगिता, कविता एवं दोहा प्रतियोगिता जैसे अन्य रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन सब के माध्यम से छात्रों के बीच उनकी अहमियत, सामाजिक सुधार के लिए उनके जरिये किए गए कार्यों की पूर्ण जानकारी दी गई। मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य वरुण कुमार चौधरी ने कहा कि संत रविदास केवल संत ही नहीं अपितु एक सुप्रसिद्ध कवि भी थे, जिन्होंने सामाजिक सुधार का विचार, अपने दोहे एवं कविताओं के माध्यम से जनमानस के बीच बहुत ही सरलता पूर्वक रखा। 15वीं शताब्दी में रविदास की ओर से लिखे गए दोहे के समय में भी उतने ही प्रासंगिक बने हुए हैं, जितने कि उस समय में थे। संत रविदास ने अपने दोहों के जरिए समाज की विभिन्न कुरीतियों और बुराइयों का विरोध किया।

चितरपुर में धूमधाम से मनाई गई संत रविदास जयंती

रामगढ़ : चितरपुर प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को संत शिरोमणि रैदास जयंती धूमधाम से मनायी गयी। इस दौरान चितरपुर, बड़कीपोना, छोटकीलारी, मायल सहित कई जगहों में समारोह का आयोजन कर उनकी पूजा-अर्चना की गयी। कई जगह आकर्षक पंडल का निर्माण भी किया गया था। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत भजन-कीर्तन व संत रैदास के विचारों को भी प्रस्तुत किया गया। पूजा-अर्चना के पश्चात यहां लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। उधर शाम को बड़कीपोना में बतौर मुख्य अतिथि अनुसूचित जाति उत्थान परिषद के जिलाध्यक्ष मनोज राम व विशिष्ट अतिथि आजसू के वरिष्ठ नेता अमृतलाल मुंडा, मुखिया अरविंद सिंह, पंचायत समिति सदस्य शंभु कुमार, प्रदीप कुमार मौजूद थे। मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि आज सभी लोगों को उनके आदर्शों को अपनाने की जरूरत है। क्योंकि उन्होंने समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की बात कही। साथ ही उन्होंने गरीब, पिछड़े व शोषितों को उभारने की बात हमेशा करते थे। मौके पर निर्मल महतो, दिलीप रविदास, डॉ चरकु रविदास, उपेंद्र रविदास, शोभा मुंडा, अनिल रविदास, संजय रविदास, संतोष रविदास, रवि, जयचन्द, कुंवर, आशा देवी, कविता देवी, माला देवी, रूपा देवी, अनु कुमारी, कविता देवी, कमल राम, जयप्रकाश, विष्णु, कन्हैया, विकास, गौतम, हरदयाल, आलोक, विजय, किशोर रविदास, बिजय रविदास सहित कई मौजूद थे। 53 वर्षों से मना रहे हैं जयंती छोटकीलारी के सेवानिवृत्त शिक्षक पुन्नू राम नायक पिछले 53 वर्षों से लगातार संत शिरोमणि की जयंती मना रहे हैं। बुधवार को छोटकीलारी स्थित अपने घर में उन्होंने चित्र पर पूजा-अर्चना की और इनके बताये मार्ग पर चलने का लोगों को संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संत रैदास ने समाज में फैले छुआछूत, भेदभाव प ऊंच-नीच को दूर किया। मौके पर पूर्व पंसस गीता देवी, भोला करमाली, कृपाल महतो, रवि नायक, सुदेश महतो, सूर्यांश कुमार, शशि कांत सुमन आदि मौजूद थे।

पति की प्रताड़ना नहीं झेल पाई पुष्पा, कर ली खुदकुशी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

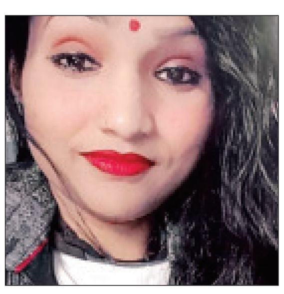

रामगढ़ : रामगढ़ शहर के न्यू बगीचा कॉलोनी सौदागर मोहल्ला में पुष्पा शुक्ला की मौत से पर्दा उठ गया है। पुष्पा कई वर्षों से अपने पति छोटू शुक्ला की ओर से दी जा रही प्रताड़ना झेल रही थी। पुष्पा को उसके पति ने जान से मारने की धमकी भी दी थी। शायद इसी प्रताड़ना की वजह से उसने खुदकुशी कर ली है। इन सारे तथ्यों का खुलासा तब हुआ जब पुष्पा शुक्ला का भाई ओमप्रकाश रामगढ़ पहुंचा। बुधवार को ओमप्रकाश ने पुष्पा की पिछले 15 वर्षों की कहानी बयां की है। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अमेठी जिला अंतर्गत मुंशीगंज थाना के बहेलियापुर के रहने वाले ओमप्रकाश ने बताया कि पुष्पा पिता दिवंगत चीनी प्रसाद वर्ष 2010 में ही अपने घर से भाग गई थी। ओमप्रकाश ने पुलिस को बताया कि अक्टूबर 2010 में ही पुष्पा शुक्ला घर से भागी थी। हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अंबाजीत, शुक्ला खपिया निवासी छोटू शुक्ला ने बहला फुसलाकर उसे अपने साथ ले गया था। काफी खोजबीन के बाद पता चला कि छोटू कुमार शुक्ला और पुष्पा ने शादी कर ली है। वह दोनों साथ-साथ रह रहे हैं। काफी समय बीतने के बाद बीच-बीच में घर की महिलाओं से पुष्पा की बात होने लगी थी। कुछ वर्षों बाद पता चला कि छोटू शुक्ला, पुष्पा के साथ मारपीट करता है और उसे प्रताड़ित करता है। छोटू कुमार शुक्ला ने पुष्पा को जान से मारने की धमकी दी थी। पुष्पा एक माह पूर्व भी घर की महिलाओं से फोन पर रो कर बात कर रही थी और यह बताई थी कि कभी भी उसकी हत्या छोटू कर सकता है। उसे वह अनजान जगह पर भी रख रहा है। ओमप्रकाश ने बताया कि 10 फरवरी को रामगढ़ थाना प्रभारी ने उन्हें फोन कर पुष्पा की मौत की खबर दी। उन्हें पूरा विश्वास है कि शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना की वजह से ही पुष्पा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उसकी मौत के पीछे छोटू कुमार शुक्ला का हाथ है। उन्होंने पुलिस से छोटू शुक्ला एवं अन्य के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

सड़क किनारे मिला वृद्ध का शव

सरिया (गिरिडीह) : बुधवार की सुबह लगभग 5 बजे सरिया मुख्य मार्ग पर स्थित बालिका मध्य विद्यालय सरिया के मुख्य गेट के पास एक अज्ञात 55 वर्षीय बुजुर्ग का शव स्थानीय लोगों के द्वारा देखी गई जिसकी सूचना सरिया पुलिस को दिया गया । मौके पर पुलिस पहुँचकर घटना की जाँच पडताल कर ही रहा था और इसकी चर्चा बाजार के आसपास तेजी से फैल जाने के बाद वहाँ लोगों की भीड भी एकत्रित हो गई उस भीड में सरिया के मंदरामो की एक महिला ने उसकी पहचान अपनी एक परिचित के रुप में किया। उस मृत व्यक्ति का पहचान जमुआ थाना क्षेत्र के हारोडी निवासी चेतलाल रबिदास के रुप में हुआ। लोगों ने संभावना जताया कि उक्त व्यक्ति किसी बस से उतरा होगा और अचानक तबीयत बिगड? के कारण उसकी मौत हो गयी । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया । इस बाबत सरिया थाना प्रभारी योगेश महतो ने बताया कि बुधवार की सुबह शव मिली, मृतक के परिजनों द्वारा बताया गया कि वो कोलकाता से काम करके आ रहे थे इसमें किसी का कोई दोष नहीं है ।

नक्सल क्षेत्र में पशु चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : नक्सल प्रभावित चैनपुर प्रखंड में मंगलवार को 32वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट राजेश सिंह के मार्गदर्शन में सी कंपनी चैनपुर द्वारा एक पशु चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर छिछवानी पंचायत के कटकाही गांव में आयोजित किया गया, जिसमें कटकाही और उसके आसपास के ग्रामीणों ने अपने पशुओं को लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्थानीय समुदाय के पशुओं की देखभाल करना और उन्हें रोग मुक्त करना था। शिविर में विशेष रूप से गाय, बैल, बकरी, मुर्गी और कुत्तों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सा टीम ने सभी पशुओं का चिकित्सीय जांच किया और आवश्यक दवाओं का वितरण किया, जिससे ग्रामीणों के पशुओं को तत्काल चिकित्सा सहायता मिल पाई। चिकित्सा शिविर में चैनपुर प्रखंड के पशु चिकित्सक डॉक्टर धर्म रक्षित विद्यार्थी, छीछवानी पंचायत के मुखिया पॉलिडोर एक्का, समवाय कमांडर श्री जीतेन्द्र और एस एस बी के जवान उपस्थित थे। शिविर के दौरान ग्रामीणों ने चिकित्सकों से अपने पशुओं की बीमारियों के बारे में सलाह ली और उन्हें उचित उपचार मिला। इस प्रकार के शिविर न केवल पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार लाते हैं, बल्कि ग्रामीण समुदाय के बीच जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।इस आयोजन की सराहना करते हुए स्थानीय लोगों ने सशस्त्र सीमा बल की टीम का धन्यवाद किया और इस तरह के शिविरों के आयोजन की मांग की ताकि उनके पशुओं की स्वास्थ्य सेवाएं उत्तम बनी रहें।इस तरह के शिविर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में न केवल पशुओं की देखभाल के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि यह स्थानीय समुदाय के साथ सशस्त्र बलों के संबंधों को भी मजबूत करते हैं।

संत पीटर उच्च विद्यालय टांगों में दसवीं के छात्रों को दी गई विदाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : संत पीटर उच्च विद्यालय टोंगो में दसवीं के छात्रों को उनकी उज्जवल भविष्य के लिए पवित्र मिस्सा बलिदान का अनुष्ठान किया गया। जिसमें मुख्य अनुष्ठान फादर अल्फिज केरकेट्टा ने की उन्होंने अपने संदेश कहा आप प्रत्येक का मेहनत है आपके भविष्य को सुंदर एवं सफल बनायेगी जिसके लिए आपको कठिन मेहनत करना जरूरी है विद्यार्थियों को परीक्षा के प्रति समर्पित होना चाहिए, गलत संगति से दूर रहना चाहिए, विद्यार्थियों को समय पर अपना कार्य पूरा कर लेना चाहिए साथ ही उन्होंने एक छोटी सी चिड़िया की कहानी से भी बच्चों को प्रेरित किया। साथ ही सेवा सेवानिवृत शिक्षक सेबरन बेक ने मुख्य रूप से परीक्षार्थियों को अच्छे रिजल्ट के लिए प्रेरित किया। साथ ही सभी शिक्षकों के द्वारा विद्यालय की ओर से सभी परीक्षार्थियों को फाइल और सनैक्स देकर उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई । साथ ही परीक्षार्थियों ने भी अपने निशान चिन्ह विद्यालय को दिए। विदाई समारोह में मुख्य रूप से विद्यालय के प्रथम अध्यापक तेज कुमार बखला, सहायक प्रधानाध्यापक रोहित कुमार शिक्षक रोशन लकड़ा, अजीत किंडो, थदेयुस कुजूर, अमित बड़ा, अरविंद बेक, लेवनाड लकड़ा, शिक्षिका शशि शारदा, अनिमा तिग्गा, अंकिता मिंज, सेवानिवृत शिक्षक सेवनेन बेक, सहित विद्यालय के सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

बैंक में जेबकतरे ने दिव्यांग के उड़ाये 31 हजार

रामगढ़ : रामगढ़ शहर के बैंक ऑफ इंडिया परिसर में दिव्यांग ग्राहक जेबकतरों का शिकार बन गया। ग्राहक को जब तक पैसे गायब होने की खबर लगती तब तक जेबकतरे निकल चुके थे। इस मामले में आदित्य महतो ने रामगढ़ थाने में सूचना दर्ज कराई है। रजरप्पा थाना क्षेत्र के दुलमी निवासी आदित्य महतो बुधवार को शहर के नारायणी कॉम्पलेक्स में स्थित बैंक आफ इंडिया से 42 हजार निकालने पहुंचे थे। पैसे निकालने के बाद उन्होंने 31 हजार रुपये अपनी पत्नी के खाते में जमा करने के लिए फॉर्म भरना शुरू किया। इसी दौरान उनके पॉकेट से 31 हजार रुपये किसी ने निकाल लिए। जेब कटने की इस वारदात की सूचना उन्होंने बैंक कर्मियों और शाखा प्रबंधक को दी, तो किसी ने भी उनकी मदद नहीं की। बाद में दिव्यांग व्यक्ति आदित्य महतो ने अपने रिश्तेदारों को वहां बुलाया तब बैंक वालों ने इस पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी। घटना की सूचना पर पुलिस वहां पहुंची तो अपराधियों की पहचान करने की कोशिश की।

रंगदारी मांगते दो आरोपी हथियार के साथ गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : समूह से कर्ज लेने के बाद उसे चुकता करने के लिए रंगदारी मांगते दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनकी गिरफ्तारी पलामू जिले के रामगढ थाना क्षेत्र के पिपराही से सटे जंगल से हुई है। उनके पास से .315 बोर की एक राइफल, एक भरठुआ बन्दूक, एक केन बम, कपड़े, बैग एवं अन्य सामान बरामद किए गए हैं। अपराधियों की पहचान जिले के पाटन थाना क्षेत्र के मायापुर के उमेश भुइयां (35) और चैनपुर के सेमरा के फिरोज अंसारी (25) के रूप में हुई है। बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभा कक्ष में एसडीपीओ सदर मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि रामगढ थाना क्षेत्र के पिपराही से सटे जंगल में दो व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहे हैं एवं किसी घटना को अंजाम देने वाले हैं। सूचना पर रामगढ थाना प्रभारी ओमप्रकाश साव के नेतृत्व में टीम बनाकर छापेमारी की । इस क्रम में उमेश भुइयां और फिरोज अंसारी को पकड़ा गया। उमेश के पास से .315 बोर की एक राइफल , एक काला रंग का पीठू बैग और फिरोज अंसारी के पास से एक भरठुआ बन्दूक बरामद हुआ। पीठू बैग खोलने पर एक काले रंग के प्लास्टिक में लपेटा हुआ केन बम मिला। केन बम को निष्क्रिय करने की कार्रवाई की जा रही है।

एसडीपीओ ने बताया कि उमेश और फिरोज पूर्व में उग्रवादी संगठन जेजेएमपी से जुड़े हुए थे। इधर कुछ दिनों से आपराधिक संगठन बनाकर जेजेएमपी, माओवादी और आदित्य नाम से ईंट भट्ठा, क्रशर मालिक और अन्य लोगों से रंगदारी मांगते थे। दोनों ने रंगदारी मांगने की बात स्वीकार की है।

इनमें से फिरोज पर चैनपुर थाना में दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। आगजनी और रंगदारी मामले में भी इसके शामिल रहने की जानकारी मिली है। रिमांड पर लेकर पूछताछ की जायेगी। पूछताछ में फिरोज ने बताया है कि उसे 20 हजार रूपए महीना कर्ज देना पड़ता है। समूह से ऋण ले रखा है। इसके लिए वह लगातार रंगदारी मांगता था और कर्ज की भरपाई करता था।

अवैध माइंस को बुलडोजर चलाकर किया ध्वस्त

चतरा : टंडवा प्रखंड प्रशासन ने अवैध रूप से संचालित एक कोल माइंस को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया है। यह कारवाई चतरा उपायुक्त के निर्देश पर की गई है। बुधवार को सीओ विजय दास के नेतृत्व में गठित टीम ने टंडवा-केरेडारी थाना क्षेत्र के सीमांत पर स्थित सिसई-सिजुआ के जंगली इलाके में संचालित अवैध कोयले के माईंस पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया है। मामले को लेकर सीओ विजय दास ने बताया कि उक्त इलाके में अवैध कोल माइंस के संचालन के साथ कोयले का अवैध खनन कर बड़े स्तर पर तस्करी किये जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम का गठन कर यह कार्रवाई की गई।

भूमि विवाद में खेत में लगी फसल को किया नष्ट, सात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ शहर के मुर्रामकला में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में तनाव की स्थिति बनी हुई है। एक पक्ष के द्वारा मुकदमा हारने के बावजूद भू स्वामियों को तंग किया जा रहा है। उन लोगों ने डेढ़ एकड़ में लगी फसल को भी नष्ट कर दिया है। बुधवार को भू-स्वामी जीवन लाल ने रामगढ़ थाने में शिकायत की है। जीवनलाल ने पुलिस को बताया कि मुर्रामकला में खाता नंबर 94 प्लॉट संख्या 1154 में 4 एकड़ जमीन उनकी पैतृक भूमि है। जिसमें डेढ़ एकड़ भूमि में उन्होंने टमाटर, लौकी, बैगन, मिर्च, तरबूज आदि की फसल लगा रखी थी। बुधवार को जब वे फसल देखने गए तो देखा कि सभी पौधों को उखाड़ कर फेंका गया है। फसल को रौंदने के लिए पैर एवं लकड़ी का उपयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि उनके विरोधी पक्षकार शत्रुघ्न प्रसाद, महेश महतो, युगल महतो, लोकनाथ महतो, लक्ष्मण महतो, सुरेश महतो और सोनू कुमार के द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया है कि 17 जनवरी को भी उन लोगों के द्वारा खेती करने के दौरान बाधा उत्पन्न की गई थी। इस मामले में जीवन लाल ने डीसी चंदन कुमार को भी आवेदन दिया है। उन्होंने बताया है की मुर्रामकला में उनके दादा बोधन महतो के नाम पर 4 एकड़ जमीन वर्ष 1918 से हासिल है। वर्तमान समय तक उनके दखल कब्जे में है। उस जमीन पर गांव के ही कुछ लोगों के द्वारा गलत तरीके से दावा पेश किया जा रहा था। इस मामले में जीवनलाल और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के द्वारा वर्ष 2007 में टाइटल सूट 154/2007 किया गया। इसके बाद हजारीबाग कोर्ट से उन्हे डिग्री मिली। 2015 में भी शत्रुघ्न प्रसाद और उनके सहयोगियों द्वारा एक अपील रामगढ़ कोर्ट में किया गया था। लेकिन उनकी अपील को खारिज कर दिया गया। लेकिन वे लोग परेशान करने से बाज नहीं आ रहे। जीवनलाल ने जिला प्रशासन से अपील की है कि इस मामले में उचित पहल की जाए।

संक्षिप्त खबरें

हथियार के साथ जेजेएमपी का नक्सली गिरफ्तार

लातेहार : जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत सनगड़वा गांव के पास पुलिस ने छापेमारी कर जेजेएमपी के नक्सली अर्जुन सिंह को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सली के पास से एक ऑटोमैटिक पिस्टल और पांच गोलियां बरामद की गयी है। गिरफ्तार नक्सली मनिका थाना क्षेत्र के बरियातू गांव का रहने वाला है। बुधवार को प्रेस वार्ता करते हुए एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी नक्सली अर्जुन सिंह किसी घटना को अंजाम देने के लिए सनगड़वा गांव के आसपास जमा हुआ है। सूचना के बाद थाना प्रभारी शशि कुमार के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम बनाई गई और नक्सली की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई। पुलिस ने चिन्हित स्थान पर छापेमारी की तो नक्सली अर्जुन सिंह को गिरफ्तार कर लिया। छानबीन के क्रम में उसके पास से एक पिस्तौल और जिंदा गोलियां भी बरामद हुई। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली पर मनिका थाना क्षेत्र में नक्सली हिंसा से संबंधित दो मामले पहले से ही दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि अर्जुन सिंह मुख्य रूप से नक्सली संगठन के नाम पर लेवी वसूलने का काम करता था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार नक्सली से पूछताछ के क्रम में पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। मिली जानकारी के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

प्रेमिका से मिलने गये प्रेमी को ग्रामीणों ने पकड़ा, करायी शादी

लोहरदगा : जिले के किस्को प्रखंड क्षेत्र के जनवल गांव में प्रेमिका से मिलने गये प्रेमी को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। इसके बाद ग्रामीणों की मौजूदगी में प्रेमी युगल की शादी करा दी गयी। इसे देखने के लिए गांव में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। बताया जाता है कि जनवल गांव निवासी पंचम राम की पुत्री रोशनी कुमारी (2), हरिचरण राम के पुत्र महावीर राम(27)के साथ तीन साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बुधवार को सुबह में प्रेमिका के घर के समीप से प्रेमी मिलने आया। ग्रामीणों ने दोनों प्रेमी-प्रेमिका को घर में पकड़ लिया। इसके बाद काफी वाद विवाद के बाद ग्रामीणों के समक्ष प्रेमी-प्रेमिका को लाया गया और ग्रामीण,एवं जनप्रतिनिधियों के मौजूदगी में गांव में पंचम राम के घर के समीप दोनों की शादी करवा दी गयी। शादी के बाद प्रेमी युगल ने पहान का आशीर्वाद लिया। मौके पर मुखिया जतरू उरांव,पहान देवठान उरांव, मुकेश साहू,कमलेश राम,पंचम राम,जयराम राम, अरुण राम, मुन्ना राम, विशाल राम, राजकुमार मुंडा,मंगल महतो,राम लोहरा,शाहदेव लोहरा,रामवृक्ष राम,भोला राम,ब्रजेश राम सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

तनाव मुक्त और एकाग्र होकर करें परीक्षा की तैयारी : सकलदीप भगत

खूंटी : मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में बुधवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक सकलदीप भगत ने दसवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के साथ द्वीप प्रज्वलित कर किया। आठवीं और नौवीं के छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम से समा बांध दिया, वहीं, सीनियर छात्राओं ने अपने अनुभवों को साझाा किया। संस्थान तीन माह पूर्व से बोर्ड के परीक्षार्थियों के लिए साप्ताहिक जांच परीक्षा आयोजित कर रहा था। इससे छात्रों के आत्मविश्वास में इजाफा हुआ। इस दौरान कई नागपुरी तथा हिंदी गानों पर रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गये। संस्थान के निदेशक सकलदीप भगत ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी छात्र-छात्राएं मेहनत और ईमानदारी के साथ अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर अग्रसर रहें। उन्होंने कहा कि आपने जो कुछ संस्थान से सीखा है, अपने जीवन में उसे अवश्य चरितार्थ करें। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, आप तनावमुक्त एवं एकाग्र होकर परीक्षा की तैयारी करें। परीक्षा को एक उत्सव के रूप में लें, जिससे आपको सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। अंत में सभी छात्र-छात्राओं को बेस्ट ऑफ लक गिफ्ट दिया गया। मौके पर शिक्षिका रिया, अंजलि, सावित्री, प्रियंका, कशिश एवं गौरी के अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

शिक्षा समाज के उत्थान के लिए एक क्रांति है : डॉ रामेश्वर उरांव

लोहरदगा : पूर्व मंत्री सह स्थानीय विधायक डॉ रामेश्वर उरांव ने बुधवार को बीएस कॉलेज में विधायक निधि से निर्मित लाइब्रेरी भवन में कंप्यूटरीकृत ई लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। मौके पर विधायक ने कहा कि शिक्षा समाज के लिए एक क्रांति है, जो समाज को दिशा प्रदान करती है। इस पुस्तकालय में आधुनिक सुविधाओं से युक्त ई लाइब्रेरी और कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटरकी शुरूआत की जा रही है, जिसके माध्यम से छात्र -छात्राओं को डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी शिक्षा और पुस्तकालय संसाधनों का लाभ मिलेगा। ज़िले में विधायक निधि से बुनियादी आवश्यकताओं के साथ साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि सशक्त समाज की स्थापना हो सके , मौके पर डीसी वाघमारे प्रसाद कृष्ण, एसपी हरीस बिन जमा, डीडीसी दिलीप सिंह शेखावत, एसडीओ अमित कुमार,परियोजना निदेशक आईटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा बीएस कॉलेज प्राचार्य शशि गुप्ता,कार्यकारी ज़िलाद्यक्ष हाजी सकील अहमद सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जीडी टाइल्स एंड मार्बल शोरूम का हुआ शुभारंभ

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के भुरकुंडा मतकमा चौक पर जीडी टाइल्स एंड मार्बल शोरूम का शुभारंभ किया गया। बुधवार को शोरूम के संचालक दीपक कुमार कुशवाहा के पिता गंगाधर कुशवाहा ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। इससे पूर्व शोरूम की विधिवत रूप से पूजा अर्चना की गई। मौके पर दीपक कुमार कुशवाहा ने बताया कि हमारे प्रतिष्ठान में सभी प्रकार के टाइल्स और मार्बल उचित मूल्य पर उपलब्ध। इस अवसर पर योगेश दांगी, रामपाल बेदिया, हरिलाल बेदिया, कृष्ण कुमार कुशवाहा, जमुना प्रसाद महतो, इंद्रदेव प्रसाद कुशवाहा, रामदास बेदिया, कपूर सिंह आदि उपस्थित थे।

निराश करती है जनप्रतिनिधि अपराध मामलों में देरी

ललित गर्ग

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि साफ-सुथरी एवं अपराधमुक्त राजनीति का दावा करने वाले दल ही सर्वाधिक अपराधी लोगों को उम्मीदवार बना रही है। विडंबना है कि यह प्रवृत्ति कम होने के बजाय हर अगले चुनाव में और बढ़ती ही दिख रही है। आखिर कब तक अपराधी तत्व हमारे भाग्य-विधाता बनते रहेंगे? कब तक आम आदमी इस त्रासदी को जीने के लिये मजबूर होते रहेंगे।

वर्तमान और पूर्व संसद सदस्यों और विधानसभा सदस्यों के खिलाफ लंबित पांच हजार आपराधिक मामलों के निपटारे की सुनवाई कर रही एमपी-एमएलए अदालतों में कोई उल्लेखनीय प्रगति होते हुए न दिखना न केवल निराशाजनक है बल्कि यह कानून व्यवस्था की बड़ी विसंगति है। इस सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में आग्रह किया गया कि कोर्ट इन मामलों का जल्द से जल्द निपटारा करने एवं त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देश जारी करे। अपेक्षा यह की गई थी कि इन मामलों की सुनवाई त्वरित गति से होगी, लेकिन इसका उलटा हो रहा है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान लोकसभा के 543 सदस्यों में से 251 के खिलाफ आपराधिक मामले हैं, जिनमें से 170 गंभीर आपराधिक मामले हैं, जिनमें पांच साल या उससे अधिक की सजा हो सकती है। हाल ही दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणामों में भी आपराधिक छवि के विधायकों की बड़ी संख्या चिन्ता में डालते हुए शर्मसार कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के 48 नवनिर्वाचित विधायकों में से 16 यानी 33 प्रतिशत और आम आदमी पार्टी के 22 में से 15 यानी 68 प्रतिशत नवनिर्वाचित विधायकों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, भाजपा के सात और आप के 10 विधायक गंभीर किस्म के आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से समय-समय पर दिए गए आदेशों और हाईकोर्ट की निगरानी के बावजूद सांसदों और विधायकों के खिलाफ बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं, जो हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर एक बदनुमा धब्बा हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि साफ-सुथरी एवं अपराधमुक्त राजनीति का दावा करने वाले दल ही सर्वाधिक अपराधी लोगों को उम्मीदवार बना रही है। विडंबना है कि यह प्रवृत्ति कम होने के बजाय हर अगले चुनाव में और बढ़ती ही दिख रही है। आखिर कब तक अपराधी तत्व हमारे भाग्य-विधाता बनते रहेंगे? कब तक आम आदमी इस त्रासदी को जीने के लिये मजबूर होते रहेंगे। भारत के लोकतंत्र के शुद्धिकरण एवं मजबूती के लिये अपराधिक राजनेताओं एवं राजनीति के अपराधीकरण पर नियंत्रण की एक नई सुबह का इंतजार कब तक करना होगा? त्रासद एवं दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि पूर्व एवं वर्तमान विधायकों और सांसदों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित की गई अदालतें उनके मामलों का समय पर निपटारा करने में विफल साबित हो रही हैं। बड़ी संख्या में मामलों का लंबित रहना, जिनमें से कुछ तो दशकों से लंबित हैं, यह दशार्ता है कि सांसदों एवं विधायकों का अपने विरुद्ध मामलों की जांच या सुनवाई पर बहुत अधिक प्रभाव है और अपने राजनीतिक वर्चस्व एवं प्रभाव के कारण मुकदमे को पूरा नहीं होने दिया जाता है।

ऐसा लगता है कि उच्च न्यायालय अपने इस दायित्व का निर्वहन सही तरह से नहीं कर पा रहे हैं। समय-समय पर ऐसी खबरें भी आती रही हैं कि एमपी-एमएलए अदालतों को जनप्रतिनिधियों के मामलों के निपटारे में तेजी लाने को कहा है, लेकिन इसके कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ सके। समझना कठिन है कि जिन अदालतों का गठन ही कुछ विशेष मामलों के निस्तारण के लिए हुआ है, वे उनकी सुनवाई में प्राथमिकता का परिचय क्यों नहीं दे रही हैं? उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट इन अदालतों को यह स्पष्ट निर्देश दे कि वे जनप्रतिनिधियों के मामलों की सुनवाई एक निश्चित समय सीमा में करें और ऐसा करने के लिए उच्च न्यायालयों को निर्देशित करे। यदि ऐसा कुछ नहीं किया जाता तो राजनीति के अपराधीकरण को रोकना बहुत कठिन होगा और आपराधिक छवि के नेताओं के मामलें न्यायालयों में बढ़ते ही जायेंगे। यह स्थिति लोकतंत्र का उपहास उड़ाने वाली ही है। यह स्थिति अधिक चिन्ताजनक एवं दुखद इसलिये भी है कि अब तो गंभीर आपराधिक मामलों में जेल में बंद लोगों को चुनाव प्रचार के लिए भी जमानत देने का सिलसिला कायम हो गया है। जनप्रतिनिधि भी रक्षक नहीं, भक्षक हो रहे हैं। ये कानून का भक्षण करने में माहिर होते जा रहे हैं। ये कैसे जनप्रतिनिधि हैं जो पहले वोट मांगते हैं, फिर जीत के बाद लोगों को लात मारते हुए उनके साथ तरह-तरह के अपराध करते हैं। लोकतंत्र के मुखपृष्ठ पर बहुत धब्बे हैं, अंधेरे हैं, वहां मुखौटे हैं, गलत तत्त्व हैं, खुला आकाश नहीं है। मानो प्रजातंत्र न होकर अपराध तंत्र हो गया। क्या यही उन शहीदों का स्वप्न था, जो फांसी पर झूल गये थे? राजनीतिक व्यवस्था और सोच में व्यापक परिवर्तन हो ताकि कोई भी अपराधों में लिप्त नेता जन-प्रतिनिधि न बन सके।

दिल्ली नगर निगम चुनावों में जीते पार्षदों के संदर्भ में एडीआर और द्यदिल्ली इलेक्शन वाचद्ध ने चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी कर यह बताया गया है कि दो सौ अड़तालीस विजेताओं में से बयालीस यानी सत्रह प्रतिशत निर्वाचित पार्षद ऐसे हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा, उन्नीस पार्षद गंभीर आपराधिक मामलों के आरोपी हैं। इससे पूर्व दिल्ली में फरवरी, 2020 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी एडीआर ने अपने विश्लेषण में चुने गए कम से कम आधे विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज पाए थे। इसमें मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी के विधायक थे। अब प्रश्न है कि दिल्ली नगर निगम हो या विधानसभा के चुनावों में भी आप पार्टी ने उम्मीदवार बनाने के लिए स्वच्छ छवि के व्यक्ति को तरजीह देने की जरूरत क्यों नहीं समझी? जबकि इस पार्टी का घोष ही रहा अपराध एवं भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति।

चुनावी सुधारों पर होने वाली तमाम चचाओं में राजनीति का अपराधीकरण एक अहम मुद्दा रहता है। राजनीति का अपराधीकरण-द्यअपराधियों का चुनाव प्रक्रिया में भाग लेनाद्ध-हमारी निर्वाचन व्यवस्था का एक नाजुक अंग बन गया है। मौजूदा लोकसभा सदस्यों में सर्वाधिक 29 प्रतिशत सदस्यों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि पिछली लोकसभा में यह आँकड़ा तुलनात्मक रूप से कम था। राजनीति का अपराधीकरण भारतीय लोकतंत्र का एक स्याह पक्ष है, जिसके मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय और निर्वाचन आयोग ने कई कदम उठाए हैं, किंतु इस संदर्भ में किये गए सभी नीतिगत प्रयास समस्या को पूर्णतः नियंत्रित करने में असफल रहे हैं। हालांकि एक अच्छी पहल यह हुई है कि अब हाईकोर्ट की इजाजत के बिना सरकार किसी भी सांसद एवं विधायक के खिलाफ दर्ज मामले वापस नहीं ले सकती है। राजनीति के अपराधीकरण के कारण चुनावी प्रक्रिया में काले धन का प्रयोग काफी अधिक बढ़ जाता है। इसका देश की न्यायिक प्रक्रिया पर भी दुष्प्रभाव देखने को मिलता है और अपराधियों के विरुद्ध जाँच प्रक्रिया धीमी हो जाती है। राजनीति में प्रवेश करने वाले अपराधी सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं और नौकरशाही, कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका सहित अन्य संस्थानों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। यह स्थिति समाज में हिंसा, भ्रष्टाचार, उत्पीड़न की संस्कृति को प्रोत्साहित करती है और भावी जनप्रतिनिधियों के लिये एक गलत उदाहरण प्रस्तुत करती है। वैसे तो भारत का लोकतंत्र बड़े-बड़े बाहुबली एवं आपराधिक पृष्ठभूमि के नेताओं के शर्मनाक कृत्यों का गवाह रहा है, बार-बार शर्मसार हुआ है। यही कारण है कि राजनीति का चरित्र गिर गया और साख घटती जा रही है।

इन वर्षों में जितने भी चुनाव हुए हैं वे चुनाव अर्हता, योग्यता एवं गुणवत्ता के आधार पर न होकर, व्यक्ति, दल या पार्टी के धनबल, बाहुबल एवं जनबल के आधार पर होते रहे हैं, जिनको आपराधिक छवि वाले राजनेता बल देते रहे हैं। आप ने भ्रष्टाचार एवं अपराधों पर नियंत्रण की बात करते हुए राजनीति का बिगुल बजाया। लेकिन यह दल तो जल्दी ही अपराधी तत्वों से घिर गया। नेताओं की चादर इतनी मैली है कि लोगों ने उसका रंग ही काला मान लिया है। अगर कहीं कोई एक प्रतिशत ईमानदारी दिखती है तो आश्चर्य होता है कि यह कौन है? पर हल्दी की एक गांठ लेकर थोक व्यापार नहीं किया जा सकता है। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे बड़ा संकट है। आदर्श लोकतंत्र एवं समाज व्यवस्था का निर्मित करने की जिम्मेदारी इन्हीं नेताओं पर है, जिनका चरित्र एवं साख मजबूत होना जरूरी है। दुःखद स्थिति है कि भारत अपनी आजादी के अमृत काल तक पहुंचते हुए भी स्वयं को ईमानदार नहीं बना पाया, चरित्र सम्पन्न राष्ट्र नहीं बन पाया।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

महाजाम की जटिल व्यवस्था

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी करोड़ों श्रद्धालू पवित्र स्नान के लिए उमड़.रहे हैं। 144 साल बाद पड़.रहे इस महाकुंभ में आने के रास्तों में महाजाम लग गया है। तीन सौ किमी. लंबे जाम को दुनिया का सबसे बड़ा जाम बताया जा रहा है। यह विशेष पर्व ज्यों-ज्यों अपने आखिरी पड़ाव की तरफ बढ़ रहा है, श्रद्धालुओं में इसका आकर्षण बढ़ता जा रहा है। वाराणसी से प्रयागराज के मार्ग पर दस किमी. लंबा जाम है। रींवा-चित्रकूट से आने वाले मार्ग पर तकरीबन सत्रह किमी. तो भदोही से प्रयागराज पहुंचने वाले रास्ते पर पंद्रह किमी. और मिजार्पुर से आने वाले मार्ग पर बारह किमी. का महाजाम लगा है। जिला व पुलिस प्रशासन के सारे दावों की धज्जियां उड़ाने वाले इस जाम में फंसे प्यासे-भूखे और परेशान लोगों के पास कोई विकल्प नहीं है। बिलखते नन्हे बच्चों और बीमार-बुजुर्गों के परिवार रेंगते वाहनों में ट्रैफिक अरेस्ट से जूझने को मजबूर हैं। फ्रांस में भारी बर्फबारी के चलते 1980 में 175 किमी. लंबे जाम को सबसे बड़े.जाम के रूप में याद किया जाता है।

2010 में बीजिंगद्यतिब्बत हाईवे पर लगे सौ किमी. के जाम से निकलने में दस दिन लग गए थे। मगर यह न तो प्राकृतिक आपदा है, न ही अचानक लगा जाम है। सरकारी दावों और व्यवस्था को लेकर तमाम प्रचार के खोखलेपन का उपहास बन रहा है। भगदड़. और बार-बार आग लगने के पीछे लापरवाही छिपी नहीं है। लखनऊ, सुलतानपुर, रायबरेली, गोरखपुर, आजमगढ़ से अयोध्या की तरफ जाने वाली सड़कों पर भी यातायात बुरी तरह प्रभावित है। प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन कोआवागमन के लिए बंद करने के आदेश को अफरातफरी के बाद इसे अफवाह ठहरा कर लीपापोती की गई। जाहिर है, इससे यात्रियों को भारी असुविधा होती है। स्थानीय नागरिकों को हो रही दिक्कतों पर बात नहीं हो रही है जबकि उनकी दिनचर्या भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है, उन्हें घरबंदी में जीना पड़.रहा है। शहर और सड़कों की क्षमता का अनुमान लगाए बगैर भव्य आयोजन और करोड़ों की धन राशि उड़ाने का उद्देश्यहीन योजना की जितनी निंदा की जाए कम है। श्रद्धालुओं को हो रही दिक्कतों को बरगलाने और छद्म प्रचार से महाकुंभ के साथ महाजाम के संगम को झुठलाने से हकीकत को बदला नहीं जा सकता।

चिंतन-मनन

आध्यात्मिक आकाश का प्रकाश

चिन्मय आकाश में न तो सूर्यप्रकाश की आवश्यकता है, न चन्द्रप्रकाश अथवा अग्नि या बिजली की, क्योंकि सारे लोक स्वयं प्रकाशित हैं। इस ब्रह्मांड में केवल एक लोक- सूर्य, ऐसा है जो स्वयं प्रकाशित है। लेकिन आध्यात्मिक आकाश में सभी लोक स्वयं प्रकाशित हैं। उन समस्त लोकों के (जिन्हें वैकुण्ठ कहा जाता है) चमचमाते तेज से चमकीला आकाश बनता है, जिसे ब्रह्मज्योति कहते हैं। इस तेज का एक अंश महत-तत्त्व अर्थात जगत से आच्छादित रहता है। जब तक जीव इस अंधकारमय जगत में रहता है, तब तक वह बद्ध अवस्था में होता है। लेकिन ज्यों ही वह भौतिक जगत रूपी मिथ्या, विकृत वृक्ष को काटकर आध्यात्मिक आकाश में पहुंचता है, त्यों ही मुक्त हो जाता है। तब वह यहां वापस लेकिन अपनी मुक्त अवस्था में आध्यात्मिक राज्य में प्रवेश करता है और परमेर का पार्षद बन जाता है। वहां पर वह सच्चिदानंदमय जीवन बिताता है।

जो इस संसार से अत्यधिक आसक्त है, उसके लिए इस आसक्ति का छेदन करना दुष्कर होता है। लेकिन यदि वह कृष्णभावनामृत को ग्रहण कर ले, तो उसके क्रमशः छूट जाने की संभावना है। उसे ऐसे भक्तों की संगति करनी चाहिए जो कृष्णभावनाभावित होते हैं। उसे ऐसा समाज खोजना चाहिए, जो कृष्णभावनामृत के प्रति समर्पित हो और उसे भक्ति करनी सीखनी चाहिए। इस प्रकार वह संसार के प्रति अपनी आसक्ति विच्छेद कर सकता है। यदि कोई चाहे कि केसरिया वस्त्र पहनने से भौतिक जगत के आकषर्ण से विच्छेद हो जाएगा, तो ऐसा संभव नहीं है। उसे भगवद्भक्ति के प्रति आसक्त होना पड़ेगा। यहां परमं मम शब्द बहुत महत्वपूर्ण हैं। वास्तव में जगत का कोना-कोना भगवान की सम्पत्ति है, परंतु दिव्य जगत परम है और छह ऐश्वर्य से पूर्ण है। कठोपनिषद् में भी इसकी पुष्टि की गई है कि दिव्य जगत में सूर्यप्रकाश, चन्द्र प्रकाश या तारागण की कोई आवश्यकता नहीं है। क्योंकि समस्त आध्यात्मिक आकाश भगवान की आन्तरिक शक्ति से प्रकाशमान है। उस परम धाम तक केवल शरणागति से ही पहुंचा जा सकता है, अन्य किसी साधन से नहीं।

ट्रंप ने सारी दुनिया में गिराई अमेरिका की साख

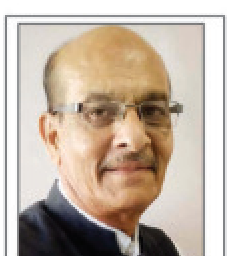
सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशी भ्रष्ट आचरण कानून पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। ट्रंप के इस आदेश के बाद विदेश में व्यापार या ठेका हासिल करने के लिए अब अमेरिकी कंपनी द्वारा रिश्वत देना अपराध नहीं होगा। अभी तक अमेरिकी कानून के अनुसार यह एक बड़ा अपराध था, जिसके कारण अमेरिकी सरकार अथवा अमेरिका की कंपनियां जो सारी दुनिया के देशों में जो व्यापार करती थी, इस कानून से यह संदेश जाता था, अमेरिका की कंपनियां अन्य देशों में रिश्वत नहीं देती हैं। जिसके कारण अमेरिका की सरकार और अमेरिकी कंपनियों की साख पूरी दुनिया के देशों में बनी हुई थी। लुके-छुपे तौर पर यदि कोई कंपनी या व्यक्ति इस तरीके की कोशिश करता था, ऐसी स्थिति में अमेरिकी कानून के अनुसार उसे आर्थिक तथा आपराधिक मामलों में सजा से दंडित किया जाता था। ट्रंप ने जो निर्णय अभी लिया है, उससे सारी दुनिया के देशों में यह संदेश गया है। अमेरिका की कंपनियां अपने लाभ के लिए दुनिया के किसी भी देश के राजनेता, अधिकारियों या कारोबारियों को रिश्वत देकर ठेका हासिल कर सकती हैं। रिश्वत देकर सामान खरीदने-बेचने के कटिक्ट हासिल कर सकती हैं। अमेरिका के साथ-साथ दुनिया के अन्य देशों को इस निर्णय से सबसे बड़ा नुकसान होने जा रहा है। किसी भी देश में अमेरिका की कंपनियों से व्यापार या कारोबार किया जाएगा, वह सभी शक के दायरे में होंगी। जिन देशों के कारोबारी या सरकारें अमेरिकी कंपनियों से खरीददारी करेंगी, उन्हें भी शक की निगाह से देखा जाएगा। ट्रंप का यह निर्णय ऐसे समय पर आया है, जबकि अमेरिकी कानून के अनुसार भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी सहित आठ लोगों के ऊपर अमेरिका में अपराधिक मामला दर्ज है। 21 नवंबर 2024 को अमेरिका की कोर्ट में 2200 करोड़ रुपए की घूस के मामले में गौतम अडानी और अन्य के खिलाफ वारंट जारी हो चुके हैं। वारंट जारी होने के बाद से गौतम अडानी अमेरिका नहीं जा पा रहे हैं। उनका व्यवसाय पूरी दुनिया में प्रभावित हुआ है। गौतम अडानी ने अमेरिकी कानून से बचने के लिए वहां के सांसदों को अपनी पैरवी में उतारा था। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अडानी को राहत पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर भी राजनायिक और कूटनीतिक संबंधों का इस्तेमाल कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के पहले भारत सरकार ने जिस तरह से आयात-निर्यात व्यापार में अमेरिका के पक्ष में शुल्क को घटाया है, वह सब अडानी समूह की राहत से जोड़कर देखा जा रहा है। ट्रंप और एलन मस्क की जोड़ी की राजनेता के स्थान पर एक कारोबारी के रुप में पहचान है। दोनों ही अपने निजी कारोबार एवं फायदे को ध्यान में रखते हुए अमेरिकी सरकार के निर्णय कर रहे हैं। गौतम अडानी और भारतीय कारोबार पर एलन मस्क की भी नजर है। डोनाल्ड ट्रंप भी भारत में अपना कारोबार बढ़ाने के प्रयास में लगे हुए हैं। गौतम अडानी की गर्दन पूरी तरह से अमेरिका के शिकंजे में फंस गई है। भारत सरकार किसी भी कीमत पर गौतम अडानी को अमेरिकी कानून के चक्कर से बचाना चाहती है। अडाणी को बचाने के चक्कर में भारत को काफी आर्थिक नुकसान उठाने पड़ेंगे। दीर्घकालीन कई ऐसे समझौते हो सकते हैं, जिसके कारण भारत के हित बुरी तरह से प्रभावित होंगे। अमेरिका को भी अभी तक का सबसे बड़ा नुकसान होने की आशंका बन गई है। डोनाल्ड ट्रंप के इस निर्णय से अमेरिका की नैतिकता और पारदर्शिता पूरी तरह से दुनिया के देशों में खत्म होगी। ट्रंप के वर्तमान निर्णयों से अमेरिका की छवि एक गैंगस्टर की तरह बनने लगी है। जो लाभ के लिए किसी भी स्तर पर जाकर नैतिक और अनैतिक काम करने से पीछे नहीं हटता है। अमेरिका से कारोबार करने वाले अन्य देशों के राजनेताओं और कारोबारियों के ऊपर रिश्वतखोरी के आरोप बड़े पैमाने पर लगेंगे, जिसके कारण दुनिया के देशों में राजनीतिक अस्थिरता, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार का वातावरण बढ़ेगा। अमेरिका को इतना बड़ा नुकसान इसके पहले कभी नहीं हुआ, जो अब हो सकता है। एक बार अमेरिका की छवि रिश्वत देकर कारोबार करने की बन गई, तो दुनिया के सभी देश अमेरिका के साथ दूरियां बनाना शुरू कर देंगे। अमेरिका अभी दुनिया का बादशाह बना हुआ है। ट्रंप के इस निर्णय से अमेरिका की बादशाहत खतरे में पड़ जाएगी। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। जल्द ही इसके परिणाम अमेरिका को भोगना पड़ सकता है। जिस तरह से ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरूआत हुई है। उसके बाद कहा जाने लगा है, जिस तरह से सोवियत रूस, रेत के महल की तरह भरभरा कर गिरा था। उसी स्थिति में अब अमेरिका ने सफर शुरू कर दिया है।

नक्सलवाद : निर्णायक लड़ाई में आगे बढ़स्त्ता देश

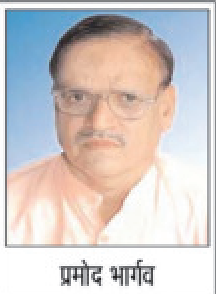
प्रमोद भार्गव

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों के नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। डिस्ट्रिक रिजर्व गॉर्ड, एसटीएफ और बस्तर योद्धाओं के संयुक्त दल ने इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में 31 नक्सली मार दिए। बीजापुर में सात दिन में यह दूसरी बड़ी मुठभेड़ है। इससे पहले गंगालूर क्षेत्र में 2 फरवरी को 8 नक्सली मारे गए थे। इसी तरह 4 अक्टूबर 2024 को सुरक्षा बलों ने अबूझमाड़ के थुलथुली में 38 नक्सलियों को मार गिराया था, लेकिन अब नक्सलिओं को बालों लगातार चुनौती मिल रही है। नक्सलियों का दमन हो रहा है।

केंद्र सरकार ने 2026 तक नक्सलवाद का पूर्ण सफाया करने का संकल्प लिया हुआ है। बावजूद नक्सलियों का अस्तित्व अब तक बना है तो इसलिए क्योंकि कुछ देश विरोधी ताकतें उन्हें धन, घातक हथियार, विस्फोटक और उत्तम गुणवत्ता की संचार प्रणाली उपलब्ध करा रहे हैं। लगता है कि सजातीय वनवासियों और ग्रामीणों पर उनकी पकड़ अभी भी बनी हुई है। उधर, छत्तीसगढ़ सरकार ने भी दो टूक कह दिया है कि या तो नक्सली समाज से जुड़ जाएं या खात्मे के लिए तैयार रहें। नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। नई रणनीति के अंतर्गत अब सरकार की कोशिश है कि सीआरपीएफ की तैनाती उन सब अज्ञात क्षेत्रों में कर दी जाए, जहां नक्सली अभी भी ठिकाना बनाए हुए हैं। इस नाते केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में 4000 से अधिक सैन्यबल तैनात करने जा रहा है। केंद्र सरकार की कोशिश है कि 31 मार्च 2026 तक इस क्षेत्र को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाए। इतनी बड़ी संख्या में सैन्यबलों को अज्ञात क्षेत्र में पहुंच का मतलब है कि अब इस उग्रवाद से अंतिम लड़ाई होने वाली है। जिस तरह से नरेन्द्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आतंक और अलगाववाद खत्म करने की निर्णायक लड़ाई लड़ी थी, वैसी ही स्थिति अब छत्तीसगढ़ में अनुभव होने लगी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र कमजोर हुआ है, लेकिन उसकी शक्ति अभी शेष है। अब तक पुलिस व गुप्तचर एजेंसियां इनका सुराग लगाने में नाकाम होती रही थीं, लेकिन नक्सलियों पर शिकंजा कसने के बाद से इनको भी सूचनाएं मिलने लगी हैं। इसी का नतीजा है कि सैन्यबल इन्हें निशाना बनाने में लगातार कामयाब हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं। इनका कार्यक्षेत्र वह आदिवासी बहुल इलाका है, जिससे ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना मुष्किल होता है, लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर लेते हैं। नक्सली समस्या से निपटने के लिए राज्य व केंद्र सरकार दावा कर रही हैं कि विकास इस समस्या का निदान है। यदि छत्तीसगढ़ सरकार के विकास संबंधी विज्ञापनों में दिए जा रहे आंकड़ों पर भरोसा करें तो छत्तीसगढ़ की तस्वीर विकास के मानदण्डों को छूती दिख रही है, लेकिन इस अनुपात में यह दावा बेमानी है कि समस्या पर अंकुश विकास की धारा से लग रहा है? क्योंकि इसी दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं को नक्सली बनाए जाने के प्रमाण भी मिले हैं। बावजूद कांग्रेस के इन्हीं नक्सली क्षेत्रों से ज्यादा विधायक जीतकर आते रहे हैं। हालांकि नक्सलियों ने कांग्रेस पर 2013 में बड़ा हमला बोलकर लगभग उसका सफाया कर दिया था। कांग्रेस नेता महेन्द्र कर्मा ने नक्सलियों के विरुद्ध 'सलवा जुडूम' को 2005 में खड़ा किया था। सबसे पहले बीजापुर जिले के ही कुर्तु विकासखण्ड के आदिवासी ग्राम अंबेली के लोग नक्सलियों के खिलाफ खड़े होने लगे थे। नतीजतन नक्सलियों की महेन्द्र कर्मा से ठन गई। इस हमले में कर्मा के साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नंदकुमार पटेल और हरिप्रसाद समेत एक दर्जन नेता मारे गए थे, लेकिन कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में अपनी खोई शक्ति फिर से हासिल कर ली थी, बावजूद नक्सलियों पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पाई। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अपदस्थ कर भाजपा अब फिर सत्ता में है। उसके बाद से ही नक्सलियों के सफाए का सिलसिला चल रहा है।

दरअसल, देश में तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा है, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोलता था। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्ट्रघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों और वकीलों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायालय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की। माओवादियों के खिलाफ जाता है, उसकी बोलती बंद कर दी जाती है, लेकिन अब इस चरमपंथ पर पूर्ण अंकुश लगाता दिखाई दे रहा है।

माघी मेला हमारी सांस्कृतिक विरासत का परिचायक है : मंत्री योगेंद्र प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजकीय माघी मेला राजमहल-2025 का भव्य शुभारंभ झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंत्री ने गंगा नदी के तट पर विधिवत गंगा पूजन कर मां गंगा का आशीर्वाद प्राप्त किया। समारोह में भारी संख्या में स्थानीय लोग, प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि माघी मेला हमारी सांस्कृतिक विरासत का परिचायक है। यह पर्व जनजातीय गौरव और लोक संस्कृति को समर्पित है। हमें अपने अमर शहीदों सिद्धो-कान्हू, फुलो-झानो के बलिदान को याद रखना चाहिए, जिन्होंने हमारे समाज के उत्थान के लिए संघर्ष किया। राजमहल का माघी पूर्णिमा मेला झारखंड की सांस्कृतिक और पारंपरिक धरोहर का एक अभिन्न हिस्सा है। यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि जनजातीय परंपराओं, वीर गाथाओं और समाज की सामूहिक संस्कृति को भी प्रतिबिंबित करता है। मंत्री ने इस अवसर पर वीर शहीदों को नमन करते हुए उनके बलिदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह मेला न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसका ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व भी है। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि सरकार इस तरह के सांस्कृतिक आयोजनों को और भी भव्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में राजकीय माघी मेला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। माघी मेले के तहत गंगा घाट पर विशेष पूजा-अर्चना की गई। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने गंगा पूजन कर मां गंगा से राज्य की समृद्धि और शांति की कामना की। विधायक मो. ताजुद्दीन राजा उर्फ एमटी राजा ने अपने संबोधन में कहा कि माघी मेला जनजातीय समाज के लिए गौरव का पर्व है और इसे और भव्य बनाने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। इस अवसर पर उपायुक्त हेमंत सती, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मेले में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा झारखंड सरकार की योजनाओं की जानकारी देने के लिए प्रदर्शनियां भी लगाई गईं। माघी मेले में झारखंड के विभिन्न हिस्सों से आए हस्तशिल्प कारीगरों और व्यापारियों ने अपनी दुकानों में पारंपरिक वस्त्र, हस्तशिल्प उत्पाद, लकड़ी और बांस से बनी कलाकृतियां, कृषि उपकरण और अन्य वस्तुएं प्रदर्शित की। मेले में पर्यटकों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे व्यापारियों के चेहरे खिल उठे। मेला स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखा गया। पुलिस बल, अग्निशमन दल और चिकित्सा दल को तैनात किया गया ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से भीड़ की निगरानी की गई। जिला प्रशासन ने मेले के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए थे।राजमहल के ऐतिहासिक माघी मेला को लेकर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में भारी उत्साह देखा गया। श्रद्धालु गंगा स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं और भव्य आयोजन का आनंद उठा रहे हैं।

एक नजर

तारा शक्तिपीठ से आ रहे युवक की सड़क दुर्घटना में घायल

साहिबगंज: बिहार कटिहार थाना क्षेत्र के रहने वाले एक युवक मोटरसाइकिल दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार मुकेश कुमार उम्र 28 वर्षीय, पिता गवारा शर्मा, पता नयाटोला कटिहार के रहने वाला है। घायल मुकेश कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल से रामपुरहाट के तारा शक्तिपीठ पूजा अर्चना करने के लिए गया था जहां पूजा अर्चना करने के उपरांत अपना घर मोटरसाइकिल से बोरियो सड़क के रास्ते होते हुए आ रहे थे। वही बोरिया सड़क में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और सड़क पर गिर कर बुरी तरह घायल हो गया। जहां राहगीरों की मदद से घायल मुकेश कुमार को उठाकर सदर अस्पताल साहिबगंज इलाज के लिए भेज दिया गया, जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने घायल व्यक्ति का इलाज किया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस कोदे दी गई थी।

ट्रैक्टर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

साहिबगंज: बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत एक बुजुर्ग का सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गया। मिली जानकारी के अनुसार फनी भूषण पंडित उम्र 52 वर्षीय, पिता स्वङ्ग शिवनाथ पंडित, साकिन बड़ागड़ी, के रहने वाले सुबह में काम करने के लिए अपने घर से पैदल जा रहा था। जहां तेल बढ़िया चौक मोहती टोला चौक के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे फनी भूषण पंडित का सर में चोट लगने से मौके पर ही मृत्यु हो गया। वहीं घटना का सूचना बरहेट थाना पुलिस को दी गई, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेज दिया। बरहेट थाना पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।

ललमटिया में हाइवा के धक्के से युवक की मौत

गोड्डा : गोड्डा जिले के ललमटिया में बुधवार की दोपहर कोयला लोड हाइवा की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। इसके विरोध में स्थानीय ग्रामीणों ने कोयला ढुलाई ठप कर दी। मिली जानकारी के अनुसार, कोयला उत्खनन व ढुलाई कार्य कार्य कर रही निजी कंपनी मोंटी कार्लो का हाईवा कोयला लेकर आ रहा था। रास्ते में बलिया-डुमरिया मुख्य मार्ग पर रबियाडीह फुटबॉल मैदान के समीप हाइवा ने युवक को चपेट में ले लिया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृत युवक की पहचान महगामा थाना क्षेत्र के बलिया निवासी रफीक अंसारी (20) के रूप में हुई। घटना के बाद जुटे ग्रामीणों हाइवा चालक को पकड़ लिया। सूचना मिलते ही ललमटिया थाना प्रभारी मुकेश कुमार राउत दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने चालक को पुलिस को सौंप दिया। इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों के साथ हुरासी परियोजना से बलिया कद्दू टोला सड़क सड़क को जामकर कोयला ढुलाई ठप कर दी। सूचना मिलने पर कंपनी प्रबंधन के लोग घटनास्थल पर पहुंचे ग्रामीणों से बात की। मृतक के परिजनों को बीस लाख रुपए मुआवजा व परिवार के एक सदस्य को मोंटी कार्लो कंपनी में नौकरी देने की मांग पर अड़े थे। समाचार लिखे जाने तक प्रबंधन व ग्रामीणों के बीच वार्ता जारी थी।

माघी मेले में जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने लगाया कानूनी जागरूकता कैंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : साहेबगंज के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) अखिल कुमार के मार्गदर्शन में राजमहल के माघी मेले में गंगा तट पर कानूनी जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप के माध्यम से मेले में आए लोगों को उनके कानूनी अधिकारों और विधिक सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। कैंप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पैरा लीगल वॉलंटियर्स (पीएलवी) ने लोगों के बीच पंपलेट और हैंडबिल वितरित कर कानूनी सहायता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। उन्हें बताया गया कि किसी भी प्रकार की निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के लिए टोल फ्री नंबर 15100 पर कॉल कर सकते हैं। इसके अलावा, पीएलवी ने डालसा द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी, जिससे जरूरतमंद लोग कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। कैंप के स्टॉल पर उपस्थित लोगों को विशेष रूप से महिलाओं, गरीबों, आदिवासियों और अन्य वंचित समुदायों के लिए उपलब्ध निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही, विवाद समाधान, लोक अदालत, कानूनी परामर्श और अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। माघी मेले में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति के कारण यह कैंप काफी प्रभावी रहा। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से कानूनी जानकारी मिलने में मदद मिलती है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी ऐसे जागरूकता अभियान जारी रहेंगे, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद लोग कानूनी सहायता का लाभ उठा सकें।

सरस्वती विद्या मंदिर में मनाई गई संत रविदास की जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : चांडिल के रूचाप स्थित नौरंगराय सूयार्देवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मंगलवार को संत शिरोमणि रविदास की जयंती श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाई गई। प्रधानाचार्य, उप प्रधानाचार्य व आचार्यों ने संत रविदास की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने संत रविदास के जीवन और उनके महान कार्यों पर भाषण प्रस्तुत किया। इसके साथ ही उनके जीवन पर आधारित भजन व कविता पाठ कर उपस्थित लोगों को मुग्ध कर दिया। छात्राओं ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। प्रधानाचार्य ने संत शिरोमणि रविदास के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और उनके बताए मार्ग पर चलने की बच्चों से अपील की। कार्यक्रम का संचालन पूजा कौर ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ आचार्य सौरभ बनर्जी ने दिया। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राओं ने योगदान दिया।

सीआरपीएफ जवानों को लेकर आ रही पिकअप पलटी, आठ घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चक्रधरपुर : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुआ थाना क्षेत्र के लोंजो घाटी में बुधवार को सीआरपीएफ जवानों को नक्सल विरोधी अभियान से लेकर आ रही एक मैक्स पिकअप वाहन पलट गयी. इस दुर्घटना में सीआरपीएफ 60 बटालियन के आठ जवान गंभीर रूप से घायल हो गये, जिनमें से छह की हालत गंभीर है। सभी जवानों का इलाज चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल में चल रहा है। वहीं बाकी जवानों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि एक मैक्स पिकअप वाहन बुधवार करीब साढ़े बारह बजे सीआरपीएफ 60 बटालियन के करीब 12 जवानों को नक्सल विरोधी अभियान एलआरपी से लेकर आ रही थी। इसी दौरान वह असंतुलित होकर पलट गयी, जिससे वाहन में सवार आठ जवान गिरकर घायल हो गये। घटना के बाद सभी घायल जवानों को इलाज के लिए सोनुआ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां से गंभीर रूप से घायल जवानों को बेहतर इलाज के लिए चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इधर सीआरपीएफ 60 बटालियन के कमांडेंट अंबुज मुथल ने रेलवे अस्पताल पहुंचकर इलाजरत घायल जवानों का हालचाल जाना। साथ ही घटना के बारे में जानकारी ली। घायल जवानों में श्वेत बिरुवा, आरसी दास, निरंजन बिनजोग, आर हेंब्रम, सारण गणेश, एके टोप्पो समेत अन्य शामिल हैं।

बोड़ाम में मनाई गई संत रविदास जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

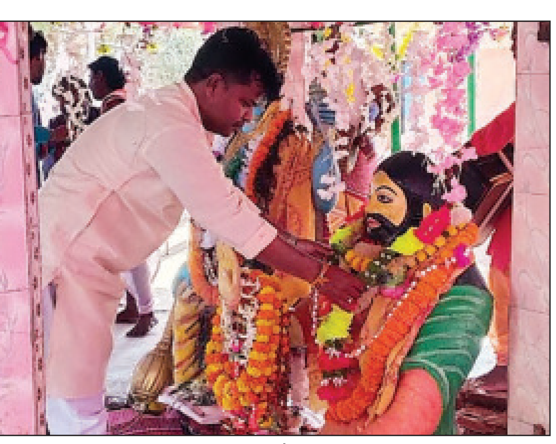

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के आंधारझोर गांव में संत रविदास जयंती मनाई गई। मौके पर पहुंचे बोड़ाम बीडीओ किकू महतो, सीओ रंजीत रंजन, भाजपा नेता मुचीराम बाउरी, मुखिया रूपा सिंह सरदार व पार्षद प्रतिनिधि माणिक चंद्र महतो, सांसद प्रतिनिधि महावीर महतो ने रविदास जी की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। मौके पर बीडीओ किकू महतो ने कहा कि संत रविदास जी ने गरीब घर में जन्म लेने के बावजूद अपने महान कर्मों की बदौलत आज पूरी दुनिया में पूजे जाते हैं। सीओ रंजीत रंजन ने कहा कि संत रविदास जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलें तो उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि अपने बच्चों को शिक्षित करें। इस संबंध में समाजसेवी विशाल दास ने बताया कि हर वर्ष की भांति गांव में जयंती कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। ग्रामीणों द्वारा 24 प्रहर यानी 72 घंटे का अखंड हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया गया है जो शनिवार की सुबह संपन्न होगी। जयंती के मौके पर सैकड़ों लोगों के बीच प्रसाद का वितरण भी किया गया। श्रद्धांजलि देने वालों में सेवानिवृत्त शिक्षक दिलीप महतो, विक्रम सिंह, पंसस महापद सिंह, विशाल दास, निरसिंह रूहिदास, बासुदेव रूहिदास, सुभाष रूहिदास बुद्धेश्वर रूहिदास व दयामय बाउरी समेत काफी संख्या में ग्रामीण शामिल थे।

राष्ट्रीय मॉनिटरिंग टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोरियो एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मंडरो का किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियो में 10 फरवरी से चल रहे एमडीए कार्यक्रम का निरक्षण दिल्ली से आये हुए एनसीवीबीडीसी से राष्ट्रीय मॉनिटरिंग टीम में कृतिका त्रिपाठी, एस. के. उसमानी, एवं जे. के. मानी के द्वारा किया गया। जिसमे सर्व प्रथम सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियों में एमडीए, कालाजार एवं वीबीडी से सम्बंधित सभी प्रकार के रजिस्टर, प्रतिवेदन, दस्तावेज एवं दवा आदि का अवलोकन किए। साथ ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर रामपुर अंतर्गत तेलो गाँव में चल रहे घर घर एमडीए कार्यक्रम का निरक्षण किया गया एवं टीम के द्वारा दवा प्रशासक (डीए) एवं पर्यवेक्षक को एमडीए कार्यक्रम से सम्बंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरक्षण के दौरान राष्ट्रीय टीम के द्वारा तेलो गाँव में उपस्थित सभी लोगों को फाईलेरिया बीमारी के बारे में जानकारी दी गई एवं लोगों को एमडीए कार्यक्रम में दवा खाने के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही सभी लोगों को गर्भवती महिलाओ,1 वर्ष से कम उम्र के बच्चे एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को छोड़कर सभी लक्षित जन-समुदाय को दवा सेवन करने को कहा गया। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मंडरों का भी निरक्षण किया गया। मौके पर डॉ सालखु चन्द्र हांसदा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, डॉ सत्तीबाबू डाबडा जिला वीबीडी सलाहकार, डॉ विवेक भारती, अभिषेक कात्यायन पीएल पिरामल स्वास्थ्य, बिष्णु कुमार भगत बीपीएम, प्रवीर सिन्हा एमटीएस, मनोहर पंडित एमटीएस, मिठू कुमार एलटी, अर्चना सिंह सीएचओ, सुशीला मुर्मू सहिया साथी, रायमुनी हेमब्रम सहिया, किमोती देवी सेविका आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

टेंपो दुर्घटना में तीन लोग घायल, दो की मौत

साहिबगंज: बुधवार को एक तेज रफ्तार टेंपो दुर्घटना में तीन लोग बुरी तरह घायल और दो लोगों की मृत्यु हो गई। मिली जानकारी के अनुसार दुर्घटना में बागरू पहाड़िया उम्र 46 वर्षीय पिता चंदू पहाड़िया पता डुकी पहाड़, सौरिन किस्कू उम्र 60 वर्षीय पति निर्मल हांसदा पता पितारोड बोरियो थाना, अंजली हांसदा उम्र 45 वर्षीय पति लाल टुडू पता घागौर जेनी थाना हिरणपुर, यह तीनों बुरी तरह घायल हो गया, वही डेमेलेट मरांडी उम्र 40 वर्षीय पिता सिरु मरांडी पता कितजोड़ थाना बोरियो, पीरु मुर्मू उम्र 80 वर्षीय पिता स्वर्ग अंता मुर्मू पता कितजोड़ थाना बोरियो, दोनों का मौके पर मौत हो गया। वहीं राहगीरों ने दुर्घटना का सूचना बोरियो थाना पुलिस को दी गई, सूचना मिलते ही बोरियो थाना पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर सभी को उठाकर इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेज दिया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने घायलों का इलाज किया। वही दो व्यक्ति का मृत्यु होने के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए पोस्टमार्टम गृह में भेज दिया गया। बोरियो पुलिस घटना की जांच में जुट गई है।

साहिबगंज में गंगा रिवर थाना का माघी पूर्णिमा के शुभ अवसर पर हुआ उद्घाटन

साहिबगंज: झारखंड व साहिबगंज का पहला गंगा रिवर थाना का बुधवार को शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन झामुमो केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा, विधायक मो ताजुद्दीन राजा उर्फ एमटी राजा, उपायुक्त हेमंत सती और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने फीता काट कर किया। रिवर थाना का प्रभारी लव कुमार को बनाया गया है। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। चर्च के सामने स्थित रेलवे के वर्षों से खाली पड़े बंगले में रिवर थाना अस्थाई रूप से संचालित होगा। दरअसल साहिबगंज में 83 किलोमीटर तक फैली गंगा नदी के किनारे और नाव से होने वाली आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने के लिए रिवर बैंक थाना खोला जाना है। थाना में प्रशिक्षित गोताखोर मोटरबोट के साथ हर समय गंगा में होने वाली आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखेंगे। लगभग डेढ़ साल पहले साहिबगंज में रिवर थाना की मंजूरी मिली थी। गृह कार्य एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखंड सरकार द्वारा 19 अक्टूबर 2023 को अधिसूचना जारी कर साहिबगंज जिले में गंगा नदी थाना के सृजन की घोषणा की थी। झारखंड का एक मात्र साहिबगंज जिला है, जहां गंगा नदी गुजरती है। नदी के उस पार अंतरराज्यीय सीमा की वजह से अपराधी व पशु तस्करों का आना जाना लगा रहता है। जांच और आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने के लिए रिवर थाना खोलने का प्रस्ताव बनाकर मुख्यालय भेजा गया था। थाना बन जाने से गंगा नदी के रास्ते होने वाली अवैध गतिविधियों पर रोक लग सकेगी। जो गंगा नदी क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाएंगे। मौके पर डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा, एसडीपीओ किशोर तिर्की, सर्किल इंस्पेक्टर राजीव रंजन, नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, मुफस्सिल थाना प्रभारी मदन कुमार व अन्य थे।

आनंदपुर के सुदूर तरोपडंडा पहुंचे विधायक जगत मांझी, ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

चाईबासा : मनोहरपुर विधायक जगत मांझी विधानसभा क्षेत्र के अंतिम छोर पर बसे बेड़ाकेंदुदा पंचायत के तरोपडंडा गांव पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं। चुनाव के बाद पहली बार गांव पहुंचे विधायक का ग्रामीणों ने पारंपरिक नृत्य व संगीत स्वागत किया। ग्रामीणों ने विधायक से तरोप स्कूल रोड से ओमडा संत मेरिज स्कूल तक चार किमी सड़क निर्माण, गांव में मिनी आंगनबाड़ी केंद्र की स्थापना, पेयजल, घरों में बिजली मीटर लगाने व प्राथमिक विद्यालय की चहारदीवारी निर्माण की मांग की। विधायक ने बिजली मीटर लगाने व पेयजल समस्या जल्द दूर करने का आश्वासन दिया। इसके बाद गांव में सड़क और अन्य समस्याओं का समाधान करेंगे। विधायक ने ग्रामीणों को बताया कि वह हर मंगलवार को प्रखंड कार्यालय में जनता दरबार लगाते हैं। किसी तरह की समस्या होने पर जनता दरबार में आकर उनसे मिल सकते हैं। इस मौके पर डोनशीष डांग, लिनसुष डांग, सिलास टोपनो, मारकुस केरकेट्टा, अकबर खान, सोमा, राजू सिंह, पिंटू जैन समेत गांव के बड़ी संख्या महिला-पुरुष उपस्थित थे।

कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष से मिले जवाहर बल मंच के पदाधिकारी

रामगढ़ : कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केशव कमलेश महतो से बुधवार को जवाहर बल मंच के प्रदेश अध्यक्ष तारिक अनवर, स्टेट कोऑर्डिनेटर राजकुमार यादव, स्टेट कोऑर्डिनेटर रमजान अंसारी, स्टेट कोऑर्डिनेटर किरण बांडो ने मुलाकात किया। इस दौरान तारिक अनवर ने जवाहर बाल मंच झारखंड के जरिये किए जा रहे कार्यो के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया। साथ ही आने वाले 22 एवं 23 फरवरी को संवाद 25 नेशनल कांफ्रेंस की भी उन्हें जानकारी दी। बताया कि झारखंड से प्रदेश के तमाम पदाधिकारी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इनके जरिये जो भी पदाधिकारी वहां हिस्सा ले रहे हैं उनकी सूची की मांग की गई। उन्होंने जब संगठन के बारे में जाना तो उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही प्रदेश कार्यालय में जवाहर बाल मंच को एक कार्यालय बनाकर उपलब्ध कराया जाएगा। क्योंकि अभी कोई भी कमरा खाली नहीं है। इस कारण तीन महीने के अंदर जवाहर बाल मंच झारखंड को कार्यालय मुहैया करा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में जितने भी पदाधिकारी रांची से बेंगलुरु जा रहे हैं। उन्हें वह स्टेशन तक छोड़ने जाएंगे और हरी झंडी दिखाकर उन्हें बेंगलुरु के लिए रवाना करेंगे।

एक इंकार से...........एलन मस्क की 13,74,13,60,35,000 रुपये कम हो गई संपति

मुंबई ।

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क को बड़ा झटका लगा। टेस्ला के शेयरों में भारी गिरावट के कारण उनकी नेटवर्थ में 15.9 अरब डॉलर यानी करीब 13,74,13,60,35,000 रुपए कम हो गई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के अनुसार, अब उनकी कुल संपत्ति घटकर 379 डॉलर अरब रह गई है। इस साल अब तक मस्क की संपत्ति में कुल 53.7 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई है। इस बीच मस्क ने चैटजीपीटी की पैरेंट कंपनी ओपनएआई को खरीदने के लिए 97.4 अरब डॉलर का प्रस्ताव दिया था लेकिन ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। ऑल्टमैन ने मजाकिया अंदाज में कहा कि यदि मस्क चाहें, तब वे ट्विटर (अब एक्स) को खरीदने के लिए तैयार हैं।

इस बीच दुनिया के टॉप 10 रईसों में से 6 की नेटवर्थ में गिरावट रही। मार्क जुकरबर्ग, बर्नार्ड आरनॉल्ट, बिल गेट्स और वॉरेन बफे की नेटवर्थ में तेजी आई। जेफ बेजोस, लैरी एलिसन, लैरी पेज, सर्गेई ब्रिन और स्टीव बाल्मर की नेटवर्थ में गिरावट आई। अमीरों की लिस्ट में जुकरबर्ग (253 अरब डॉलर) दूसरे, बेजोस (252 अरब डॉलर) तीसरे, एलिसन (199 अरब डॉलर) चौथे, आरनॉल्ट (189 अरब डॉलर) पांचवें, पेज (166 अरब डॉलर) छठे, गेट्स (166अरब डॉलर) सातवें, ब्रिन (156 अरब डॉलर) आठवें, बफे (148 अरब डॉलर) नौवें और बालमर (144 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं।

इसके पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 78.3 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह 87.6 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 2.96 अरब डॉलर की गिरावट आई है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर बने हुए है। दूसरी ओर अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में 79.8 करोड़ डॉलर की तेजी आई।

इंफोसिस के कर्मचारियों की मौज, मार्च से बढ़ेगी सैलरी....इंक्रीमेंट पत्र देना शुरु

बैंगलुरु।

देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस ने पिछले दिनों में अपने 400 ट्रेनी को बाहर का रास्ता दिखा दिया था। इसके बाद कंपनी की काफी आलोचना हुई और कर्नाटक सरकार से भी उसके रवैये की शिकायत की गई। लेकिन, अब कंपनी ने अपने कर्मचारियों को बड़े तोहफे का ऐलान कर दिया है। कंपनी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि फरवरी के आखिर तक कर्मचारियों को उनका इंक्रीमेंट पत्र मिलेगा। इफोसिंस की तरफ से यह वृद्धि तब हो रही है, जब मांग का माहौल सुधर रहा है और कई आईटी कंपनियों को उम्मीद है कि आने वाले वित्तीय वर्ष में तकनीकी बजट बढ़ेगा। भारतीय आईटी कंपनियां, जो अपनी अधिकांश कमाई उत्तरी अमेरिका से प्राप्त करती हैं। उन्हें उम्मीद है कि विवेकाधीन खर्च बढ़ रहा है और अब अधिक कंपनियां दो साल के अंतराल के बाद परिवर्तनकारी परियोजनाओं में निवेश करने के लिए तैयार हैं। इंफोसिस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि कंपनी अपने कर्मचारियों को फरवरी के अंत तक वेतन वृद्धि पत्र देगी। इस बार औसत वेतन वृद्धि 5 प्रतिशत से 8 प्रतिशत के बीच हो सकती है। यह बढ़ोतरी अप्रैल, 2025 से लागू होगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि इंफोसिस ने पदोन्नति पत्र बैचों में जारी करना शुरू कर दिया है, जिसमें पहला बैच दिसंबर के अंत में भेजा गया था और दूसरा बैच फरवरी के अंत में भेजा जाएगा। इंफोसिस के मुख्य वित्तीय अधिकारी जयेश संघराजका ने बताया कि अगले वित्तवर्ष के लिए भारत में वार्षिक वेतन वृद्धि आमतौर पर 6-8 प्रतिशत के बीच होती है और विदेशों में वेतन वृद्धि पिछले मुआवजा समीक्षाओं के अनुरूप होगी।

रीको ने सोलर पीवी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट लगाने कंपनी को दी जमीन

परियोजना में सनकाइंड 1.5 गीगावाट सालाना क्षमता के सोलर का करेगा निर्माण

जयपुर।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत किए गए एमओयू को जमीन पर उतारने के लिए रीको तेजी से भूखण्ड आवंटित कर रहा है और इस कड़ी में रीको द्वारा गुरुग्राम स्थित सनकाइंड फोटोवोल्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड को 5-5 एकड़ के दो भूखंड जयपुर के मातासुला औद्योगिक क्षेत्र में सोलर पीवी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना के लिए आवंटित किया है। इस परियोजना के तहत सनकाइंड 1.5 गीगावाट सालाना क्षमता के सोलर पीवी मॉड्यूल का निर्माण करेगा, जो सोलर एनर्जी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट का प्रमुख हिस्सा है। इस परियोजना के लिए कम्पनी ने मई 2024 में 5-एकड़ जमीन आवंटन के लिए रीको को आवेदन दिया था। रीको ने भूखण्ड आवंटन जल्द करने के लिए पहले ई-ऑक्शन किया और जमीन आवंटित करने से जुड़ी प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए 60 दिनों में कम्पनी को जुलाई में जमीन उपलब्ध करा दी। इसके बाद पिछले साल नवंबर महीने में अतिरिक्त 5 एकड़ जमीन भी कंपनी को दी गई और इसी दौरान सनकाइंड फोटोवोल्टिक्स ने 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत राज्य सरकार के साथ इस परियोजना में 200 करोड़ रुपए के निवेश के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। रीको के चेयरमैन ने कहा कि रीको का मुख्य उद्देश्य न केवल संबंधित कंपनियों को एक उपयुक्त भूखण्ड उपलब्ध कराना है, बल्कि पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से पूरा करना है। उन्होंने कहा कि सीएम के नेतृत्व में हम सभी निवेशकों को साथ लेकर, भूखंड आवंटन सहित उनकी सभी जरूरतों को फास्ट-ट्रैक मोड में पूरा करने में लगे हुए हैं। रीको की मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि भूमि आवंटन से संबंधित सभी प्रमुख प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए रीको प्रतिबद्ध है। किसी भी औद्योगिक उद्यम को शुरू करने के लिए जमीन जरुरी है और निवेशकों को तेजी से भूखंड आवंटन सुनिश्चित करने के लिए हम सारे जरुरी कदम उठा रहे हैं।

रुपए में गिरावट को रोकने आरबीआई बैंकिंग सिस्टम में डालेगी 2.5 लाख करोड़

नई दिल्ली।

रुपए में आ रही गिरावट को रोकने के लिए आरबीआई ने पहले तो मुद्रा विनिमय बाजार यानी फॉरेक्स मार्केट में उसे 4 से 7 अरब डॉलर यानी करीब 60 हजार करोड़ रुपए डालने पड़े ताकि रुपए में आ रही गिरावट को रोका जा सके। अब भारतीय बैंकिंग सिस्टम में भी रिकॉर्ड पैसा डालने की तैयारी कर रहा है। जाहिर है ये सभी कोशिशें पिछले 2 सत्रों से विदेशी मुद्रा बाजार में जारी गिरावट को थामने के लिए की जा रही हैं।

रिजर्व बैंक ने एक रात वाले वैरिएबल रेपो रेट के आधार पर बैंकिंग सिस्टम में पैसे डालने के लिए बड़ी नीलामी की तैयारी की है। बुधवार को यह पैसा बैंकिंग सिस्टम में डाला जाएगा, जो 28.85 अरब डॉलर यानी करीब 2.50 लाख करोड़ रुपए होगा। यह रकम आज तक आरबीआई की ओर से एक दिन में डाली जाने वाली सबसे बड़ी मात्रा है। आरबीआई की ओर से जारी आंकड़े देखें तो पता चलता है कि बीते 10 फरवरी तक एक सप्ताह से भी कम समय के भीतर भारतीय बैंकिंग प्रणाली में लिक्विडी यानी पूंजी की कमी 4 गुना बढ़कर करीब 2 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। इसका कारण आउटफ्लो और आरबीआई की ओर से आक्रामक डॉलर बिक्री को बढ़ावा देना है। इससे पहले आरबीआई ने बीते सोमवार को भी फॉरेक्स मार्केट में 4 से 7 अरब डॉलर बेचे थे, जो रुपए को समर्थन देने के लिए था।

रिजर्व बैंक ने मंगलवार को भी डॉलर बेचना जारी रखा, ताकि मुद्रा को मजबूत किया जा सके। भारतीय मुद्रा अभी पोर्टफोलियो आउटफ्लो और अमेरिकी व्यापार शुल्कों के बारे में अनिश्चितता के कारण संघर्ष कर रही है। ऐसे में रुपए को सहारा देने के लिए आरबीआई को बार-बार अपने रिजर्व में से डॉलर बेचना पड़ रहा है।

इस विनिमय की वजह से बैंकिंग सिस्टम में भी लिक्विडिटी की कमी हो जाती है, जिसे पूरा करने के लिए उसे बैंकिंग सिस्टम में भी पैसे डालने पड़ते हैं।

मोदी सरकार के नए आयकर बिल में एसेसमेंट की जगह केवल 'टैक्स ईयर' का प्रावधान

नई दिल्ली ।

बजट 2025 में केंद्रीय वित्त मंत्र निर्मला सीतारमण ने संसद में नया आयकर विधेयक पेश करने की बात कही थी। विधेयक को मंत्रिमंडल की मंजूरी दी जा चुकी है। अब विधायक किसी भी समय संसद में पेश हो सकता है। नए इनकम टैक्स बिल का ड्रॉफ्ट भी अब सामने आया है। इस ड्रॉफ्ट की भाषा मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 से आसान है। मौजूदा इनकम टैक्स एक्ट में कुल 880 पन्ने हैं। हालांकि, नए बिल के ड्रॉफ्ट में चैप्टर संख्या जस की तस 23 रखी गई है। ड्रॉफ्ट में वर्तमान में प्रचलित एसेसमेंट ईयर की जगह केवल 'टैक्स ईयर' का प्रावधान है। अब वित्तीय साल के पूरे 12 महीने को टैक्स ईयर कहा जाएगा, जबकि एसेसमेंट ईयर शब्द का इस्तेमाल नहीं होगा। नए बिल में वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (वीडीए) पर टैक्स नियमों को कड़ा किया है। यह अधिनियम इनकम टैक्स एक्ट, 2025 के रूप में जाना जाएगा। इसके एक अप्रैल 2026 से प्रभावी होने की उम्मीद है। ड्राफ्ट में शेयर बाजार के लिए शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन की अवधि में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सेक्शन 101 (बी) के तहत 12 महीने तक की अवधि को शॉर्ट टर्म कैपिटल गेंस माना जाएगा। इसके अलावा इसकी दरें भी समान रखी गई हैं। शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स 20 फीसदी पर बरकरार रहेगा। नए आयकर बिल में एक बड़ा बदलाव केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड यानी सीबीडीटी (सीबीडीटी) से जुड़ा हुआ है। नए बिल ड्राफ्ट के मुताबिक, पहले इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को विभिन्न टैक्स स्कीम को शुरू करने के लिए संसद से संपर्क करना होता था, लेकिन न्यू टैक्स एक्ट 2025 के मुताबिक, अब सीबीडीटी को स्वतंत्र रूप से ऐसी योजनाएं शुरू कर सकता। नए इनकम टैक्स बिल में 'टैक्स ईयर' को 1 अप्रैल से शुरू होने वाले 12 महीने के समय के रूप में परिभाषित किया गया है। हालांकि, किसी नए व्यवसाय या प्रोफेशन के मामले में टैक्स ईयर उसी दिन से शुरू होगा जब वह स्थापित हुआ और वित्तीय वर्ष के साथ समाप्त होगा।

1 डॉलर के निवेश कर 698 करोड़ रुपए कमाए, सेबी ने लिया एक्शन

नई दिल्ली । सिक्योरिटी एंड मार्केट एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने हिमाचल प्रदेश की कंपनी एलएस इंडस्ट्रीज और इससे जुड़ी 4 अन्य कंपनियों पर सख्त कार्रवाई कर उन्हें मार्केट से बैन किया है। इन कंपनियों पर शेयरों की कीमतों में हेरफेर करने और दुबई से जुड़े एक बड़े निवेश के जरिए गड़बड़ी करने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि दुबई के निवेशक जहांगीर पणिक्कवीट्टिल पेरुम्बरामबाथू (जेपीपी) ने महज 1 डॉलर के निवेश से 698 करोड़ रुपए तक का मुनाफा कमाया। सेबी की जांच में सामने आया है कि जेपीपी ने कंपनी के 10.28 करोड़ शेयर एक डॉलर में खरीदे थे और कंपनी का रेवेन्यू जीरो होने के बावजूद इसके शेयरों में वैल्यू 10 फरवरी 2025 तक 698 करोड़ रुपए हो गई। जेपीपी के निवेश, जिसकी कीमत अब कंपनी के हाई वैल्यू 328.6 मिलियन डॉलर है, ने फेमा विनियमों के संभावित उल्लंघनों पर चिंताएं पैदा कर दी हैं। कंपनी के पहले के डायरेक्टर सुएट मेंग चाय ने कंपनी की 12.12 फीसदी की हिस्सेदारी जेपीपी को सिर्फ 1 डॉलर में ट्रांसफर कर दी थी। इसके बाद इसके शेयरों के दामों में एकाएक तेजी थी।

बाजार में जारी हैं उतार-चढ़ाव, ब्रोकरेज हाउसेस ने इन स्टॉक्स पर निवेश करने की सलाह दी

मुंबई ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताबड़तोड़ फैसलों के बाद दुनियाभर में ट्रेड वार की आशंका बढ़ गई है। इसका तगड़ा असर भारतीय शेयर बाजारों पर दिख रहा है। बुधवार (12 फरवरी) को लगातार छठें दिन गिरावट रही। खुलते ही सेंसेक्स 800 अंक फिसल गया। निफ्टी भी 23000 के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गया। हालांकि बाद में निचले स्तरों से बाजार में अच्छी रिकवरी भी देखने को मिली। बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच लंबी अवधि का नजरिया रखना बेहतर हो सकता है। दिसंबर 2024 तिमाही के नतीजों के बाद कई स्टॉक्स आकर्षक दिख रहे हैं। ब्रोकरेज हाउसेस ने इन स्टॉक्स पर निवेश करने की सलाह दी है। इसमें भारत डायनेमिक्स, एस्ट्रा माइक्रोवेव प्रोडक्ट्स, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स और सोलर इंडस्ट्री शामिल हैं। ब्रोकरेज फर्म ने भारत डायनेमिक्स पर खरीदारी की राय दी है। प्रति शेयर टारगेट प्राइस 1,400 रुपये रखा है। मंगलवार (11 फरवरी) को शेयर 1134 रुपये पर बंद हुआ था। इस तरह मौजूदा भाव से यह करीब 23 फीसदी का तगड़ा रिटर्न दे सकता है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि भारत डायनेमिक्स (बीडीएल) ने वित्तीय साल की तीसरी तिमाही में परफॉर्मेंस अच्छी रही। कंपनी का कामकाजी मुनाफा 120 फीसदी बढ़कर 260 करोड़ रुपये हो गया, जबकि राजस्व 34 प्रतिशत बढ़कर 790 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी की अनुमानित ऑर्डर बुक 20,000 करोड़ रुपये है, जिसमें से करीब 2000 करोड़ रुपये एक्सपोर्ट से है। कंपनी ने निवेश या क्रिटिकल टेक्नोलॉजी में निवेश के लिए 135 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। कंपनी बोर्ड ने 4 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की सिफारिश की।

म्यूचुअल फंड्स में कुल 39,687 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ

मुंबई।

जनवरी 2025 के म्यूचुअल फंड डेटा जारी हुआ हैं। इस दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कुल 39,687 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ है। जो दिसंबर 2024 में आए 41,155 करोड़ रुपये से 3.6 प्रतिशत कम है। हालांकि, यह 2024 के औसत मासिक इनफ्लो से 21 प्रतिशत ज्यादा रहा। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का कुल एयूएम (एसेट अंडर मैनेजमेंट) बढ़कर 67.25 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। सभी तरह की म्यूचुअल फंड स्कीम में कुल 1.88 लाख करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो आया। इक्विटी फंड्स की 11 सब-कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश थीमैटिक फंड्स में हुआ, इसमें 9,017 करोड़ रुपये का इनफ्लो आया। इसके बाद, स्मॉलकैप फंड्स में 5,721 करोड़ रुपये और फ्लेक्सीकैप फंड्स में 5,698 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। ध्यान रखने वाली बात ये हैं कि स्मॉलकैप फंड्स में निवेश 22 प्रतिशत बढ़ा, जबकि इस दौरान स्मॉलकैप सेक्टर में भारी गिरावट आई। जनवरी में निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 9.9 प्रतिशत की भारी गिरावट आई, जो मई 2022 के बाद इसकी सबसे खराब मासिक परफॉर्मेंस रही। इसी तरह, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में भी 6.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, इस गिरावट के बावजूद मिडकैप फंड्स में निवेश जारी रहा। जनवरी में मिडकैप फंड्स में 5,148 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो हुआ, जो दिसंबर 2024 के 5,093 करोड़ रुपये से अधिक था। फरवरी में भी शेयर बाजार में गिरावट जारी है, और अब तक निफ्टी स्मॉलकैप 100 व निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 5 प्रतिशत और गिरावट दर्ज की गई है। इसके बावजूद, निवेशक लगातार स्मॉलकैप और मिडकैप फंड्स में पैसा लगा रहे हैं, जिससे इन सेक्टर्स की वैल्यूएशन को लेकर बहस तेज हो गई है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद , निवेशकों के 21 लाख करोड़ रुपये डूबे

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। देशी कंपनियों के घरेलू तिमाही के कमजोर परिणामों से भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 122.52 अंक या 0.16 फीसदी नीचे आकर 76,171 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 26.55 अंक तकरीबन 0.12 फीसदी टूटकर ,045.25 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में जारी गिरावट से निवेशकों के 21 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गए है। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 12 फरवरी को घटकर 4,07,46,408 करोड़ रुपये ही रह गया। वहीं पिछले बुधवार को यह 4,28,03,611 करोड़ रुपये था। इस तरह, बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकर 20,57,203 करोड़ रुपये कम हुआ है।वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों का भारतीय शेयर बाजारों में बिकवाली का सिलसिला जारी है। विदेशी निवेशक हर दिन भारतीय स्टॉक बेच रहे हैं। एफआईआई ने मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार में 4,486.4 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। इसे पहले गत दिवस भी बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स 1,018 अंक गिरकर 76,293.60 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 310 अंक गिरकर 23,072 पर बंद हुआ। आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। आज सुबह गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स में तेजी के बाद भी बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में एक फीसदी से ज्यादा गिरावट रही। देसी कंपनियों के दिसंबर तिमाही के कमजोर परिणामों के साथ ही जीडीपी की धीमी वृद्धि से भी बाज़ार पर दबाव आया। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से जुड़ी चिंताओं के कारण भी बाजार लगातार गिर रहा है। यह पिछले पांच कारोबारी सत्रों में गिरावट के साथ बंद हुआ है। सेंसेक्स आज सुबह 100 से ज्यादा अंक नीचे आया। सुबह

सेंसेक्स 827.53 अंक या 1.08 फीसदी फिसलकर 75,466 पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारत में शुद्ध रूप से 4,486 करोड़ रुपये के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,001.89 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 0.21 फीसदी, हांगकांग के हैंग सेंग में 0.8 फीसदी और दक्षिण कोरिया के कोस्पी और ऑस्ट्रेलिया के एएसएक्स200 में हल्की बढ़त रही। अमेरिका में एसएंडपी 500 में 0.03 फीसदी, नैस्डैक कंपोजिट में 0.36 फीसदी की गिरावट और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.28 फीसदी की बढ़त रही।

भारत बनेगा सेमीकंडक्टर हब, अमेरिकी कंपनी 10 हजार करोड़ रुपए का करेगी निवेश

नई दिल्ली। भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। अमेरिकी चिप-मेकिंग टूल्स निर्माता लैम रिसर्च देश में 10 हजार करोड़ रुपए का निवेश करने जा रही है। इसकी घोषणा केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की। यह निवेश कर्नाटक में किया जाएगा। राज्य की निवेश एजेंसी इन्वेस्ट कर्नाटक ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस घोषणा की पुष्टि की और बताया कि कर्नाटक इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट बोर्ड के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि हमारे सेमीकंडक्टर सफर में एक और मील का पत्थर। लैम रिसर्च ने भारत में 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के बड़े निवेश की घोषणा की है। लैम रिसर्च सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए जरूरी उपकरण विकसित करने वाली प्रमुख कंपनी है। इसके उत्पाद मुख्य रूप से वैफर प्रोसेसिंग और सेमीकंडक्टर डिवाइसेस की वायरिंग में इस्तेमाल किए जाते हैं। इन्वेस्ट कर्नाटक' के एक्स हैंडल से भी इस निवेश को लेकर जानकारी साझा की गई। एक पोस्ट में कहा गया कि इन्वेस्ट कर्नाटक 2025-ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट में, लैम रिसर्च के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सेशा वरदराजन ने कर्नाटक में बड़े निवेश की घोषणा की। हमने केआईएडीबी के साथ एक एमओयू साइन किया है, जिसके तहत अगले कुछ सालों में 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया जाएगा। यह राज्य में नवाचार और विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। भारत में सेमीकंडक्टर कंपनियों को आकर्षित करने के लिए केंद्र सरकार ने 2021 में 76 हजार करोड़ रुपए का प्रोत्साहन पैकेज घोषित किया था। सालों से इस क्षेत्र में विश्वसनीय निवेश लाने में असफल रहा भारत, 2023 में माइक्रोन को गुजरात में 22,500 करोड़ रुपए की टेस्टिंग और पैकेजिंग यूनिट स्थापित करने के लिए राजी कर लिया था। इसके बाद फरवरी 2024 में 1.3 लाख करोड़ रुपए के तीन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। अब लैम रिसर्च के निवेश से भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

जनवरी में महंगाई ने दी राहत, खुदरा महंगाई दर घटकर 4.31 प्रतिशत रही

नई दिल्ली ।

जनवरी में महंगाई ने आम लोगों को थोड़ी राहत दी है। खुदरा महंगाई दर (सीपीआई आधारित महंगाई) घटकर 4.31 प्रतिशत रह गई, जो बीते पांच महीनों में सबसे कम है। दिसंबर में यह 5.22 प्रतिशत थी। गिरावट की सबसे बड़ी वजह सब्जियों के दाम में भारी कमी है। सरकारी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य और पेय पदार्थों की महंगाई जनवरी में 5.68 प्रतिशत रही, जबकि दिसंबर में यह 7.7 प्रतिशत थी। खासतौर पर सब्जियों की कीमतें 25.6 प्रतिशत से गिरकर 11.35 प्रतिशत पर आ गई, जिससे लोगों को राहत मिली। आर्थिक जानकारों का अनुमान था कि जनवरी में महंगाई 4.5 प्रतिशत तक रह सकती है, लेकिन असली आंकड़ा इससे भी कम निकला। वहीं, आरबीआई ने तिमाही के लिए महंगाई दर 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। दूसरी ओर, कुछ ज़रूरी चीजों की कीमतें अभी भी बढ़ रही हैं। अनाज की महंगाई 6.24 प्रतिशत रही, जो दिसंबर में 6.5 प्रतिशत थी। मांस और मछली 5.25 प्रतिशत महंगे हुए, जबकि पिछले महीने यह आंकड़ा 5.3 प्रतिशत था। अंडे की महंगाई सिर्फ 1.27 प्रतिशत रही, जो पिछले महीने 6.9 प्रतिशत थी, यानी अंडे सस्ते हो गए! दूध और दूध उत्पादों की महंगाई 2.85 प्रतिशत रही, जो दिसंबर में 2.8 प्रतिशत थी। दालों की महंगाई 2.59 प्रतिशत रही, जो पिछले महीने 3.8 प्रतिशत थी। वहीं, कपड़े और जूते-चप्पल की महंगाई 2.68 प्रतिशत रही, जो पिछले महीने 2.7 प्रतिशत थी। माइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के कमजोर परफॉर्मेंस के चलते दिसंबर 2024 में भारत की औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) की ग्रोथ रेट धीमी होकर 3.2 फीसदी रह गई। सरकार ने नवंबर 2024 के आईआईपी आंकड़े को भी 5.2 फीसदी के प्रोविजनल अनुमान से संशोधित कर 5 फीसदी कर दिया है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा जाने वाला इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन दिसंबर 2023 में 4.4 फीसदी की दर से बढ़ा था। ऑफिशियल बयान के मुताबिक, दिसंबर 2024 में भारत का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 3.2 फीसदी बढ़ा।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों से पता चला है कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का प्रोडक्शन दिसंबर 2024 में 3 फीसदी बढ़ा, जो एक साल पहले महीने में 4.6 फीसदी था। माइनिंग प्रोडक्शन की वृद्धि दर पिछले साल की समान तिमाही के 5.2 फीसदी से घटकर 2.6 फीसदी रह गई।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को 16 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.89 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले सुबह भारतीय रुपया आठ पैसे की बढ़त के साथ ही 86.65 पर खुला । वहीं मंगलवार को रुपया 28 पैसे की भारी गिरावट के साथ ही 86.73 पर बंद हुआ। गत दिवस सुबह कारोबार में रुपया 61 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.84 पर पहुंच गया। व्यापार युद्ध की बढ़ती आशंकाओं के कारण व्यापक आर्थिक अनिश्चितता उत्पन्न हो गई है, जिससे वैश्विक मुद्रा बाजारों पर काफी प्रभाव पड़ा है। रुपया इस उठापटक के बीच सोमवार को 88 के स्तर के करीब पहुंच गया था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 87.45 पर खुला और फिर सुबह के कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 86.84 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 61 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को 87.45 पर बंद हुआ था। इस बीच अमेरिकी प्रशासन के एल्युमीनियम तथा इस्पात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद बढ़ते व्यापार तनाव के बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 108.40 पर पहुंच गया।

'रात में 11 बजे तक लड़का-लड़की आराम से घूमते हैं'

सीएम नीतीश कुमार बोले- 2005 से पहले ऐसा नहीं होता था

पटना। के बापू सभागार में बुधवार को संत रविदास की जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। कार्यक्रम में पहुंचे सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हमने शुरूआत से ही अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए काफी काम किया। पहले वाला कोई कुछ करता था जी, यह सब हमलोग साथ में आने के बाद किए हैं। सीएम ने यह भी कहा कि बीच में हम ही लोग जो दो बार डेढ़ साल अलग हुए। इसके बाद हमें पता चला कि ये लोग कभी कुछ नहीं करेगा। हम लोग तो आपस में एक साथ हैं। आगे भी साथ में काम करेंगे।2005 से पहले क्या होता था। शाम में कोई घर से बाहर निकलता था। अब बताइए लोग कितने देर तक बाहर घूमते हैं। रात में 10:00 बजे 11:00 तक लड़का-लड़की सभी लोग आराम से घूमते हैं। मुख्यमंत्री ने अटल बिहारी वाजपेई का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार में मंत्री थे। उन्होंने बिहार का मुख्यमंत्री बनाया। उस समय से ही सारा काम मिलकर कर रहा हूं। अभी भी हम सभी जगह घूम रहे हैं। एक-एक चीज को देख रहे हैं। लोकतंत्र में जनता तय करती है पीएम वहीं, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि 'गांधी परिवार सोचता है कि कोई और इस देश का वित्त मंत्री या प्रधानमंत्री नहीं बने। लेकिन, गांधी परिवार को पता होना चाहिए कि देश में लोकतंत्र है और लोकतंत्र में जनता तय करती है कि प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री कौन होगा।' मंत्री अशोक चौधरी ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि आजादी के बाद किसी राज्य के दलित मुख्यमंत्री ने दलितों के लिए इतना काम नहीं किया, जितना काम नीतीश कुमार ने दलितों के लिए किया है। 2023 से 24 में आप लोगों के जब बीच हमलोग जाते थे तो आपलोग वेतन बढ़ाने की बात करते है। इस काम को हमारी सरकार ने किया है। आगे भी आप विकास मित्रों के लिए हमलोग काम करते रहेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय भी पहुंचे हैं। उन्होंने संत रविदास का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की ओर से दलितों के लिए काफी काम किया गया है। उन्होंने दलितों के विकास को लेकर कई योजनाएं चलाई है।

संत रविदास को सीएम नीतीश कुमार ने काफी सम्मान दिया है। 2005 से ही एनडीए की सरकार में नीतीश कुमार नेता हैं। उन्होंने बीमार बिहार को विकास की ओर बढ़ाया है।

नित्यानंद राय,
केंद्रीय मंत्री

समारोह का आयोजन करवा रहे पूर्व मंत्री जनक राम ने कहा कि बिहार के विकास मित्र सहित संत रविदास के अनुयायी बड़ी संख्या में शामिल हुए हैं। संत रविदास के भक्तों में हर जाति के अनुयायी हैं। उन्होंने पूरी जिंदगी पाखंड और जातिवाद को उखाड़ फेंकने की लड़ाई लड़ी। आज संत रविदास के संदेश, वचन, कर्म को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में आगे ले जाया जा रहा है।

बाढ़ स्टेशन पर चलती मालगाड़ी दो हिस्सो में बंटी

पटना। बिहार के बाढ़ रेलवे स्टेशन पर बुधवार को बड़ा रेल हादसा टल गया। एनटीपीसी से बाढ़ की ओर आ रही एक मालगाड़ी का कपलिंग हुक अचानक खुल गया, इससे ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। मालगाड़ी की कपलिंग हुक खुलने की वजह से हादसा हुआ। प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर घटना हुई है। इससे करीब 1 घंटे तक प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर परिचालन प्रभावित रहा।रेलवे गार्ड और अन्य कर्मचारियों ने कपलिंग को जोड़ा कपलिंग हुक खुलने के बाद इंजन के साथ कुछ बोगियां करीब 100 मीटर आगे निकल गई, जबकि पीछे के डिब्बे वहीं रुक गए। रेलवे अधिकारियों को इसकी जानकारी मिली। इसके बाद तत्काल मालगाड़ी के दोनों हिस्सों को जोड़ा गया। बाद स्टेशन पर मौजूद कर्मी और रेलवे गार्ड ने मिलकर मालगाड़ी के कपलिंग को जोड़ा। मालगाड़ी को बख्तियारपुर की ओर रवाना किया गया यात्री ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होने से स्टेशन पर यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। तकनीकी खामी को दूर करने के बाद मालगाड़ी को बाढ़ से बख्तियारपुर की ओर रवाना किया गया।

रेलवे अधिकारियों ने कपलिंग हुक खुलने के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

प्रशांत किशोर बोले- न कभी विधायक-सांसदबना, न ठेकेदारी की

पटना। जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार के आरोपों को खारिज करते हुए प्रशांत किशोर ने उन पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि लोग पूछ रहे हैं कि प्रशांत किशोर इतना पैसा कहां से ला रहे हैं। मैंने कभी ठेकेदारी नहीं की, न कभी विधायक, सांसद बना।

न ही मैं किसी सरकारी पद पर रहा और न ही मैं IAS या IPS रहा। मेरे पास जो कुछ भी है वह मेरी बुद्धि और मां सरस्वती की कृपा से है। हम सब जानते हैं कि जिस पर सरस्वती जी की कृपा होती है, उसके पास लक्ष्मी जी अवश्य आती हैं। किसी के पिताजी ने नहीं दिया मुझे पैसा-प्रशांत किशोर आगे उन्होंने कहा कि बिहार के इस बेटे के पास जो कुछ भी है, वह उसने अपनी बुद्धि से कमाया है, उनके पिताजी ने नहीं दिया है, ताकि बिहार का कोई भी युवा कमजोर न रहे। क्या पैसा सिर्फ गुजरात के लड़कों के पास रहेगा। बिहार के लड़कों का वोट, बिहार के लड़कों की ताकत, बिहार के लड़कों की आवाज और पैसा गुजरात के लड़कों के पास, ये अब नहीं चलेगा। बिहार के लड़के मजदूरी करने के लिए पैदा नहीं हुए हैं। नीरज कुमार ने पीके से पूछा था 5 सवाल जदयू पार्टी के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने पीके पर आरोप लगाते हुए पार्टी की रजिस्ट्रेशन, फंडिंग और पारदर्शिता को लेकर 5 सवाल पूछा था। जन सुराज में शरद कुमार मिश्रा, विजय शाहू और अजित सिंह तीन प्रमुख लोग हैं। सही लोग दिल्ली के पते पर हैं। चुनाव आयोग के दस्तावेज में जन सुराज संरक्षक के तौर पर क्यों नहीं लिखते हैं। जॉय ऑफ लिविंग ग्लोबल फाउंडेशन के तहत जन सुराज का फेलोशिप चलाया जा रहा है। कंपनी एक्ट के तहत एनजीओ के जरिए राजनीतिक दल चलाकर फर्जी ढोंग कर रहे हैं। नीरज कुमार ने आरोप लगाते हुए कहा था कि यंग लीडर प्रोग्राम के तहत लोगों को नौकरी देते हैं। कई बार जॉय ऑफ लिविंग ग्लोबल फाउंडेशन के डायरेक्ट बदले गए हैं। पार्टी के अध्यक्ष शरद कुमार मिश्रा अभी कंपनी के डायरेक्टर हैं।

एक्जीबिशन रोड में हरि कॉम्प्लेक्स के पास फायरिंग: दुकान पर करीब 12 बदमाश पहुंचे

पटना। गांधी मैदान थाना क्षेत्र के एक्जीबिशन रोड स्थित हरि कॉम्प्लेक्स के पास दिनदहाड़े फायरिंग हुई है। बीके इंजीनियरिंग दुकान के स्टाफ राजेश पटेल दुकान पर बैठा था। इस दौरान करीब 12 शातिर लोग आए। इसके बाद फायरिंग कर दी। एक राउंड फायरिंग की गई है। मौके पर गांधी मैदान थाने की पुलिस पहुंचकर छानबीन में जुट गई है। फिलहाल पीड़ित राजेश पटेल को थाने पर लाया गया है। बीके इंजीनियरिंग शॉप के मालिक मनमीत सिंह ने बताया कि मेरा स्टाफ अशोक दुकान पर था। मैं बगल में शटर ठीक करा रहा था। इसी बीच 10 से 12 युवक दुकान पर आ गए। आगे दुकानदार ने कहा कि सभी युवक उसे खींचकर अपने साथ ले जाना चाह रहे थे, लेकिन जब लोग जमा होने लगे तो एक राउंड फायरिंग कर के फरार हो गए। मेरे स्टाफ के अलावा बाबा लुब्रिकेंट्स के स्टाफ सोनू कुमार को भी खींचकर लेकर जा रहे थे।

आसपास के दुकानदारों ने बताया कि देर रात दुकान जब बंद हो रही थी, उस वक्त किसी बात को लेकर कहा सुनी हुई थी। हो सकता है, उसी का बदला लेने के लिए आज आएं हो।

पुलिस, प्रेस समेत विशेष पहचान वाली गाड़ियों की जांच होगी

पटना। बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने बुधवार को एक बार फिर कहा है कि अनफिट पुलिसकर्मियों को रिटायर किया जाएगा। साथ ही गाड़ी पर पुलिस, प्रेस समेत विशेष पहचान लिखी हुई गाड़ियों की जांच होगी। पुलिस के फिटनेस को लेकर कहा कि यह प्रावधान पहले से है। पुलिसकर्मियों के काम की समीक्षा की जाएगी। जांच के बाद काम करने में जो सक्षम नहीं होंगे, उन्हें रिटायरमेंट देकर पेंशन दिया जाएगा डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि गाड़ियों पर विशेष पहचान लगा कर ड्रग्स, शराब सप्लाई समेत अन्य प्रकार की असामाजिक गतिविधियों को अंजाम दिया जाता है। इस पर रोक लगाने के लिए सख्ती से नियम को लागू कराया जाएगा। बिहार पुलिस ने 50 साल से ज्यादा उम्र के फिसड्डी और काम के लायक नहीं रह गए पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करेगी। इसका निर्णय ले लिया गया है। पुलिस मुख्यालय ने सभी एसएसपी, एसपी और रेल पुलिस जैसी पुलिस यूनिटों के एसपी को इस संबंध में एक निर्देश भेजकर लिस्ट मांगी है। जांच के बाद 31 मार्च तक रिटायर किया जा सकता है। आदेश के दायरे में गंभीर बीमारियों की वजह से ड्यूटी नहीं कर पा रहे पुलिस वाले भी आएंगे। सिपाही से लेकर डीएसपी रैंक के अफसर तक की लिस्ट बनने जा रही है।

पुलिस, प्रेस, वरीय पदाधिकारी का नेम प्लेट लगाना कोई बड़ी चीज नहीं है। लेकिन, लोग इसका प्रयोग करके गलत काम कर देते हैं। इसकी अब जांच की जाएगी।

विनय कुमार,
डीजीपी, बिहार

संक्षिप्त डायरी

बहन को छेड़ा तो बेल्ट से गला घोंटकर मार डाला

गोपालगंज। में एक नाबालिग ने अपने दोस्त की बेल्ट से गला घोंटकर हत्या कर दी। मर्डर के बाद शव को सरसों के खेत में में छिपाकर फरार हो गया। पुलिस ने उसका शव बीते सोमवार (10 फरवरी) को बरामद किया। वहीं, शव मिलने के 24 घंटे के अंदर मंगलवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शव पर आरोपी के फिंगर प्रिंट के निशान मिले हैं। मृतक की पहचान कमरुद्दीन मंसूरी के बेटे जफरुद्दीन मंसूरी(16) के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 'मृतक जफरुद्दीन उसकी बहन के साथ छेड़खानी करता था, इस वजह से उसने वारदात को अंजाम दिया। मामला नगर थाना क्षेत्र मठिया गांव का है।मृतक की मां अलीमा खातून ने बताया कि 'जफरुद्दीन दो भाइयों में सबसे छोटा था। वो अपने पिता के साथ ई-रिक्शा चलाता था। 'जफरुद्दीन अपने दोस्त के साथ बाहर गया था। रात 8 बजे तक जब जफरुद्दीन मंसूरी अपने घर नहीं लौटा, तो घर के सारे लोग परेशान हो गए। उसके पिता रात 9 बजे आरोपी के घर पहुंचे। वहां, उससे जफरुद्दीन के बारे में पूछा। इस पर उसने कहा कि वो अपने किसी अन्य दोस्तों के साथ बात करने लगा था, इस वजह से मैं घर आ गया। वो भी आता ही होगा।' रात 11 बजे तक जब जफरुद्दीन मंसूरी घर नहीं आया, तो पिता कमरुद्दीन मंसूरी परेशान हो गए। जफरुद्दीन का फुफेरा भाई सोमवार सुबह सरसों की खेत के पास गया। वहां उसने जफरुद्दीन का शव खेत के बीच में रखा देखा। इसके बाद उसने शोर मचा कर सबको इसकी जानकारी दी। घटना की सूचना पुलिस को दी गई।' मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, जफरुद्दीन के गले पर जो फिंगर प्रिंट थे, उसे लेकर जांच के लिए भेजा। इसके बाद परिजन के निशानदेही पर आरोपी को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि उसने ही जफरुद्दीन मंसूरी की हत्या की है। शव पर मिले फिंगर प्रिंट और आरोपी का फिंगर प्रिंट भी मैच कर गया।

इंस्टाग्राम से दोस्ती, शादी का झांसा देकर बनाया फिजिकल रिलेशन

समस्तीपुर। की एक युवती मंगलवार को अपने प्रेमी के घर जमुई पहुंची। यहां उसने आधे घंटे तक हंगामा किया। हंगामे के दौरान युवती बोल रही थी- 'तुम कहां छिपे बैठे हो। घर से बाहर निकलो। शादी का वादा किया और अब फोन नहीं उठा रहे हो।'युवती का हंगामा देख स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। फिर घर से लड़के की मां निकली और कहा-'मेरा बेटा यहां नहीं है। मुझे तुम्हारे संबंध के बारे में कोई जानकारी नहीं है। जब वो आएगा, तो बात कर लेना।' मामला बरहट थाना क्षेत्र के भरकहुआ गांव का है। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर घर में छिपे लड़का और लड़की को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। युवती की पहचान ज्योति कुमारी (21) और प्रेमी की पहचान आशीष कुमार (25) के रूप में हुई है। लड़की समस्तीपुर जिले की रहने वाली है। बताया जा रहा है कि इंस्टाग्राम से दोनों की दोस्ती हुई थी। इसके बाद प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। लड़के ने कुछ दिनों पहले युवती को शादी की झांसा देकर बेंगलुरु बुलाया और उसके साथ फिजिकल रिलेशन बयाया। फिर दोनों बिहार लौटे और अपने-अपने घर चले गए। प्रेमी आशीष ने बताया कि '2 साल पहले इंस्टाग्राम पर ज्योति का मैसेज आया था। हाय से बात शुरू हुई और 6 महीने बाद दोस्ती में बदल गई। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गया। एक साल से दोनों रिलेशनशिप में थे, लेकिन मैंने उससे शादी करने की बात नहीं कही थी। वो मुझ पर हमेशा बात करने का दबाव बनाती थी।' ज्योति ने बताया कि 'आशीष बेंगलुरु में बिल्डिंग का काम करता था। 25 जनवरी 2025 को आशीष ने मुझे बेंगलुरु बुलाया। यहां हम दोनों एक रात एक कमरे में रुके। आशीष ने शादी का वादा कर मेरे साथ फिजिकल रिलेशन बनाया। इसके बाद 26 जनवरी को आशीष अपने घर जमुई के लिए आ गया और मैं समस्तीपुर के लिए निकल गई। आशीष ने कहा कि घर जाकर परिवार को मना लेंगे। लेकिन 27 जनवरी से न तो उसने मेरा फोन उठाया और न ही मेरे मैसेज का जवाब दे रहा है।' ज्योति ने आगे बताया कि 'परेशान होकर मैं अपने माता-पिता से कुंभ स्नान का बहाना बनाकर जमुई के लिए निकल गई। जब यहां पहुंची तो आशीष की मां उसे बाहर नहीं निकलने दी। उन्होंने मुझसे झूठ कहा कि आशीष घर पर नहीं है।'

बंद घर में साड़ी से लटकता मिला शव जमीन विवाद में सुसाइड की आशंका

पटना। बाढ़ के भदौर थाना क्षेत्र के अजगरा गांव में रिशु राज उर्फ राजा कुमार (18) का शव मिला है। घर के एक बंद कमरे में साड़ी के फंदे से लटका हुआ मिला है। शव की हालत काफी खराब थी। आशंका जाहिर की जा रही है कि मौत कई दिन पहले हुई है। मृतक के परिजनों के मुताबिक जमीन विवाद की वजह से रिशु राज तनाव में चल रहा था। घर में अकेला था रिशु मृतक के पिता रंजीत ठाकुर ने बताया कि परिवार के सदस्य 5 फरवरी से रिश्तेदार के यहां गए हुए थे। रिशु घर में अकेला था। शुरूआत में उससे फोन पर संपर्क हो रहा था। लेकिन पिछले चार दिनों से उसका फोन स्विच ऑफ था। परिवार ने सोचा कि वह बात नहीं करना चाहता है, इसलिए कोई खोजबीन नहीं की। किसी पड़ोसी से इस बारे में बातचीत नहीं की गई। मंगलवार शाम को मृतक की मां घर लौटीं तो उन्होंने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद पाया। दरवाजा खोलने पर युवक का शव फंदे से लटका मिला। बाढ़ के एसडीपीओ-2 अभिषेक सिंह ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण किया जा रहा है। फोरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया गया है। परिवार ने बताया कि युवक किसी व्यक्ति के साथ जमीन विवाद के कारण तनाव में था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इंस्टाग्राम पर बहन की फ्रॉक देखकर मौत की खबर

15,000 रुपए देकर शव एंबुलेंस से भेजा, DM बोले- किसी की मौत नहीं

पटना। प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ के आज 14 दिन बीत गए। आज भी बिहार के मरने वालों के घरों में मातम है। कोई मां के लिए बिलख रहा है तो कोई पत्नी के वियोग में है। वहीं, प्रशासन के सरकारी आंकड़े उनकी मौत की तस्दीक नहीं करते। भगदड़ में बिहार के 15 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 4 जिलों के 5 लोगों की घरों में भास्कर पहुंचा। उनके परिजनों से बात की। छपरा के डुमरी छपिया के रहने वाले रूपम राय की पत्नी मन्ना देवी और बेटी शोभा ने गांव वालों के साथ कुंभ नहाने का प्लान बनाया। पति को बताया और गांव की महिलाओं के साथ छपरा से ट्रेन पकड़कर 28 जनवरी की दोपहर प्रयागराज के लिए निकल गईं। वहां भगदड़ में उनका गांववालों से साथ छूटा और फिर दो दिन बाद परिजनों ने इंस्टाग्राम पर वीडियो देखकर पहचान की। मां और बहन दोनों को खो देने वाले मनीष सफेद धोती और जैकेट पहने तेरहवीं की तैयारी में थे। मनीष की 10वीं बोर्ड की परीक्षा है, मगर तैयारी नहीं हो सकी है। वो भगदड़ की बात सुनते ही जमीन पर देखने लगते हैं। प्रयागराज मेले में बने हॉस्पिटल में गए। नहीं मिली। कुछ समझ नहीं आ रहा था कि किसको क्या कहे। पुलिस वाले कभी इस हॉस्पिटल भेज रहे थे तो कभी दूसरे हॉस्पिटल। फिर हम लोग मेला छोड़कर शहर में घूमने लगे। वहां एक सरकारी हॉस्पिटल के बाहर मरने वालों की लिस्ट लगी थी। इसमें मां की फोटो लगी थी। मनीष के पिता रूपम ने बताया, हॉस्पिटल के अंदर पत्नी की लाश पड़ी थी, लेकिन ड्यूटी पर तैनात पुलिसवाले अंदर जाने नहीं दे रहे थे। जब नहीं जाने दिया तो हमलोग हाथ जोड़कर वहीं खड़े हो गए। कहा- अगर भीतर नहीं जाने देंगे तो हम यहीं रहेंगे। इसके बाद उन्होंने कहा- जाओ गेट खोलकर देखो। वहां 11 नबंर और 14 नंबर पर बेटी और पत्नी की लाश थी। अफसरों ने 30 हजार रुपया दिया और एंबुलेंस करके बॉडी को भेज दिया। 55 साल के रूपम बोलने के साथ ही रो देते हैं। घर में यही दो महिलाएं थीं। एक कमरे के मकान में अब रोने वाला भी कोई नहीं है। जबकि, गांव के मुखिया मिथिलेश कुमार का कहना है, अंचल अधिकारी (CO) ने फोन करके इस मौत के बारे में बताया। दूसरी कहानीः काफी मशक्कत के बाद मिली पूनम की बॉडी इसके बाद हम (भास्कर) छपरा से तकरीबन 150 किलोमीटर दूर भोजपुर के पिटाथ गांव पहुंचे। यहां भी भगदड़ में एक मौत हुई है, जो सरकार के आंकड़े पर दर्ज नहीं है। पीड़ित परिवार का कहना है कि स्थानीय थाने से फोन आया कि भगदड़ में मौत हुई है और शव मोती लाल नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज में रखा है।वहां पूनम देवी की मौत हुई है, जो अपनी देवरानी के साथ कुंभ गईं। घर में अब 18 से 21 साल के तीन बच्चे और पिता बचे हैं। पूनम के भाई मंटू वहीं थे, जो भगदड़ की खबर के बाद बहन को खोजने प्रयागराज गए थे।बांका के सत्यवान रजक दिव्यांग थे। गांव के लोग कुंभ नहाने जा रहे थे तो पत्नी के साथ जाने का प्लान बनाया। पत्नी कंकाई और झारखंड में रहने वाले कुछ रिश्तेदारों के साथ वह संगम नोज के पास तक पहुंचे थे, तभी भगदड़ हुई और पत्नी का हाथ छूट गया।दरभंगा के 75 साल के कारी मंडल की सेक्टर 21 के पास हुई भगदड़ में मौत हो गई। उनके साथ पत्नी और बेटा भी थे। बेटे शंकर ने बताया, हम लोग 5 बजे भोर में पहुंचे और 15 किलोमीटर तक चलते रहे। गांव से एक बस लोग गए थे। सब साथ चल रहे थे। उजाला हो गया था, धूप भी लग रही थी लेकिन भीड़ आगे नहीं बढ़ रही थी। हम लोग सेक्टर 21 के पास पहुंचे तब तक हल्ला होने लगा। सामने से भीड़ ने हम लोगों को पीछे ठेल दिया। इसके बाद पापा का हाथ छूट गया। जब हल्ला रुका तो हम पापा को खोजने लगे। फिर हमको कुछ लोगों ने बताया कि प्रयागराज मेडिकल कॉलेज, सिविल रोड जाइए।

वैलेंटाइन डे पर पार्टनर के साथ इन जगहों पर घूमने जाएं, ट्रिप रहेगी यादगार

फरवरी का महीना लव बर्ड्स के लिए बेहद खास माना जाता है। फरवरी महीने को प्यार का महीना कहा जाता है। इस दौरान लोग अपने पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बनाते है। यदि आप भी कहीं जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आप इन रोमांटिक जगहों पर जरुर जाएं। यह ट्रिप आपकी बेहद यादगार रहेगी।

फरवरी का महीना प्यार महीना कहा जाता है। इस महीने में वैलेंटाइन डे आता है, जो कि कपल इसे सेलिब्रेट करते है। कुछ ही दिनों में वैलेंटाइन वीक शुरु हो जाएगा। इस खास महीने में लव बर्ड्स कहीं न कहीं घूमने का प्लान जरुर बनाते हैं। अगर आप भी फरवरी में अपने पार्टनर के साथ छुट्टियां बिताना चाहते हैं और घूमने के लिए जगह की तलाश कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आइए आपको बताते हैं कि आप किस रोमांटिक प्लेस पर घूमने जा सकते हैं।

दार्जिलिंग

फरवरी के महीने में घूमने के लिए सबसे बढ़िया डेस्टिनेशन है दार्जिलिंग। यह पश्चिम बंगाल में स्थित है, जो कि चाय के बागानों से घिरी हुई है। यहां पर टाइगर हिल में एक टॉय ट्रेन चलती है इसमें बैठकर आप सुंदर पहाड़ियों का नजारा देख सकते है। वैलेंटाइन डे सेलिब्रेशन के लिए यह जगह काफी अच्छी है।

महाबलेश्वर

अगर आप भी पार्टनर के साथ फरवरी में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह एक अच्छी डेस्टिनेशन में से एक है। यह जगह हरे-भरे प्रकृति और सुकून भरे मौसम के साथ ही पहाड़ों के नजारे देख सकते हैं। झरने और झील देख सकते है। मुंबई के पास इस जगह पर लोग वीकेंड पर जाना काफी पसंद करते है।

गोवा

अगर आप फरवरी में कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप अपने पार्टनर के साथ गोवा जा सकते हैं। यहां पर आप समुद्र के किनारे सनसेट का मजा ले सकते हैं। यहां पर घूमने कई जगहे है। गोवा में आप एडवेंचर एक्टिविटी कर सकते हैं और आप समुंद्र किनारे अपने पार्टनर के साथ सुकून के पल बिता सकते हैं।

हम्पी

खूबसूरत नजारे के लिए हम्पी काफी फेमस है। यूनेस्को की विश्व धरोहर मानी जाने वाली यह जगह एक हनीमून के लिए भी सबसे बढ़िया है। यहां पर केले के बागान और बिखरी पहाड़ियां हम्पी शहर के प्रमुख आकर्षणों में से एक हो सकती हैं। हम्पी में घूमने के लिए काफी जगहें है।

ट्रैकिंग के शौकिनों के लिए यह एक आदर्श स्थल है येलागिरी

येलागिरी की प्रमुख आकर्षणों में से एक येलागिरी झील है, जहां पर्यटक नौका विहार का आनंद ले सकते हैं। इस झील के चारों ओर हरे-भरे बाग-बगिचे और प्राकृतिक सुंदरता फैली हुई है, जो पर्यटकों को विश्राम और शांति का अहसास कराती है।

येलागिरी, तमिलनाडु राज्य का एक छोटा सा पर्वतीय स्थल है, जो चित्ताकर्षक प्राकृतिक दृश्यावलियों, शांतिपूर्ण वातावरण और रोमांचक पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थान विशेष रूप से उन पर्यटकों के लिए आदर्श है जो शहरी हलचल से दूर शांतिपूर्ण जगहों की तलाश में रहते हैं। यहां के हरे-भरे पहाड़, खूबसूरत झीलें और सुरम्य ट्रैकिंग रूट्स पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। आइए जानते हैं येलागिरी के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. येलागिरी झील

येलागिरी की प्रमुख आकर्षणों में से एक येलागिरी झील है, जहां पर्यटक नौका विहार का आनंद ले सकते हैं। इस झील के चारों ओर हरे-भरे बाग-बगिचे और प्राकृतिक सुंदरता फैली हुई है, जो पर्यटकों को विश्राम और शांति का अहसास कराती है। यहां बच्चों के खेलने के लिए पार्क भी हैं, जो इसे परिवारों के लिए एक आदर्श स्थल बनाता है।

2. स्वामीमलई हिल्स

स्वामीमलई हिल्स येलागिरी की सबसे ऊंची चोटी है और यहां ट्रैकिंग का आनंद लिया जा सकता है। ट्रैकिंग के शौकिनों के लिए यह एक आदर्श स्थल है, क्योंकि यहां की चढ़ाई आपको अद्वितीय दृश्य और प्रकृति के नजारे प्रदान करती है। इसके ऊपर से आसपास के इलाके का दृश्य बहुत ही मनमोहक होता है।

3. पंगलिंगम झरना

येलागिरी के पंगलिंगम झरने में गिरते हुए पानी की आवाज और ठंडी हवा पर्यटकों को ताजगी का एहसास कराती है। यह झरना प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकिनों के लिए एक आदर्श स्थल है। यहां पहुंचने के लिए कुछ ट्रैकिंग भी करनी पड़ती है, जो इस स्थान को और भी रोमांचक बनाती है।

4. जैन मंदिर

येलागिरी में स्थित जैन मंदिर एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है। यह मंदिर शांतिपूर्ण वातावरण में स्थित है और यहां के दर्शन करने से एक अलग ही अनुभव मिलता है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और धार्मिक महत्व के कारण पर्यटकों को आकर्षित करता है।

5. विलियानुर झरना

यह झरना येलागिरी के पास स्थित एक और लोकप्रिय स्थान है। यहां पर गिरते पानी के झरने के साथ-साथ आसपास की हरी-भरी वादियों का दृश्य बहुत ही मनमोहक होता है। इस झरने के पास घूमने और प्रकृति के नजारे का आनंद लिया जा सकता है।

6. येलागिरी पार्क

यह पार्क येलागिरी झील के पास स्थित है और यहां आप परिवार के साथ पिकनिक का आनंद ले सकते हैं। पार्क में बच्चों के खेलने के लिए खेलकूद के सामान और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह स्थल विशेष रूप से परिवारों के लिए एक आदर्श गंतव्य है।

7. अक्टिविटी और एडवेंचर स्पोर्ट्स

येलागिरी में कई एडवेंचर एक्टिविटीज भी होती हैं, जैसे पैराग्लाइडिंग, ट्रैकिंग, माउंटेन बाइकिंग आदि। इन गतिविधियों के माध्यम से आप प्रकृति के करीब जाकर रोमांचक अनुभव ले सकते हैं।

8. जंगल सफारी

अगर आप जंगल और वन्यजीवों के प्रेमी हैं, तो येलागिरी के आस-पास के जंगलों में सफारी का अनुभव भी ले सकते हैं। यहां के घने जंगलों में विभिन्न प्रकार के पक्षी और जानवरों की प्रजातियां पाई जाती हैं।

9. सूर्योदय और सूर्यास्त दृश्य

येलागिरी के पहाड़ों से सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य अत्यंत अद्भुत होता है। यहां के पहाड़ी इलाकों में सूरज के निकलने और ढलने के समय के दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। यदि आप प्रकृति प्रेमी हैं, तो यह दृश्य आपके लिए यादगार होगा।

येलागिरी एक शांति और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर स्थल है। यहाँ का वातावरण, झीलें, झरने, पहाड़ और ट्रैकिंग रूट्स आपको शांति और रोमांच का बेहतरीन मिश्रण प्रदान करते हैं। यदि आप एक यात्रा प्रेमी हैं और प्राकृतिक सौंदर्य में खो जाना चाहते हैं, तो येलागिरी एक बेहतरीन गंतव्य हो सकता है।

इस सुरम्य पहाड़ी स्थल पर यात्रा करते हुए आप न केवल अपनी मानसिक शांति को पुनः प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि एक अद्भुत अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं।

कोलकाता की इन 3 जगहों पर सेलिब्रेट करें बर्थडे, खास और यादगार बन जाएगा दिन

किसी खास जगह पर जाकर बर्थडे मनाकर लोग इसको एक यादगार पल बनाना चाहते हैं। हम सभी बर्थडे के दिन को खास बनाने के लिए खास लोकेशन की तलाश करते हैं। अपने किसी खास के साथ इस दिन को सेलिब्रेट करना सबसे अनोखा एहसास होता है। कुछ लोग अपने परिवार या पार्टनर के साथ समय बिताने के लिए किसी सुकून देने वाले जगह पर जाना पसंद करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोलकाता की कुछ ऐसी फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप बर्थडे पार्टी प्लान कर सकते हैं।

प्रिंसेप घाट

हुगली नदी के किनारे प्रिंसेप घाट का दृश्य और शांति से भरा माहौल आपके जन्मदिन को यादगार बना देगा। प्रिंसेप घाट की सुंदरता और ताजगी बर्थडे पार्टी के लिए बेस्ट हो सकती है। अगर आप अपने बर्थडे को अधिक यादगार बनाना चाहते हैं, तो आपको यहां पर सनसेट का दृश्य देखते हुए बर्थडे पार्टी इंजॉय कर सकते हैं। यह जगह सिर्फ दिन में ही नहीं बल्कि रात में भी ज्यादा सुंदर और बेहतरीन हो जाती है। कोलकाता की यह फेमस जगह घूमने के लिए काफी अच्छी है।

पार्क स्ट्रीट

अगर आप भी कोलकाता में बर्थडे पर घूमने के लिए पार्ट स्ट्रीट जाने का प्लान कर सकते हैं। यह कोलकाता के सबसे स्टाइलिश पर्यटक आकर्षणों में से एक है। जोकि फूड स्ट्रीट और नाइट लाइफ हब के लिए फेमस है। अक्सर लोगों को बर्थडे पार्टी राय या शाम के समय प्लान करना पसंद होता है।

इलियट पार्क

बता दें कि इलियट पार्क बैठने और आराम करने के लिए काफी अच्छी जगह है। शहर के केंद्र में स्थित यह पार्क बेहद शांत और हरा-भरा है। यहां का शांतिपूर्ण वातावरण आपका दिल जीत लेगा। बर्थडे पार्टी के लिए आप इस जगह का चयन कर सकते हैं। आप यहां पर घंटों समय बिता सकते हैं। यह पार्क दोपहर में 1 बजे से 4 बजे तक खुला रहता है। ऐसे में आप इस बीच यहां आ सकते हैं। यह कोलकाता का सबसे सुंदर पार्क है। वहीं यह पार्क बच्चों के साथ घूमने के लिए बेहद अच्छी जगह है।

स्वर्ग से भी सुंदर इस जगह पर मिलेगा मानसिक सुकून, रहने-खाने में नहीं खर्च होंगे हजारों रुपए

आज हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाना बजट के अंदर होने के साथ ही आप प्रकृति के बीच समय भी बिता सकेंगे। यहां पर गंगा का कल-कल बहता ठंडा पानी, गंगा आरती, मंदिर, सुंदर घाट आपको मानसिक सुकून देगा।

घर और ऑफिस की जिम्मेदारी संभालने के कारण लोग मशीन की तरह काम करते हैं। ऐसे में इस व्यस्त लाइफस्टाइल के कारण लोग अपने लिए समय निकालना भूल जाते हैं। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को बैलेंस करने के चक्कर में लोग खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं। कई बार लोग काम का इतना ज्यादा प्रेशर ले लेते हैं कि शरीर थक जाता है और दिमाग काम करना बंद कर देता है। ऐसे में आपको फौरन एक ब्रेक लेना चाहिए। क्योंकि यह ब्रेक आपको मानसिक शांति देने के साथ अंदर से हील करने का काम करता है।

इसलिए आपको काम से ब्रेक लेकर किसी ऐसी जगह जाना चाहिए, जहां पर आप खुलकर सांस ले सकें और शांति व सुकून का अनुभव कर सकें। अगर आप भी किसी ऐसी जगह की तलाश में हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाना बजट के अंदर हो और आप प्रकृति के बीच समय भी बिता सकेंगे। दरअसल हम एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर पूरे विश्व भर से लोग योग सिखने के लिए आते हैं। यह जगह और कोई नहीं बल्कि ऋषिकेश है। यहां पर गंगा का कल-कल बहता ठंडा पानी, गंगा आरती, मंदिर, सुंदर घाट और चारों ओर योग व आध्यात्म का नजारा आपको मानसिक सुकून देने का काम करेगा।

इस तरह करें ऋषिकेश जाने की प्लानिंग

दिल्ली से ऋषिकेश जाने के लिए आपको कई बस और ट्रेन मिल जाएंगी। बसों का किराया 300-400 रुपए के बीच होता है। इसके साथ ही ट्रेन के टिकट की कीमत भी करीब-करीब इतना ही होगा।

लोकल ट्रांसपोर्ट

दिल्ली से ऋषिकेश जाकर प्राइवेट कार या फिर कैब के इस्तेमाल की जगह लोकल ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। प्राइवेट कैब जहां आपको 200-300 रुपए खर्च करने होंगे। तो वहीं लोकल ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने पर आपका खर्चा 40-50 रुपए ही आएगा। बता दें कि आपको ऋषिकेश बस स्टॉप से कई लोकल ट्रांसपोर्ट मिल जाएंगे।

आश्रम में रहें

आप ऋषिकेश में होटल की जगह हॉस्टल में स्टे करें। हॉस्टल की शुरूआत 500 रुपए से होती है। अगर आप राम झूला के पास हैं, तो आपको यहां पर कई आश्रम मिल जाएंगे।

स्ट्रीट फ़ूड का लें मजा

अगर आप चाहें तो राम झूला के पास या लक्ष्मण झूला के पास खाने-पीने के लिए आपको महंगे से लेकर बजट तक में कई पैकेज मिल जाएंगे। आप यहां पर स्ट्रीट फ़ूड का भी मजा ले सकते हैं। आपको यहां पर 100 रुपए में खाने-पीने को काफी कुछ मिल जाएगा।

बुमराह, यशस्वी चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हुए, हर्षित राणा और वरुण शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम 19 फरवरी से होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना ही उतरेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण बुमराह को अंतिम टीम से बाहर कर दिया है। उनकी जगह युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को शामिल किया गया है। बुमराह के अलावा यशस्वी जायसवाल को भी टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल किया गया है। वरुण ने इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। बुमराह के नहीं खेलने से भारतीय टीम को झटका लगा है पर चयन समिति के पास उन्हें बाहर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह को लेकर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर, कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा के बीच लंबी बातचीत हुई। इन तीनों ने ही राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख नितिन पटेल की उस रिपोर्ट पर बात की जिसमें कहा गया कि बुमराह ने अपना रिहैब पूरा कर लिया है और स्कैन रिपोर्ट ठीक लग रही है पर ये अभी नहीं कहा जा सकता है कि वह टूर्नामेंट शुरू होने तक पूरी तरह फिट होकर गेंदबाजी कर पाएंगे या नहीं। ऐसे में चयनकर्ता उनको लेकर कोई खतरा मौल नहीं लेना चाहते थे। बुमराह को पांच सप्ताह के लिए कार्यभार से मुक्त रखने को कहा गया है। एनसीए प्रमुख ने फैसला अगरकर पर छोड़ दिया था क्योंकि कोई भी अनफिट खिलाड़ी को टीम में रखना नहीं चाहेगा। अगर मेडिकल टीम किसी खिलाड़ी की फिटनेस को लेकर हरी झंडी नहीं देती है, तो चयन समिति भी उसे शामिल करने का जोखित नहीं ले सकती। अगरकर, गंभीर और कप्तान रोहित के बीच अहमदाबाद में हुई बैठक के दौरान इस बात पर विचार किया गया कि क्या वे चैंपियंस ट्रॉफी में अनफिट बुमराह को लेंगे या हर्षित को रखेंगे। बुमराह को रखने में एक खतरा ये था कि अगर वह मैच में चोटिल हो जाते तो और भी नुकसान होगा। इससे पहले साल 2022 में टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक सीरीज के लिए चेतन शर्मा की समिति ने बुमराह को खेलने का अवसर दिया गया था पर उसका परिणाम नुकसानदेह रहा था।

चैंपियंस ट्रॉफी, 2025 के लिए भारतीय टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, वरुण चक्रवर्ती।

ट्रैवलिंग रिजर्व- मोहम्मद सिराज, शिवम दुबे और यशस्वी जयसवाल।

कुंबले ने पत्नी के साथ संगम में लगाई डुबकी

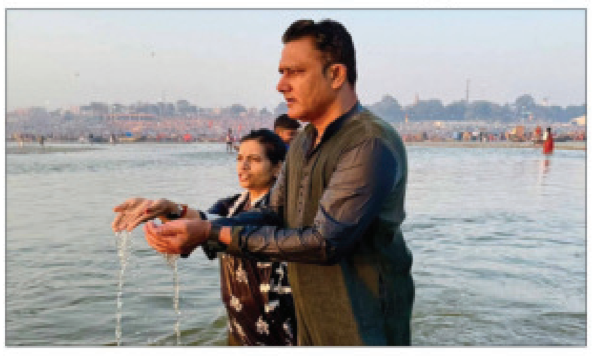

प्रयागराज (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने पत्नी चेतना रामतीर्थां के साथ माघ पूर्णिमा के अवसर संगम में डुबकी लगाई। इसके बाद दोनो ने सूर्य को अर्घ्य दिया और पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना की। उन्होंने नाव पर सवार होकर खींची तस्वीरें सोशल मीडिया में साझा कीं। इसमें माघ पूर्णिमा पर पूर्ण चंद्रमा की छवि भी नजर आ रही है। इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बने कुंबले महाकुम्भ की भव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा से अभिभूत दिखे।

कुंबले ने संगम स्नान के बाद अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। उन्होंने अपनी तस्वीरों के साथ केवल एक शब्द लिखा 'आशीर्वाद। इससे उनका तात्पर्य यही था कि त्रिवेणी संगम में स्नान कर उन्हें भी पुण्य की प्राप्ति हुई और तीर्थराज प्रयागराज का आशीष मिला है। कुंबले मंगलवार को ही प्रयागराज पहुंच गए थे। हालांकि त्रिवेणी स्नान के लिए उन्होंने माघ पूर्णिमा का पावन दिन चुना। इस दिन महाकुम्भ में वीवीआईपी प्रोटोकॉल जारी नहीं होता। इसलिए व सामान्य श्रद्धालु की तरह नाव पर सवार होकर त्रिवेणी संगम पहुंचे और संगम में स्नान किया।

रणतुंगा ने कहा, गावस्कर, वेंगसरकर और द्रविड़ से सलाह लें विराट

-बोले भारत की इस वर्तमान टीम को तीन दिन में हरा देते

दुबई (एजेंसी)। कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका के पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा ने भारतीय क्रिकेट टी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की खराब फॉर्म को लेकर कहा है कि उन्हें पूर्व क्रिकेटरों उन्हें सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों से सलाह लेनी चाहिये। विराट पिछले कुछ समय से रन बनाने में विफल रहे हैं। भारतीय टेस्ट टीम के लिए विराट के अलावा कप्तान रोहित शर्मा का खराब फार्म भी परेशानी का कारण बना है। इसी को लेकर रणतुंगा ने कहा कोहली अगर सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर या राहुल द्रविड़ जैसे लोगों से बात करें तो अन्हें अवश्य ही लाभ होगा।

रणतुंगा ने भारतीय क्रिकेट टीम के हाल के खराब फार्म की जमकर आलोचना की है। रणतुंगा ने कहा कि हमारी 1996 की विश्व कप विजेता टीम वर्तमान भारतीय टीम को तीन दिनों में ही हरा देती। भारतीय टीम को टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था इसके बाद उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भी हार झेलनी पड़ी। रणतुंगा ने कहा, वास और मुरली जैसे गेंदबाजों वाली मेरी टीम भारतीय टीम को तीन दिनों में ही हरा देती।

रणातुंगा की कप्तानी में हालांकि श्रीलंकाई टीम भारत को एक भी टेस्ट में नहीं हरा पाई। 13 मैचों में उन्हें 5 हार मिली। श्रीलंका की टीम ने 1982 में पहली बार भारत में आकर टेस्ट खेला था। तब से अभी तक दोनों टीमों के बीच भारत में 22 मुकाबले हुए हैं। इसमें श्रीलंका को एक भी जीत नहीं मिली है।

बुमराह को इसलिए चैम्पियंस ट्रॉफी में शामिल नहीं किया गया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो गये हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने बुमराह को इसलिए शामिल नहीं किया क्योंकि वह किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहती थी। चयन समिति को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी ने जो रिपोर्ट दी उसमें कहा कि बुमराह अपनी पीट की एंठन से उबर गये हैं पर टूर्नामेंट शुरु होने से पहले वह पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। ये कहा नहीं जा सकता है। ऐसे में चयनसमिति उन्हें शामिल कर कोई जोखिम नहीं लेना चाहती थी। मेडिकल रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि तेज गेंदबाज ने अपना रिहैब पूरा कर लिया है हालांकि, बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी की मेडिकल टीम यह पुष्टि नहीं कर सकी कि वह चैंपियंस ट्रॉफी में गेंदबाजी के लिए तैयार हो पाएंगे या नहीं। ऐसे में अगरकर को अंतिम फैसला लेना था। अगरकर ने बुमराह की एक एक फिट युवा हर्षित राणा को शामिल करना ज्यादा बेहतर समझा।

रिपोर्ट के अनुसार अगरकर बुमराह की फिटनेस को खतरे में नहीं डालना चाहते थे। बुमराह 2022 में पहले ही पीठ के निचले हिस्से की सर्जरी करवा चुके हैं। उन्हें सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट में गेंदबाजी करते समय एक और चोट लग गई। वह पहली पारी में 10 ओवर फेंकने के बाद बाहर हो गए थे। उन्हें एक महीने का पूरा आराम दिया गया। बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पूरी सफेद गेंद की घरेलू सीरीज के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

बुमराह को 5 सप्ताह के लिए आराम करने के लिए कहा गया था, जिसके बाद एनसीए में उनका रिहैब स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग ट्रेनर रजनीकांत और फिजियो तुलसी की देखरेख में हुआ। एनसीए ने कहा कि बुमराह की मेडिकल रिपोर्ट ठीक है, अधिकारी ने यह भी पुष्टि की कि बुमराह की स्कैन रिपोर्ट ठीक थी, लेकिन एनसीए प्रमुख नितिन पटेल ने अगरकर पर अंतिम निर्णय छोड़ दिया क्योंकि बुमराह का मैच की स्थिति में परीक्षण नहीं किया गया था। पटेल की रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि उन्होंने अपना रिहैब पूरा कर लिया है और स्कैन रिपोर्ट ठीक लग रही है पर ये नहीं कहा जा सकता है कि टूर्नामेंट शुरू होने तक वह गेंदबाजी के लिए फिट होंगे या नहीं। इसलिए चयनकर्ताओं ने कोई जोखिम नहीं लिया।

चैम्पियंस ट्रॉफी में तब अंतिम जोड़ी ने वेस्टइंडीज को जिताया था खिताब

लंदन। 19 फरवरी से शुरु होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पाकिस्तान में खेल जाने वाली इस चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के मैच दुबई में खेले जाएंगे। चैम्पियंस ट्रॉफी के इतिहास में एक से बढ़कर एक मुकाबले खेले गए हैं। इसमें साल 2004 का फाइनल सबसे यादगार कहा जा सकता है जब वेस्टइंडीज के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से मैच पलट दिया। उस मैच में इंग्लैंड के हाथ आई जीत निकल गयी थी। ये मैच चैम्पियंस ट्रॉफी के इतिहास का अब तक का सबसे रोमांचक मैच माना जाता है। को लंदन के द ओवल इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवरों में 217 रन बनाए थे। इसके बाद 218 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नही रही। उसकी आधी टीम 80 रनों के स्कोर तक पेवेलियन लौट गयी थी। वेस्टइंडीज का स्कोर 8 विकेट पर 147 रन था और वह हार की कगार पर थी पर इसके बाद नौवें नंबर के बल्लेबाज कर्टनी ब्राउन और दसवें नंबर-के इयान ब्रैडशॉ ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 71 रनों की साझेदारी करके वेस्टइंडीज को जीत दिला दी थी। उस मैच में विकेटकीपर कर्टनी ब्राउन ने 55 गेंदों पर नॉटआउट 35 रन बनाए, जिसमें 2 चौके शामिल रहे, जबकि ब्रैडशॉ 51 गेंदों पर 34 रन बनाकर नॉटआउट लौटे।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर कुहनेमन अवैध गेंदबाजी एक्शन के आरोप में फंसे

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन संदेह के घेरे में हैं। कुहनेमन पर अवैध गेंदबाजी एक्शन के आरोप लगे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि श्रीलंका के खिलाफ गाले में हुए दो मैचों में उनके एक्शन पर सवाल उठे हैं। कुहनेमन ने इस सीरीज में 16 विकेट लिए लिए थे। अब उन्हें ऐ जांच से गुजरना होगा जिससे तय होगा कि उनका एक्शन सही है या गलत। वहीं यदि मूल्यांकन के बाद उनके एक्शन को अवैध माना जाता है तो कुहनेमन को गेंदबाजी से निलंबित कर दिया जाएगा। इसके बाद वह तभी गेंदबाजी कर पायेंगे जब उनका एक्शन मूल्यांकन में सही पाया जाएगा। कुहनेमन अभी तस्मानिया के लिए घरेलू क्रिकेट खेल सकते हैं पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे। सीए ने अपने एक बयान में कहा, ऑस्ट्रेलियाई टीम को गाले में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के बाद मैच अधिकारियों ने उनके एक्शन को लेकर जानकारी दी। इस स्पिनर ने साल 2017 में अपने पदार्पण के बाद से 124 पेशेवर मैच खेले है, जिसमें पांच टेस्ट मैच और चार एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल हैं। उन्होंने 2018 से 55 बिग बैश लीग खेल खेले हैं। पेशेवर क्रिकेट के उन आठ वर्षों में यह पहली बार है जब उनके एक्शन पर सवाल उठाया गया है। आईसीसी नियमों के अनुरूप आईसीसी इस मामले में स्वतंत्र विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करेगा। इस मामले के सुलझने तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया या इस स्पिनर के द्वारा कोई और टिप्पणी नहीं की जाएगी।

चैम्पियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे स्मिथ

जोहांसबर्ग। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ करेंगे। नियमिम कप्तान पैट कमिंस के चोटिल होकर बाहर होने से स्मिथ को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। चैम्पियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और दुबई में खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट के लिए पिछले महीने घोषित टीम में शामिल तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिचेल मार्श चोटिल होकर बाहर हो गये हैं जबकि मार्कस स्टोइनिस ने एकदिवसीय से संन्यास ले लिया है। ऐसे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने सीन एबॉट, बेन द्वार्शुइस, स्पेंसर जॉनसन, जेक फेजर-मैकगार्क और तनवीर संघा को टीम में शामिल किया है। टीम की कप्तानी कर रहे स्मिथ विवादों में भी रहे हैं। उनपर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने साल 2018 में गेंद से छेड़छाड़ मामले में शामिल होने के कारण दो साल का प्रतिबंध भी लगाया था। वहीं तेज गेंदबाज स्टार्क के बाहर होने से प्रशंसकों को झटक लगा है। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने हालांकि कहा कि स्टार्क के फैसले का वह सम्मान करते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया अपना अभियान 22 फरवरी को लाहौर में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद उसे 25 फरवरी को रावलपिंडी में दूसरे ग्रुप बी मैच में दक्षिण अफ्रीका से खेलना है।

मैच फिक्सिंग के आरोप में बांग्लादेश की महिला क्रिकेटर पर पांच साल का प्रतिबंध

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने बांग्लादेश की महिला क्रिकेटर शोहेली अख्तर को मैच फिक्सिंग का दोषी पाये जाने के कारण पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। शोहेली भ्रष्टाचार के आरोपों में प्रतिबंधित होने वाली पहली महिला क्रिकेटर हैं। उन्हें 2023 टी20 विश्व कप के दौरान मैच फिक्स करने का दोषी पाया गया था।

ऑफ स्पिनर शोहेली ने बांग्लादेश की ओर से दो एकदिवसीय और 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले है। इस क्रिकेटर ने दक्षिण अफ्रीका में टी20 विश्व कप टूर्नामेंट के दौरान आईसीसी भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के पांच प्रावधानों का उल्लंघन करने की बात मानी है। आरोप खिलाड़ी हालांकि बांग्लादेश की टीम का हिस्सा नहीं थीं। शोहेली ने अंतिम बार 2022 में बांग्लादेश की ओर से खेला था।

शोहेली ने संहिता के अनुच्छेद 2.1.1, 2.1.3, 2.1.4, 2.4.4 और 2.4.7 के उल्लंघन के आरोपों को स्वीकार किया और 10 फरवरी 2025 से शुरू होने वाले पांच साल के प्रतिबंध को मान लिया है। एसीयू की जांच 14 फरवरी, 2023 को आईसीसी द्वारा खिलाड़ी ए के रूप में पहचाने गए एक क्रिकेटर के साथ शोहेली की बातचीत पर केंद्रित थी। जांच के दौरान एसीयू ने पाया कि 14 फरवरी को महिला टी20 विश्व कप में बांग्लादेश बनाम ऑस्ट्रेलिया मैच से पहले शोहेली ने अपनी दोस्त और टीम की साथी से संपर्क किया जिसमें उसने उसे भविष्य में बांग्लादेश के मैचों में फिक्सिंग करने के लिए राजी करने की कोशिश की।

जांच के अनुसार शोहेली ने अपनी टीम की साथी को बताया कि उसका चचेरा भाई, जो उसके फोन पर सट्टा लगाता है, उससे पूछ कि क्या वह ऑस्ट्रेलिया मैच के दौरान हिट विकेट आउट होगी। शोहेली ने उक्त खिलाड़ी से यह भी कहा कि अगर वह फिक्सिंग करती है तो उसे 2 मिलियन बांग्लादेशी टका का भुगतान किया जाएगा, और यह पैसा उसके चचेरे भाई द्वारा उसके सट्टे से हासिल जीत से आएगा। आईसीसी की जांच के अनुसार क्रिकेटर ने अपनी टीम की साथी को यह भी बताया कि अगर 2 मिलियन टका पर्याप्त नहीं है तो उसका चचेरा भाई उसे और अधिक भुगतान कर सकता है और उससे वादा किया कि पूरी गोपनीयता बनाए रखी जाएगी जिसमें उसके संदेशों को मिटाना भी शामिल है ताकि वे मौजूद न रहें। जिस खिलाड़ी से संपर्क किया गया था, उसने इस मामले की जानकारी तत्काल ही एसीयू को दी जिसके बाद से ही आरोपी क्रिकेटर जांच एजेंसी के निशाने पर थी।

कोबे ब्राएंट के स्नीकर्स 6.60 लाख डॉलर में बिके

खेल डैस्क। पूर्व बास्केटबॉल खिलाड़ी कोबे ब्रायंट ने 2013 के एक प्रतिष्ठित खेल के दौरान जो जूते पहने थे, वे नीलामी में 6.60 लाख डॉलर में बिके हैं। लॉस एंजिल्स लेकर्स के लिए खेलते हुए ब्रायंट गंभीर चोट के बावजूद गोल्डन स्टेट वॉरियर्स के खिलाफ शानदार खेल दिखाने में सफल रहे थे। नीलामी करने वाली संस्था सोथबी ने बताया कि 'कोबे के करियर में 'द अकिलिस गेम' से ज्यादा 'माम्बा मानसिकता' का प्रतीक कोई क्षण नहीं है।' बता दें कि बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेमर की जनवरी 2020 में कैलिफोर्निया के कैलाबास में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में 41 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई थी। इसमें उनकी 13 वर्षीय बेटी जियाना सहित 8 अन्य लोगों की मौत हो गई थी। ब्रायंट के लिए यह मुकाबला कभी न भूलने वाला साबित हुआ। खेल के दूसरे भाग में उनके घुटने पर चोट लगी। फिर चौथे क्वार्टर खत्म होने से 3 मिनट पहले ही वह गिर गए जिससे उनकी बाई एड़ी पर चोट लगी। ब्रायंट ने उस चोट पर एक इंटरव्यू में कहा था कि जैसे ही मैंने कदम उठाया, मुझे यह पता चल गया। ऐसा महसूस हुआ कि पैर के पिछले हिस्से में लगे शॉक एब्जॉर्बर खत्म हो गए हैं। ब्रायंट इस मैच में कुछ मिनटों के लिए बेंच पर बैठे और फिर कोर्ट पर लौट आए और दो फ्री थ्रो किए। यह बास्केटबॉल कोर्ट पर ब्रायंट के सबसे प्रसिद्ध क्षणों में से एक था।

टीम में जगह नहीं मिलने से निराश शेल्डन जैक्सन ने क्रिकेट से संन्यास लिया

घरेलू क्रिकेट में 21 शतक के बाद भी नहीं मिला अवसर

मुम्बई। घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकार्ड के बाद भी भारतीय टीम में अवसर नही मिलने से निराश बल्लेबाज शेल्डन जैक्सन ने खेल से संन्यास ले लिया है। शेल्डन ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में गुजरात से हार के सा ही अपने संन्यास की घोषणा कर दी। 38 साल के इस क्रिकेटर ने करीब 15 साल के अपने करियर में 105 प्रथम श्रेणी मैचों में 7200 से अधिक रन बनाए। इसमें 21 शतक और 39 अर्धशतक शामिला है। उनका सबसे अधिक स्कोर 186 रन रहा. शेल्डन ने अपने करियर का अंत 45 से ज्यादा की औसत के साथ किया, जिससे प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनके प्रदर्शन की निरंतरता का पता चलता है। वह एक विश्वसनीय बल्लेबाज होने के साथ अच्छे फील्डर भी रहे हैं।. सौराष्ट्र की तरफ से सीमित ओवरों की क्रिकेट में उन्होंने विकेटकीपिंग भी की! उन्होंने गुजरात के खिलाफ खेले गए अपने अंतिम मैच में 14 और 27 रन बनाए। इस क्रिकेटर जैक्सन ने 2011 में सौराष्ट्र की तरफ से अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की। उनके शानदार प्रदर्शन से सौराष्ट्र ने 2012-13 के रणजी सत्र में पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। घरेलू क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन के बला पर ही जैक्सन को वेस्टइंडीज दौरे के लिए भारत ए टीम में भी जगह मिली थी। उन्होंने 2015-16 में सौराष्ट्र को रणजी चैंपियन बनने में भी अहम भूमिका निभाई थी। जैक्सन ने पिछले महीने ही सीमित ओवरों की क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

जब नेहरा ने कोच को घर गिफ्ट किया

नई दिल्ली। भारतीय भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा अपने दौर के बेहतरीन गेंदबाजों में से एक माने जाते हैं। नेहरा संन्यास के बाद से ही कोच के तौर पर खेल से जुड़े हैं। हाल ही में एक नेहरा को लेकर एक ऐसी बात सामाने आई है जिसे जानने के बाद पता चलता है कि वह कितने बड़े दिलवाले हैं। सोशल मीडिया में इसका एक वीडियो भी आया है, इसमें बताया गया है कि नेहरा ने अपने कोच तारक सिन्हा को बेघर होता देख उन्हें नया मकान खरीदकर दिया था। तारक सिन्हा उनके बचपन के कोच थे।. भारतीय क्रिकेट को आशीष नेहरा, शिखर धवन, आकाश चोपड़ा, ऋषभ पंत, मनोज प्रभाकर और अंजुम चोपड़ा जैसे एक से बढ़कर एक स्टार खिलाड़ी देने वाले तारक का 2021 में निधन हो गया था। कमेंटेर पदमजीत सेहरावत ने कहा कि आशीष नेहरा ने अपने कोच का कठिन समय में साथ दिया था। सेहरावत ने कहा कि जब नेहरा को जब पता चला कि कोच तारक सिन्हा को किराए का घर खाली करने का नोटिस मिला है तो उन्होंने 3 दिन में नया घर खरीदकर उनको उपहार में दिया। पदमजीत ने बताया, फ़एक बार, नेहरा सोननेट क्रिकेट क्लब में ट्रेनिंग ले रहे थे और कोच तारक सिन्हा मैदान पर देर से पहुंचे। नेहरा ने अपने कोच से मजाक में कहा, 'आप अपने छात्रों को कैसे ट्रेनिंग देंगे, जब आप स्वयं ही देर से आते हैं? इसपर कोच ने कहा, 'आप एक भारतीय क्रिकेटर हैं आप एक बंगले में रहते हैं, और मैं किराए के घर में। मेरे मकान मालिक ने नोटिस भेजा है कि हमें दो दिनों के भीतर वह जगह खाली करनी होगी। मैं नया घर ढूंढने गया था, इसलिए देर हो गई।' उस मजाक के बाद अगले दो दिनों तक बारिश के कारण क्लब बंद रहा और तीसरे दिन नेहरा तीन घंटे देर से क्लब पहुंचे और उन्होंने कोच को मकान उपहार में दिया।

शुभमन गिल ने बनाया यूनिक रिकॉर्ड, एक ही मैदान पर तीनों फॉर्मेट में लगाए शतक, लिस्ट में पहले भारतीय

अहमदाबाद (एजेंसी)। शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के आखिरी और तीसरे वनडे में शतक लगाकर यूनिक रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। गिल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में एक ही मैदान पर शतक लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। इस लिस्ट में अभी तक कोई भारतीय शामिल नहीं था।

गिल ने 31.2 ओवर में मार्क वुड की गेंद पर चौका लगाकर शतक पूरा किया और रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इसी मैदान पर टेस्ट शतक, टी20 शतक और अब वनडे शतक भी यहीं है। इस सूची में आईपीएल शतक भी शामिल है। यह एक बेहतरीन पारी है।

शुरुआत में गेंद सीम और स्विंग कर रही थी। उन्होंने अपना समय लिया लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे उस चरण से निपटने के लिए बेहतरीन स्थिति में थे और एक बार जब वे इससे आगे निकल गए तो उन्होंने दिखाया कि वे इस मैदान पर क्यों राज करते हैं। टीम के साथी और प्रशंसक उनके 7वें वनडे शतक का स्वागत करने के लिए खड़े हो गए। उन्होंने हेलमेट उतार दिया, बल्ला उठाया और जश्न मनाते हुए झुके।

तीनों प्रारूपों में एक ही स्थान पर शतक

फाफ डु प्लेसिस - वांडरर्स, जोहान्सबर्ग
डेविड वार्नर - एडिलेड ओवल
बाबर आजम - नेशनल स्टेडियम, कराची
क्विंटन डी कॉक - सुपरस्पोर्ट पार्क, सेंचुरियन
शुभमन गिल - मोटेरा, अहमदाबाद

गिल की पारी का अंत 34.3 ओवर में आदिल रशिद की गेंद पर बोल्ड हुए। गिल ने अपनी पारी के दौरान 102 गेंदों का सामना किया और 14 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 109 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाए। अपनी पारी के अंत के साथ ही गिल वनडे की पहली 50 पारियों में सर्वाधिक 2587 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने हाशिम अमला का रिकॉर्ड तोड़ा जो इससे पहले 2486 रन बनाते हुए पहले स्थान पर थे।

एक नजर

आप पार्टी से अब जनता का उठ चुका है भरोसा : गहलोत

जयपुर : पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी द्वारा कांग्रेस पर उन्हें हरवाने के आरोपों को पूर्णतः निराधार बताया है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि असलियत में तो आम आदमी पार्टी ने कई राज्यों में कांग्रेस को हरवाने का काम किया है, जहां उनका कोई आधार ही नहीं था। परन्तु केवल कांग्रेस के वोट काटने के उद्देश्य से आप वहां जाकर चुनाव लड़ी। गहलोत ने बुधवार को सोशल मीडिया पर आप के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि गुजरात, गोवा, उत्तराखंड में जहां कांग्रेस अच्छी स्थिति में थी एवं भाजपा की हालत खराब थी। वहां आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ने पहुंच गई और कांग्रेस के वोटों को बांटा, जिससे कांग्रेस को नुकसान हुआ। इन जगहों पर आप के अधिकतर जीते या हारे उम्मीदवार बाद में भाजपा समेत दूसरी पार्टियों में चले गए। यानी ये केवल चुनाव में कांग्रेस का नुकसान करने के लिए ही लड़े थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा मानना है कि दिल्ली में कांग्रेस ने अकेले चुनाव लड़कर आगे के लिए अपनी भूमिका तैयार की है। मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में दिल्ली में कांग्रेस प्रमुख विपक्ष की भूमिका निभाएगी एवं अभी से आने वाले चुनाव की पृष्ठभूमि तैयार करेगी। आम आदमी पार्टी से अब जनता का भरोसा उठ चुका है।

साउथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन का 'एक्स' अकाउंट हैक

मुंबई : साउथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'विदामुयार्ची' को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इस बीच एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है कि उनका एक्स अकाउंट हैक हो गया है। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट के हैक होने की जानकारी इंस्टाग्राम पर दी। तृषा ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए अपने प्रशंसकों को सतर्क करते हुए लिखा, मेरा ट्विटर अकाउंट हैक हो गया है। कृपया तब तक किसी भी पोस्ट पर यकीन न करें जब तक कि यह समस्या ठीक नहीं हो जाती। धन्यवाद। एक्ट्रेस के अकाउंट से क्रिप्टो करेंसी लाइव का पोस्ट किया गया, जो एक्ट्रेस का नहीं है। यह पहली बार नहीं है, जब किसी फिल्म अभिनेता का सोशल मीडिया अकाउंट हैक हुआ हो। इससे पहले अर्जुन रामपाल, जावेद अख्तर, और कई अन्य दिग्गजों के भी एक्स अकाउंट हैक हो चुके हैं। तृषा कृष्णन का वर्कफ्रंट की बात करें तो इस समय अपनी हालिया फिल्म विदामुयार्ची की सफलता का आनंद ले रही हैं । 6 फरवरी को सिनेमाघरों में आई इस फिल्म को मिली-जुली समीक्षाएं मिली हैं, लेकिन इसके बावजूद यह बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

एआई से लेकर सिविल न्यूक्लियर क्षेत्र में सहयोग करेंगे भारत-फ्रांस

नई दिल्ली : भारत और फ्रांस एआई, रक्षा, स्पेस, सिविल-न्यूक्लीयर पॉवर और अन्य क्षेत्रों पर सहयोग पर सहमत हुए हैं। भारत और फ्रांस 2026 में आगामी भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के मद्देनजर उभरती हुई कृत्रिम मेधा तकनीक के विकास में शामिल होकर सुनिश्चित करेंगे कि इसका अर्थव्यवस्थाओं और समाजों पर सकारात्मक प्रभाव पड़े। दोनों देशों ने कृत्रिम मेधा पर एक अलग घोषणा को अपनाया है। यह दोनों देशों के लिए इस क्षेत्र में प्रमुख प्राथमिकताओं की पहचान करता है और सहयोग की संभावनाओं को तलाशता है। कल सीईओ के मंच पर दोनों नेताओं ने 2026 में इनोवेशन के भारत-फ्रांस वर्ष का लोगो भी शुरू किया।

महाकुम्भ में आस्ट्रेलिया की आबादी से 17 गुणा श्रद्धालु संगम में लगा चुके हैं आस्था की डुबकी

एजेंसी

महाकुम्भ नगर : मानवता की अमूर्त धरोहर कुम्भ का साक्षी बनने के लिए पूरी दुनिया संगमनगरी में उमड़ पड़ी। विश्व के सबसे बड़े मेले महाकुम्भ को शुरू हुए बुधवार माघ पूर्णिमा को एक महीना पूरा हो गया। इस एक महीने में तीन पवित्र नदियों के संगम में आस्ट्रेलिया की आबादी से 17 गुणा ज्यादा संख्या में श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। आबादी के लिहाज से देखें तो फ्रांस की आबादी से सात गुणा, इंग्लैण्ड की आबादी से छह गुणा, रशिया और जापान की आबादी से तीन गुणा ज्यादा संख्या में श्रद्धालु अब तक पवित्र स्नान कर चुके हैं। 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुम्भ मेले में अभी तक करीब पावन डुबकी लगाने वालों की संख्या 46 करोड़ को पार कर चुकी है।बुधवार 12 फरवरी शाम-4 बजे तक 1.94 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया है। मेला समापन में अभी दो हफ्ते का समय बाकी है। आबादी के लिहाज से महाकुम्भ नगर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश विश्व की आठ अरब से ज्यादा की आबादी में 1.45 अरब आबादी के साथ भारत अव्वल है। 1.41 अरब आबादी के साथ पड़ोसी देश चीन दूसरे और 34.5 करोड़ आबादी के साथ अमेरिका तीसरे स्थान पर हैं। महाकुम्भ में अब तक आए श्रद्धालुओं के हिसाब से उत्तर प्रदेश 76वां जिला महाकुम्भ नगर आबादी के लिहाज से दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका को पछाड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। विश्व में दस करोड़ से कम आबादी वाले लगभग 139 देश हैं। वल्डोमीटर डॉट इनफो वेबसाइट के अनुसार, आस्ट्रेलिया की आबादी 2.67 करोड़ है। उस हिसाब से महाकुम्भ में आस्ट्रेलिया की पूरी आबादी 17 बार से ज्यादा बार स्नान कर चुकी है। फ्रांस की आबादी 6.65 करोड़ और इंग्लैण्ड की 6.91 करोड़ है। महाकुम्भ में स्नान करने वालों की संख्या के हिसाब से फ्रांस की पूरी आबादी सात और इंग्लैण्ड छह बार स्नान कर चुकी है। रशिया और जापान की पूरी आबादी तीन बार कर चुकी स्नान वल्डोमीटर डॉट इनफो वेबसाइट के अनुसार, रशिया की आबादी 14.48 करोड़ और जापान की आबादी 12.3 करोड़ है। इस लिहाज से इन दोनों देशों की पूरी आबादी तीन बार महाकुम्भ में स्नान कर चुकी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अनुमान लगाया था कि 45 दिन के दुनिया के इस सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन में 45 करोड़ के करीब श्रद्धालु आएंगे। एक महीने में यह संख्या 46 करोड़ को पार कर चुकी है। अभी मेले दो हफ्ते का समय शेष है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान के साथ मेले का समापन होगा। माना जा रहा है कि महाकुंभ में स्नानार्थियों की संख्या 50 करोड़ से पार हो जाएगी।

एफआईएफएस ने भारत के प्रमुख संस्थानों के लिए स्पोर्ट्स एआई चैलेंज 'स्पोर्ट्स डेटा गेमथॉन' किया लॉन्च

एजेंसी

पटना : भारत को स्पोर्ट्स टेक का ग्लोबल हब बनाने के अपने विजन के अनुरूप, फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटेसी स्पोर्ट्स (एफआईएफएस) ने ड्रीम11 द्वारा संचालित स्पोर्ट्स एआई चैलेंज 'स्पोर्ट्स डेटा गेमथॉन' लॉन्च किया है। यह प्रतियोगिता डेटा को एकीकृत करने और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग के नए तरीकों की खोज की दिशा में एक कदम है।

प्रमुख संस्थानों की स्टूडेंट टीम्स इस गेमथॉन में भाग लेंगी, जहाँ वे आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान डेली फैंटेसी स्पोर्ट्स फॉर्मेट में प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रतिभागियों को डेटा एनालिटिक्स स्किल का लाभ उठाना होगा और गेमथॉन के हस्तांतरण से जुड़ी बाधाओं और अन्य नियमों का पालन करते हुए जीतने की रणनीति विकसित करने के लिए एआई और एमएल मॉडल बनाना होगा। 30 से अधिक प्रमुख संस्थानों ने गेमथॉन में रुचि दिखाई है और उनके स्ट्रेटेजी पेपर्स की समीक्षा करने के बाद, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी कानपुर तथा आईआईटी धारवाड़ जैसे संस्थानों की 52 टीमों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। शीर्ष तीन टीमें 25 लाख रुपए का कुल पुरस्कार पूल साझा करेंगी, जिनमें से प्रत्येक को क्रमशः 12.5 लाख रुपए, 7.5 लाख रुपए और5 लाख रुपए मिलेंगे। फआईएफएस के महानिदेशक जॉय भट्टाचार्य ने कहा, हम स्पोर्ट्स डेटा गेमथॉन के पहले संस्करण को लॉन्च करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। प्रतिक्रिया बहुत बढ़िया रही है, और हम इस गेमथॉन में युवा दिमागों की प्रतिस्पर्धा को देखकर रोमांचित हैं। यह न सिर्फ खेल के साथ प्रौद्योगिकी के अधिक एकीकरण को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि युवाओं को अपने कौशल को निखारने, खेल समुदाय से जुड़ने और अभिनव तरीकों से प्रशंसक अनुभव को बेहतर बनाने में योगदान देने के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा। जॉय भट्टाचार्य ने आगे कहा, हम इस गेमथॉन को एक वैश्विक प्रतियोगिता के रूप में स्थापित करने की कल्पना करते हैं, जो आने वाले वर्षों में कई खेल विषयों में विस्तारित होगी। गेमथॉन प्रतिभागियों को एक संपूर्ण खेल टूनामेंट के लिए परिणामों को मॉडल और पूवार्नुमान करने के लिए अपने डेटा एनालिटिक्स कौशल का लाभ उठाने की चुनौती पेश करेगा, जिससे उनकी विश्लेषणात्मक सोच और खेल में अत्याधुनिक निर्णय लेने वाली तकनीक को लागू करने की क्षमता दोनों का परीक्षण होगा। ये मॉडल वास्तविक जीवन के खेलों के लिए भी जबरदस्त क्षमता रखते हैं, जो प्रतिभा की पहचान और खेल की स्ट्रेटेजी के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का मूल्यांकन कई मापदंडों पर किया जाएगा।

आयात शुल्क हटने से बाजार में आई अरहर की दाल, गिरे दाम

कानपुर : अरहर दाल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए केन्द्र सरकार ने आयात शुल्क पूरी तरह से माफ कर दिया है। इससे खासकर दक्षिण अफ्रीकी देशों से बहुतायत में अरहर की दाल आयात होने की संभावना है। वहीं भारत में अबकी बार अच्छे उत्पादन के आसार हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए थोक कारोबारी अपने-अपने गोदाम खाली करने में जुटे हुए हैं और थोक बाजार में बहुतायत में अरहर की दाल आ चुकी है। बाजार के जानकारों का कहना है कि अरहर दाल के दाम अभी और गिरेंगे। हालांकि आयात शुल्क हटते ही इसका असर बाजार में दिखने लगा और थोक बाजार में एक किलो दाल के दाम सौ रुपए से नीचे भी आ गये हैं। ऐसे में आमजनमानस को भी जल्द इसका लाभ मिलने लगेगा।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत फिर कांग्रेस में हुए शामिल

एजेंसी

कोलकाता : पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने चार साल बाद कांग्रेस में वापसी कर ली है। बुधवार को उन्होंने पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष शुभंकर सरकार की मौजूदगी में कांग्रेस का झंडा थामा। अभिजीत ने कहा कि भाजपा की विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ संघर्ष के लिए कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है। अभिजीत मुखर्जी 2021 में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे, लेकिन तृणमूल में उन्हें कोई खास जिम्मेदारी नहीं मिली। पार्टी ने उन्हें न तो लोकसभा का टिकट दिया और न ही विधानसभा चुनाव में उतारा। पिछले कुछ महीनों से वह तृणमूल में अपनी भूमिका को लेकर असंतोष जता रहे थे। आखिरकार उन्होंने फिर से कांग्रेस का दामन थाम लिया। माना जा रहा है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उन्हें टिकट दे सकती है। अभिजीत मुखर्जी 2012 में जंगीपुर लोकसभा सीट से उपचुनाव जीतकर कांग्रेस सांसद बने थे। यह सीट उनके पिता प्रणब मुखर्जी के राष्ट्रपति बनने के बाद खाली हुई थी। 2014 में उन्होंने फिर से इस सीट पर जीत दर्ज की, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल उम्मीदवार से भारी मतों से हार गए। इसके बाद से वे राजनीति में ज्यादा सक्रिय नहीं रहे। अभिजीत 2021 में कांग्रेस छोड़कर तृणमूल में शामिल हो गए। तब उन्होंने कहा था कि वह जनता की सेवा करना चाहते हैं, लेकिन तृणमूल में उन्हें कोई खास अवसर नहीं मिला। पिछले कुछ महीनों से वह पार्टी में अपनी स्थिति को लेकर नाखुश थे।

रूस ने जेल में 14 साल की सजा काट रहे अमेरिकी शिक्षक को किया रिहा

एजेंसी

वाशिंगटन : रूस ने 14 साल जेल की सजा काट रहे अमेरिकी शिक्षक मार्क फोगेल को रिहा कर दिया। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड के कूटनीतिक प्रयासों से संभव हो पाया है। व्हाइट हाउस और फोगेल के रशियन वकील ने रिहाई की पुष्टि की है। समाचार पत्र फाइनेंशियल टाइम्स (अमेरिका) और रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास की खबर में मार्क फोगेल के जेल से बाहर आने की आधिकारिक सूचना दी गई है। फाइनेंशियल टाइम्स अमेरिका की खबर के अनुसार, मार्क फोगेल को रूस की जेल से मुक्त कराकर अमेरिका लाने के लिए डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ अपने निजी जेट से मास्को पहुंचे। वहां उनके प्रयास रंग लाए। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने बयान जारी कर पुष्टि की कि फोगेल ₹आज रात₹ अमेरिकी धरती पर वापस आ जाएंगे। वाल्ट्ज ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप, स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति के सलाहकारों ने रूस से शीर्ष नेतृत्व से इस पर बातचीत की। मार्क की रिहाई का यह मतलब है कि हम यूक्रेन में क्रूर और भयानक युद्ध को समाप्त करने की सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मार्क फोगेल के बदले अमेरिका ने क्रेमलिन से क्या वादा किया है? व्हाइट हाउस ने इसका विवरण नहीं दिया। इस बीच मार्क के परिवार ने एक बयान जारी कर ट्रंप के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए उनपर अटूट आस्था व्यक्त की है। मार्क फोगेल की अमेरिकी कानूनी टीम ने कहा है कि उनकी रिहाई में देरी की वजह नौकरशाही की निष्क्रियता है। उनकी रूसी कानूनी टीम ने कहा कि फोगेल की रिहाई से संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार की उम्मीद जगी है। फोगेल को अगस्त 2021 में रूस में मेडिकल मारिजुआना लाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने 2022 में आरोपों के लिए 14 साल की सजा काटनी शुरू की थी। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास की खबर के अनुसार, दोषी अमेरिकी ड्रग तस्कर मार्क फोगेल के रूसी वकील दिमित्री ओवस्यानिकोव ने उसकी रिहाई की पुष्टि की है।

फ्रांसीसी कंपनी सफ्रान की साझेदारी में बीईएल भारत में बनाएगी हैमर मिसाइल

एजेंसी

बेंगलुरु : एयरो इंडिया में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में सीईओ राउंड टेबल को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 116 वैश्विक सीईओ ने हिस्सा लिया। कई विदेशी और भारतीय मूल उपकरण निमार्ताओं (ओईएम) ने निवेश, सहयोग, विकास केंद्रों और उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए अपनी योजनाओं के बारे में घोषणाएं कीं। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने बुधवार सुबह बेंगलुरु में जीई एयरोस्पेस और फ्रांसीसी कंपनी सफ्रान के प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की। बैठकों में एयरोस्पेस सहयोग को आगे बढ़ाने, रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सीईओ राउंड टेबल में अल्ट्रा मैरीटाइम और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड ने अमेरिकी विनिर्देश के सह उत्पादन के लिए प्रारंभिक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का ऐलान किया। भारत फोर्ज ने कुछ वाणिज्यिक विमानों के लिए 100 फीसदी लैंडिंग गियर का निर्माण देश में ही करने की योजना बताई। फ्रांसीसी कंपनी सफ्रान और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने भारत में हैमर मिसाइल के सह उत्पादन के लिए साझेदारी की घोषणा की। रक्षा मंत्रालय के अनुसार गोलमेज सम्मेलन में जॉन कॉकरिल (बेल्जियम), एयरबस (फ्रांस), अल्ट्रा मैरीटाइम (यूएसए), जीएनटी (दक्षिण कोरिया), मित्सुबिशी (जापान), सफ्रान (फ्रांस), लिबरर एयरोस्पेस (फ्रांस), थेल्स (फ्रांस), लॉकहीड मार्टिन (यूएसए), मार्टिन बेकर (यूके) सहित 58 विदेशी ओईएम ने भाग लिया। भारतीय ओईएम में भारत फोर्ज लिमिटेड, अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस, महिंद्रा डिफेंस सिस्टम्स लिमिटेड, अशोक लीलैंड डिफेंस और डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स शामिल हुए। सीईओ बैठक के दौरान रक्षा मंत्री ने दुनियाभर की विमानन कंपनियों को मौजूदा अस्थिर भू-राजनीतिक परिदृश्य के कारण उभर रही चुनौतियों के लिए लक्षित समाधान और जवाबी उपाय खोजने के लिए आमंत्रित किया। यह गोलमेज सम्मेलन वैश्विक जुड़ाव के माध्यम से रक्षा सहयोग को सक्षम बनाना विषय पर आयोजित किया गया था, जो व्यवसाय केंद्रित प्रौद्योगिकी विकास, संयुक्त उद्यम, विनिर्माण उत्कृष्टता केंद्र, उद्योग आधारित क्षमता निर्माण, संयुक्त उद्यम, सह-विकास और सह-उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर आधारित था।

संक्षिप्त खबरें

मुंबई में जीबीएस से पहली मौत, बीएमसी अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा गया

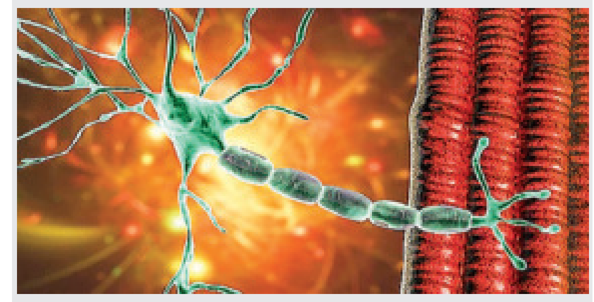

मुंबई : गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) से मुंबई में पहली मौत हुई है। नायर अस्पताल में 53 वर्षीय व्यक्ति की मौत होने के बाद मुंबई नगर निगम के आयुक्त भूषण गगरानी ने शहर के सभी बीएमसी अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया है। मुंबई नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी ने बुधवार को बताया कि अंधेरी निवासी 53 वर्षीय व्यक्ति को 23 जनवरी को नायर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें सांस लेने में कठिनाई हो रही थी, इसलिए मरीज को गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में स्थानांतरित कर दिया गया था। मंगलवार को देर रात उनकी मौत हो गई। नायर अस्पताल में पालघर की एक 16 वर्षीय जीबीएस से पीड़ित एक लड़की का इलाज चल रहा है। महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य के विभिन्न अस्पतालों में जीबीएस से पीड़ित कुल 197 मरीजों का इलाज जारी है। इनमें 50 का गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में और 20 का वेंटिलेटर पर इलाज चल रहा है। सूबे में अब तक 104 मरीजों को स्वस्थ होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है। गुइलेन-बैरे सिंड्रोम मांसपेशियों की कमजोरी पैदा करने वाली पोलीन्यूरोपैथी का एक रूप है, जो आमतौर पर कुछ दिनों से लेकर आने वाले हफ्तों में बदतर हो जाता है। इसके बाद धीरे-धीरे सुधार होता है या अपने आप सामान्य हो जाता है। उपचार से लोगों में अधिक तेजी से सुधार हो सकता है।

अश्वत्थामा के प्रायश्चित और कल्कि अवतार के उदय की गाथा, कल्कि 2898 एडी, जी सिनेमा पर

मुंबई : जब अधर्म की काली छाया दुनिया पर हावी होने लगेगी, तब पृथ्वी पर जन्म लेगा एक दिव्य अवतार- कल्कि, जो अधर्म का विनाश करके धर्म की पुनर्स्थापना करेगा। फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' इसी भविष्यवाणी को साकार करती है, और इसे अश्वत्थामा की अमर गाथा से जोड़ती है। अश्वत्थामा वह योद्धा है, जो शापित होकर अनंत काल तक पृथ्वी पर भटकने को मजबूर है। इस ब्लॉकबस्टर फिल्म में जबर्दस्त विजुअल्स के साथ एक अद्भुत संसार नजर आएगा, जिसमें अमिताभ बच्चन इस शापित महायोद्धा की भूमिका निभा रहे हैं। तैयार हो जाइए एक अद्भुत अनुभव के लिए, देखिए टीवी पर पहली बार कल्कि 2898 एडी, रविवार 16 फरवरी को रात 8 बजे, सिर्फ जी सिनेमा पर। अपनी कला के माहिर निर्देशक नाग अश्विन की कल्पना से जन्मी कल्कि 2898 एडी भारतीय सिनेमा के लिए एक नया अध्याय साबित हुई है। अपने शानदार वीएफएक्स, बेमिसाल दृश्यों के अलावा पुराणों एवं भविष्य की दुनिया के अनोखे संगम के साथ, यह फिल्म एक ऐसा सिनेमाई अनुभव लेकर आई है, जिसे पहले कभी नहीं देखा गया। चाहे भव्य युद्ध हों या कल्पनाओं के शहर, हर सीन इतनी बारीकी से गढ़ा गया है कि लगेगा, जैसे आप उसी दुनिया का हिस्सा हैं। द्वापरयुग में जब कौरवों और पांडवों के बीच महाभारत का युद्ध हुआ था, तब कौरवों की सेना के महारथी- गुरु द्रोणाचार्य के पुत्र अश्वत्थामा ने पांडवों के कुल का नाश करने के लिए एक गर्भवती स्त्री पर ब्रह्मास्त्र चलाया था। इससे क्रोधित होकर श्री कृष्ण ने अश्वत्थामा को अमरता का श्राप दिया था, जिसके कारण वे हमेशा-हमेशा के लिए जीवित रहकर पृथ्वी पर पीड़ा सहने को मजबूर हो गए। युग बदलता है, सदियाँ गुजरती हैं, लेकिन अश्वत्थामा अभी-भी भटक रहे हैं। अपने श्राप का प्रायश्चित करने के लिए अश्वत्थामा, अब कल्कि अवतार की प्रतीक्षा में है। उनका उद्धार तभी संभव है, जब वे उस स्त्री की रक्षा करे, जिसके गर्भ में स्वयं कल्कि का वास है। यह फिल्म आज से हजारों साल बाद के इसी घटनाक्रम को दशार्ती है, जब भगवान विष्णु के अंतिम अवतार कल्कि के प्रकट होने की घड़ी आ पहुँचती है। लेकिन इस बार धर्म की रक्षा का भार अश्वत्थामा के कंधों पर है।

डालमिया भारत फाउंडेशन की ग्राम परिवर्तन परियोजना कर रही कल्याणपुर में सतत परिवर्तन

कल्याणपुर : डालमिया भारत लिमिटेड (डीबीएल) की सीएसआर शाखा, डालमिया भारत फाउंडेशन (डीबीएफ), अपने अग्रणी फ्लैगशिप कार्यक्रम- ग्राम परिवर्तन परियोजना के जरिए ग्रामीण बिहार में सघन परिवर्तन ला रही है। सतत आजीविका और समग्र सामुदायिक विकास पर केंद्रित, इस पहल ने कल्याणपुर में अपने डालमिया सीमेंट

(रोहतास सीमेंट वर्क्स) संयंत्र के पास, तीन ग्राम पंचायतों- समाहुता, बकनौड़ा और बंजारी के नौ गांवों में 4827 से अधिक लाभार्थियों के जीवन में एक स्पष्ट बदलाव किया है। लक्ष्य आधरित घरेलू-स्तर के हस्तक्षेपों के जरिए यह परियोजना ग्रामीण परिवारों को सशक्त बनाती है और टिकाऊ खेती, कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देकर आर्थिक अवसरों को बढ़ाती है। कुल 3,367 मैप किए गए घरों में से, 18 महीनों में 2,991 घरों पर सीधे तौर पर प्रभाव पड़ा है, जिससे सामुदायिक आजीविका और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इस पहल के बारे में बात करते हुए, डालमिया सीमेंट- आरसीडब्ल्यू के उप कार्यपालक निदेशक और यूनिट हेड, आशुतोष कुमार तिवारी ने कहा, ग्राम परिवर्तन परियोजना को जमीनी स्तर के समुदायों को सस्टेनेबल, पर्यावरण के अनुकूल और न्यायसंगत आजीविका बनाने में मदद करने के लिए शुरू किया गया था, ताकि दीर्घकालिक आर्थिक प्रगति सुनिश्चित हो सके। इस पहल के माध्यम से, किसान जलवायु-अनुकूल प्रथाओं को अपना रहे हैं, महिलाएं उद्यमिता में कदम रख रही हैं, और युवा उद्योगों के लिए प्रासंगिक कौशल प्राप्त कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र में आर्थिक आत्मनिर्भरता और समावेशी प्रगति को बढ़ावा मिल रहा है। भविष्य के दृष्टिगत डीबीएफ का लक्ष्य इस परिवर्तनकारी पहल की पहुंच को वंचित समुदायों तक विस्तारित करना और व्यापक पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव डालना है।

सेल का तीसरी तिमाही में मुनाफा 66 फीसदी घटकर 142 करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली : सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही और नौ माह के दौरान सेल का एकीकृत शुद्ध लाभ 66 फीसदी घटकर 141.89 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में कंपनी को 422.92 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि शेयर बाजार को मंगलवार को दी गई जानकारी के मुताबिक स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की कुल इनकम बढ़कर 24,723.43 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 23,492.33 करोड़ रुपये थी। हालांकि, अक्?टूबर-दिसंबर तिमाही में इस्पात उत्पादक कंपनी सेल का खर्च बढ़कर 24,560.47 करोड़ रुपये हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 23,140.81 करोड़ रुपये था। इस्?पात मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि इनकम की तुलना में खर्च अधिक बढ़ जाने से लाभ में कमी आई है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**